MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । गुरुवार, 10 सितंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-250

"जैन साध्वी आज़ाद!

परिवार के खिलाफ दीक्षा : धार्मिक स्वतंत्रता?

इंदौर, 09 सितंबर (एजेंसियां)।

मध्यप्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर पीठ ने एक महत्वपूर्ण आदेश में स्पष्ट किया है कि बालिग व्यक्ति को अपने धर्म का पालन करने और अपनी इच्छा के अनुसार जीवन जीने का अधिकार है। अदालत ने 20 वर्षीय युवती के उस निर्णय में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया, जिसमें उसने श्वेतांबर जैन धर्म का पालन करते हुए सांसारिक जीवन त्यागकर दीक्षा लेने और साध्वी बनने की इच्छा जताई थी। युवती के माता-पिता और रिश्तेदार उसके इस फैसले का विरोध कर रहे थे। युवती ने आशंका जताई थी कि उसके धार्मिक निर्णय, आवागमन और स्वतंत्रता में बाधा डाली जा सकती है।

न्यायमूर्ति संदीप एन. भट्ट ने 7 सितंबर 2026 को रिट याचिका क्रमांक 48919/2025, तनिशा बनाम मध्यप्रदेश शासन एवं अन्य में यह आदेश पारित किया। अदालत ने कहा कि 18 वर्ष से अधिक उम्र की भारतीय नागरिक युवती अपने धर्म का पालन अपनी इच्छा के अनुसार करने और अपने जीवन के बारे में स्वयं निर्णय लेने की अधिकारी है। साथ ही, यदि उसके खिलाफ कोई जबरदस्ती या दबाव किया जाता है तो वह पुलिस से सहायता मांग सकती है और पुलिस को तत्काल कार्रवाई करनी होगी।

याचिकाकर्ता ने हाई कोर्ट में मुख्य रूप से अपनी सुरक्षा, स्वतंत्रता और निर्बाध आवागमन के लिए पुलिस संरक्षण की मांग की थी। उसने अदालत से यह निर्देश देने का आग्रह भी किया था कि उसके माता-पिता, अभिभावक, रिश्तेदार अथवा कोई अन्य व्यक्ति उसके श्वेतांबर जैन धर्म के पालन, दीक्षा लेने के निर्णय या भविष्य में होने वाले धार्मिक दीक्षा समारोह में हस्तक्षेप न करे।

युवती ने यह भी मांग की थी कि उसके खिलाफ किसी तरह की जबरदस्ती, झूठी शिकायत, आरोप या निगरानी की अनुमति न दी जाए। उसने संविधान के अनुच्छेद 19, 21, 25 और 26 के तहत अपने मौलिक अधिकारों का बिना किसी बाधा के इस्तेमाल करने की बात कही थी।

परिवार के विरोध और दबाव की जताई थी आशंका

याचिका में युवती की ओर से बताया गया कि उसने श्वेतांबर जैन धर्म को अपनाने और दीक्षा के धार्मिक मार्ग पर आगे बढ़ने का निर्णय लिया है। उसके अनुसार, माता-पिता और रिश्तेदार उसके धार्मिक निर्णय का विरोध कर रहे हैं तथा उसे परेशान कर रहे हैं।

उसे आशंका थी कि परिवार के लोग उसके अंत:करण की स्वतंत्रता और धार्मिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप कर सकते हैं। साथ ही उसके आवागमन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को प्रतिबंधित करने का प्रयास किया जा सकता है। इस संबंध में उसने इंदौर के पुलिस आयुक्त के समक्ष सुरक्षा की मांग करते हुए आवेदन भी दिया था, जो उस समय लंबित था।

हाई कोर्ट ने माता-पिता की भावनाओं को भी समझा

अदालत ने अपने आदेश में केवल युवती के अधिकारों पर ही विचार नहीं किया, बल्कि माता-पिता की भावनात्मक स्थिति को भी स्वीकार किया। न्यायमूर्ति संदीप एन. भट्ट ने कहा कि मामले के विशेष तथ्यों को देखते हुए अदालत को युवती और उसके माता-पिता दोनों के प्रति समान सहानुभूति है।

▶8पर

याचिका का हुआ निपटारा

हाई कोर्ट ने रिट याचिका का निपटारा कर दिया। अब यदि युवती को अपने माता-पिता या किसी अन्य व्यक्ति से जबरदस्ती, दबाव या अन्य प्रकार की बाधा का सामना करना पड़ता है, तो वह संबंधित पुलिस अधिकारी के पास आवेदन कर सकती है। आवेदन मिलने पर पुलिस को सुप्रीम कोर्ट के संबंधित फैसलों के अनुरूप तत्काल कार्रवाई करनी होगी।

इस फैसले का व्यापक संदेश यह है कि बालिग नागरिक की धार्मिक स्वतंत्रता और अपने जीवन के संबंध में निर्णय लेने की क्षमता केवल इसलिए समाप्त नहीं हो जाती क्योंकि परिवार उसके फैसले से सहमत नहीं है।

मध्यप्रदेश हाई कोर्ट ने माता-पिता की भावनाओं का सम्मान करते हुए भी कानून की सीमा स्पष्ट कर दी है कि किसी 18 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्ति के स्वतंत्र निर्णय में जबरन बाधा नहीं डाली जा सकती।

भाजपा को कांग्रेस से सात गुणा अधिक चंदा

'पाँचों' ऊँगलियां घी में

नई दिल्ली, 09 सितंबर (एजेंसियां)।

असम, पश्चिम बंगाल, पुडुचेरी, केरल और तमिलनाडु के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को कांग्रेस के मुकाबले करीब सात गुना अधिक चंदा मिला। 15 मार्च से 4 मई तक की चुनावी अवधि में भाजपा को 1,472.8 करोड़ रुपए, जबकि कांग्रेस को 207.17 करोड़ रुपए मिले। चुनाव आयोग ने ये आंकड़े बुधवार को जारी किए। केरल और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा का खर्च अभी सामने नहीं आया है।

चुनाव आयोग के मुताबिक, भाजपा ने असम में सबसे ज्यादा 96 करोड़ रुपए खर्च किए। पार्टी ने यहां 82 सीटों पर जीत दर्ज की, जो 2021 के विधानसभा चुनाव की तुलना में 22 सीटें अधिक हैं। असम, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने सरकार बनाई। वहीं, केरल में भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (इंडिया) और तमिलनाडु में तमिलगा वेत्री कझगम तथा कांग्रेस की सरकार बनी।

कांग्रेस के चुनावी कोष में 65.86 करोड़ की कमी

चुनावी अवधि के दौरान भाजपा के कोष में 904.6 करोड़ रुपए का इजाफा हुआ। 15 मार्च को पार्टी के पास 6,722.6 करोड़ रुपए थे, जो 6 मई तक बढ़कर 7,627.2 करोड़ रुपए हो गए।

वहीं, कांग्रेस के चुनावी कोष में 65.86 करोड़ रुपए की कमी आई। चुनावी अवधि की शुरुआत में पार्टी के पास करीब 169.06 करोड़ रुपए थे। इनमें 22.9 करोड़ रुपए नकद और 146.1 करोड़ रुपए बैंक खातों में जमा थे। 6 मई तक यह रकम घटकर करीब 103.2 करोड़ रुपए रह गई।

पुडुचेरी में भाजपा ने 11.90 करोड़ खर्च किए

भाजपा ने असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में करीब 159.7 करोड़ रुपए खर्च किए। इसमें करीब 130.4 करोड़ रुपए सामान्य पार्टी प्रचार पर और बाकी रकम उम्मीदवारों तथा इससे जुड़े खर्च पर खर्च हुई।असम में भाजपा ने सबसे ज्यादा 96.27 करोड़ रुपए खर्च किए। इसमें 76.73 करोड़ रुपए सामान्य पार्टी प्रचार और 19.54 करोड़ रुपए उम्मीदवारों पर खर्च हुए।

तमिलनाडु में भाजपा का कुल खर्च 51.56 करोड़ रुपए रहा। इसमें 44.51 करोड़ रुपए सामान्य प्रचार और 7.05 करोड़ रुपए उम्मीदवारों के नामांकन से जुड़ी गतिविधियों पर खर्च हुए। हालांकि, पार्टी को यहां सिर्फ एक सीट मिली।

तमिलनाडु में मीडिया विज्ञापनों पर करीब 23.96 करोड़ रुपए, स्टार प्रचारकों की यात्रा पर करीब 10.04 करोड़ रुपए और प्रचार सामग्री पर करीब 5.85 करोड़ रुपए खर्च किए गए।

▶8पर

ईरान के दोस्त से सऊदी का बदला लेगा पाक

'मक्का' बचाने 'मक्कारी'

नई दिल्ली, 09 सितंबर (एजेंसियां)।

सऊदी अरब पर हूती विद्रोहियों के हमले के बाद पाकिस्तान मक्का समझौते को सक्रिय कर सकता है। पाकिस्तान के यमन में हूती विद्रोहियों के खिलाफ हवाई हमले करने की तैयारी की खबरों के बीच रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने चेतावनी दी है कि यदि यमन का संघर्ष सऊदी क्षेत्र तक फैलता है तो समझौते की सामूहिक रक्षा वाली शर्त लागू हो सकती है।

बुधवार को तुर्की टुडे ने एक सूत्र के हवाले से खबर दी कि ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों पर पाकिस्तान जल्द ही हवाई हमले कर सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, इन हमलों की जानकारी कार्रवाई के कुछ समय बाद सार्वजनिक की जाएगी।

पाकिस्तान के एक सूत्र ने तुर्की टुडे को बताया, पाकिस्तानी हमलों की सैन्य प्राथमिकताओं में से एक सद्दा और अन्य इलाकों से हूतियों को खदेड़ना होगा। हालांकि, पाकिस्तान के शामिल होने की संभावना पर वाशिंगटन में रहने वाले राजनीतिक विश्लेषक जीशान शाह ने तुर्की टुडे को बताया कि रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ कई बार बिना सोचे-समझे या अचानक ऐसी बातें कह देते हैं, जो जरूरी नहीं कि सरकार का आधिकारिक रुख हों।

उन्होंने याद दिलाया कि रक्षा मंत्री ने वर्ष 2015 में भी इसी तरह के बयान दिए थे, जब हूतियों के खिलाफ सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात का अभियान पहली बार शुरू हुआ था।

शाह की राय में, अगर सऊदी अरब हूतियों पर हमला करने का फैसला करता है, जिसकी संभावना अब ज्यादा लग रही है, तो पाकिस्तान की मदद सिर्फ रसद और पर्दे के पीछे के सहयोग तक सीमित रहेगी, न कि हूतियों पर वास्तव में बमबारी करने तक।ख्वाजा आसिफ की यह टिप्पणी मंगलवार को सऊदी अरब में ऊर्जा बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर किए गए हूती ड्रोन और मिसाइल हमले के बाद आई है, जिसमें कम से कम 73 लोग घायल हो गए थे।तुर्की के अलावा पाकिस्तान और सऊदी अरब भी मक्का समझौते के सदस्य हैं। इस्लामाबाद और रियाद ने वर्ष 2025 में एक रणनीतिक आपसी रक्षा समझौते पर भी हस्ताक्षर किए थे, जिसके आधार पर मक्का समझौते के सिद्धांत तैयार किए गए थे। ▶8पर

होर्मुज में भीषण जंग

15 जहाज़ तबाह, लाखों बैरल तेल बहा

नई दिल्ली, 09 सितंबर (एजेंसियां)।

होर्मुज जलडमरूमध्य में बुधवार को भीषण जंग हुई। दोनों पक्षों ने कुल मिलाकर 15 जहाजों को तहस-नहस कर दिया। छह महीने से चल रहे युद्ध के दौरान दोनों पक्षों की ओर से जहाजों पर किए गए जवाबी हमलों की यह सबसे बड़ी घटना बताई जा रही है। ईरान ने बुधवार को कहा कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य के पास 10 जहाजों पर हमला किया। यह हमला अमेरिका द्वारा ईरान के पांच तेल टैंकरों को डुबोए जाने के बाद किया गया। इन हमलों के कारण तेल की कीमतों में भारी उछाल आया और मानक ब्रेंट कच्चा तेल वायदा जुलाई के बाद पहली बार 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया। खबर है कि एक टैंकर पर सवार कम से कम एक नाविक की मौत हो गई और एक अन्य लापता है।

ईरान ने यह भी कहा कि उसने जॉर्डन में अमेरिकी सेना के इस्तेमाल वाले एक सैन्य अड्डे पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। अगस्त के आखिर से दोनों तरफ से हो रहे हमलों ने एक महीने से चली आ रही शांति को खत्म कर दिया है। अमेरिका और ईरान ने एक-दूसरे के सैन्य, जहाजरानी और ऊर्जा से जुड़े ठिकानों पर हमले किए हैं। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने कहा कि वे किसी भी और हमले का बहुत कड़ा जवाब देंगे। गार्ड्स ने चेतावनी दी कि यदि दुश्मन दो या तीन हमले करता है तो ईरान 20 ठिकानों पर हमला करेगा। गार्ड्स ने यह भी कहा कि ईरान जल्द ही समुद्र में एक नए और बड़े प्रतिबंधित क्षेत्र का नक्शा जारी करेगा, जो चाबहार तक फैला होगा। हाल के दिनों में यमन में सऊदी अरब और हूतियों के बीच लड़ाई भी तेज हुई है। यह संघर्ष का दूसरा मोर्चा है, जिससे मध्य पूर्व से होने वाली वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर खतरा मंडरा रहा है।

ईरानी तेल टैंकरों में लगी आग

अमेरिकी सेना ने कहा कि उसने रातभर में ईरान के पांच तेल टैंकरों को नष्ट कर दिया और उनके डूबने से पहले उनमें लगी आग का वीडियो भी जारी किया। अमेरिकी सेना की केंद्रीय कमान ने इन हमलों को ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स द्वारा पिछले दो दिनों में बैलिस्टिक मिसाइलों से अमेरिकी नौसेना के युद्धपोत को दो बार निशाना बनाने का जवाब बताया। अमेरिका ने कहा कि हमले में किसी भी अमेरिकी नागरिक या सैनिक को नुकसान नहीं पहुंचा।

वाशिंगटन ने अपने युद्धपोतों के लिए खतरा पैदा करने वाले हमलों के जवाब में ईरानी तेल टैंकरों पर हमला करने की एक नई नीति की घोषणा की है। अमेरिका ने कहा है कि पिछले एक सप्ताह में वह अब तक 10 टैंकरों को निशाना बना चुका है।

कोलंबिया की यात्रा के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा, ईरान अमेरिकी नौसेना के जहाजों को निशाना बनाने की कोशिश करता रहता है और हर बार जब वे ऐसा करते हैं या ऐसा करने की कोशिश करते हैं, तो उन्हें अपने टैंकर गंवाने पड़ेंगे। ईरान ने कहा कि उसने जवाबी कार्रवाई में दो अमेरिकी जहाजों और आठ टैंकरों पर हमला किया। इस हमले में दुबई के पास लंगर डाले हुए तेल उत्पादों के टैंकर हरक्यूलिस स्टार पर एक नाविक की मौत हो गई और चालक दल का एक सदस्य लापता है। समुद्री सुरक्षा से जुड़े सूत्रों का कहना है कि संभव है कि इसे किसी ड्रोन ने निशाना बनाया हो। ▶8पर

अब गांधीनगर!

निर्माणाधीन इमारत का स्लैब गिरा, कई फंसे

गांधीनगर, 09 सितंबर (एजेंसियां)।

गुजरात के गांधीनगर में बुधवार को निर्माणाधीन इमारत का स्लैब गिरने से बड़ा हादसा हो गया। घटना गांधीनगर के कुड़ासन इलाके की है, जहां निर्माणाधीन इमारत का एक हिस्सा अचानक भरभराकर नीचे गिर गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्लैब गिरने की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव अभियान शुरू कर दिया।

शुरुआती जानकारी के मुताबिक, मलबे के नीचे 10 से ज्यादा मजदूरों के फंसे होने की आशंका है। अग्निशमन विभाग की टीमें मलबे में फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए लगातार बचाव अभियान में जुटी हैं। ▶8पर

वंदेमातरम् तकरार

इंडिया गठबंधन के साथी आपस में भिड़े

श्रीनगर, 09 सितंबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रगीत वंदे मातरम् को लेकर इंडिया गठबंधन के भीतर तकरार बढ़ गई है। श्रीनगर फिल्म महोत्सव में जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला राष्ट्रगीत के सम्मान में पूरे 3 मिनट 10 सेकेंड तक खड़े रहे थे। इसे लेकर अब नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस आमने-सामने आ गए हैं।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता तनवीर सादिक ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कर्नाटक और तेलंगाना के कांग्रेस मुख्यमंत्रियों के वीडियो सामाजिक माध्यमों पर साझा किए हैं। इन वीडियो में दोनों मुख्यमंत्री भी वंदे मातरम् के पूरे संस्करण के दौरान सम्मान में खड़े नजर आ रहे हैं। दरअसल, कांग्रेस ने उमर अब्दुल्ला के पूरे राष्ट्रगीत को गाए जाने पर ऐतराज जताया था। इसके जवाब में तनवीर सादिक ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के वीडियो साझा किए हैं। वीडियो में दोनों नेता वंदे मातरम् के पूरे संस्करण के दौरान सम्मान में खड़े दिखाई दे रहे हैं।तनवीर सादिक ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा को संबोधित करते हुए सामाजिक माध्यमों पर तंज कसा। उन्होंने लिखा, जनाब तारिक कर्रा साहब, कृपया अपने कांग्रेस के मुख्यमंत्रियों को देखें और अपने मूल्यवान विचार सभी के साथ साझा करें। धन्यवाद।

▶8पर

चीनी तोप टाईं टाईं फिस्स

अभ्यास के दौरान फटा टाइप-59 टैंक, दो की मौत

ढाका, 09 सितंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश के चटगांव में बुधवार को सेना के फायरिंग अभ्यास के दौरान चीन में बना टाइप-59 टैंक फट गया। हादसे में टैंक के अंदर मौजूद दो सैनिकों की मौत हो गई, जबकि एक सैन्य अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गया। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस डायरेक्टोरेट (आईएसपीआर) के मुताबिक, सैनिक टैंक से फायरिंग कर रहे थे, तभी यह दुर्घटना हुई। घायल अधिकारी को बेहतर इलाज के लिए ढाका स्थित कंबाइंड मिलिट्री हॉस्पिटल (सीएमएच) ले जाया जा रहा है। हादसे की वजह अभी तक स्पष्ट नहीं हो सकी है। हादसे में शामिल टैंक चीन में बना टाइप-59 है, जिसका इस्तेमाल बांग्लादेश की सेना करती है। ▶8पर

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नेपाल में बाढ़ पीड़ित अपनों को तलाशने मांग रहे मदद, मिल रहे गंदे कमेंट्स

अब बालेन सरकार ने ट्रोलर्स पर कसा शिकंजा, 10 सदस्यीय विशेष टीम बनाई

काठमांडू

नेपाल में विनाशकारी बाढ़ के बाद अपनों की तलाश में सोशल मीडिया पर मदद मांग रहे परिवारों को ट्रोल करने और अपमानजनक टिप्पणियां करने वालों के खिलाफ सरकार ने सख्त कदम उठाया है। नेपाल के साइबर ब्यूरो ने ऐसे सोशल मीडिया यूजर्स की पहचान और जांच के लिए 10 सदस्यीय विशेष टीम बनाई है। यह कदम पीएम बालेंद्र शाह की उस चेतावनी के बाद उठाया गया है, जिसमें उन्होंने बाढ़ पीड़ितों का मजाक उड़ाने या उन्हें और परेशान करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही थी।

बता दें 26 अगस्त को नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद बड़ी संख्या में लोग अपने लापता परिजनों की तलाश के लिए सोशल मीडिया का सहारा ले रहे हैं। परिवार अपने रिश्तेदारों की तस्वीरें और जानकारी साझा कर लोगों से मदद मांग रहे हैं, लेकिन कुछ मामलों में इन भावुक अपीलों के जवाब में लोगों ने मजाक उड़ाने वाले, अपमानजनक और नफरत फैलाने वाले कमेंट किए हैं। साइबर ब्यूरो अब ऐसे अकाउंट्स की प्रोफाइल तैयार कर रहा है और उनके पते और फोन नंबरों की पहचान करने की कोशिश कर रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक साइबर ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि मामले की जांच के लिए 10 सदस्यीय टीम काम कर रही है। उन्होंने कहा कि बाढ़ से बचे लोगों को और मानसिक परेशानी देने वाले इस तरह के व्यवहार को रोकना जरूरी है और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। खास बात यह है कि पीड़ित व्यक्ति की ओर से औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराए जाने के बावजूद पुलिस जांच शुरू कर सकती है, अगर उसके पास पर्याप्त सबूत हों। पीएम बालेंद्र शाह ने फेसबुक पर कहा था कि जो लोग दर्द में पड़े लोगों को नीचा दिखाते हैं या संवेदनशील समय में उनकी तकलीफ बढ़ाने की कोशिश करते हैं, वे अपराध कर रहे हैं। उन्होंने ऐसे लोगों के खिलाफ सरकार की ओर से कोई नरमी नहीं बरतने की चेतावनी दी थी। हालांकि, पीएम की चेतावनी के बाद भी आनलाइन दुर्व्यवहार के मामले सामने आते रहे।

साइबर ब्यूरो ने इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार भी किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, बैतड़ी के बीरेंद्र मडई को काठमांडू से गिरफ्तार किया। उस पर बाढ़ से प्रभावित लोगों की जातीय पहचान को लेकर ऐसी टिप्पणियां करने का आरोप है, जिनसे जातीय तनाव भड़क सकता था। नेपाल में आनलाइन दुर्व्यवहार और नफरत फैलाने वाली सामग्री के खिलाफ कार्रवाई का प्रावधान है। दोष साबित होने पर एक लाख नेपाली रुपये तक जुर्माना या पांच साल तक की जेल, या दोनों हो सकते हैं। दोबारा अपराध करने वालों के लिए ज्यादा सख्त सजा का प्रावधान है। बता दें नेपाल में 26 अगस्त को तिब्बत सीमा के पास बर्फ और चट्टानों के खिसकने से अचानक आई बाढ़ ने भारी तबाही मचाई थी।

न्यूज ब्रीफ

वसीम अकरम ने इमरान खान की सेहत पर चिंता जताई

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के महान तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने जेल में बंद टीम के अपने साथी खिलाड़ी और पूर्व कप्तान इमरान खान की सेहत को लेकर चिंता जताते हुए कहा है कि इस मामले में किसी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता। पाकिस्तान के बहुत कम दिग्गज क्रिकेटरों ने 1992 विश्व कप विजेता कप्तान इमरान के समर्थन में खुलकर आवाज उठाई है। भ्रष्टाचार के कई मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद इमरान 2022 से जेल में हैं। वह हालांकि अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार करते रहे हैं। पूर्व कप्तान अकरम ने एक बयान में कहा कि मैंने तीन साल से उनसे बात नहीं की है। उनके साथ राजनीतिक तौर पर जो हो रहा है, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। अदालत अपना काम करती है लेकिन जहां तक उनकी सेहत का सवाल है वहां कोई समझौता नहीं हो सकता। पिछले हफ्ते वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज ब्रायन लारा भी इमरान को उचित चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने की मांग करने वाले पूर्व अंतरराष्ट्रीय कप्तानों की मुहिम में शामिल हुए थे। इससे पहले करीब 22 पूर्व अंतरराष्ट्रीय कप्तानों ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को खुला पत्र लिखकर इमरान को उचित चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने और मानवीय व्यवहार करने की मांग की थी। अकरम ने कहा कि इंग्लैंड और अन्य जगहों पर इमरान की स्थिति बेहतर करने के लिए एक मुहिम चल रही है, लेकिन यहां पाकिस्तान में ऐसा हो रहा है या नहीं, मैं निश्चित तौर पर नहीं कह सकता। उन्होंने कहा कि मैं एक ऐसे व्यक्ति के तौर पर दिल से बात कर रहा हूं, जो उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंतित है। वह दोषी हैं या नहीं, जेल में हैं या नहीं इन सब से अलग हमें उनकी सेहत की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।

गुजरात से फ्रांस तकः स्वामीनारायण संप्रदाय के साथ जुड़े रहे विवाद

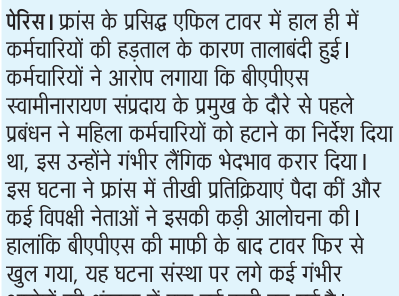

पेरिस। फ्रांस के प्रसिद्ध एफिल टावर में हाल ही में कर्मचारियों की हड़ताल के कारण तालाबंदी हुई। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि बीएपीएस स्वामीनारायण संप्रदाय के प्रमुख के दौरे से पहले प्रबंधन ने महिला कर्मचारियों को हटाने का निर्देश दिया था, इस उन्होंने गंभीर लैंगिक भेदभाव करार दिया। इस घटना ने फ्रांस में तीखी प्रतिक्रियाएं पैदा कीं और कई विपक्षी नेताओं ने इसकी कड़ी आलोचना की। हालांकि बीएपीएस की माफी के बाद टावर फिर से खुल गया, यह घटना संस्था पर लगे कई गंभीर आरोपों की श्रृंखला में एक नई कड़ी बन गई है। गुजरात के बोचासण से उभरा बीएपीएस स्वामीनारायण संप्रदाय दुनिया के 52 देशों में अपने भव्य मंदिरों के निर्माण के लिए विख्यात है, जिसमें अमेरिका और यूरोपीय देश प्रमुख हैं। संप्रदाय की परंपरा के अनुसार, साधुओं के लिए महिलाओं की मौजूदगी वर्जित मानी जाती है। इसी नियम का हवाला देकर एफिल टावर के प्रबंधन ने महिला कर्मचारियों को साधुओं के मार्ग से दूर रहने को कहा, जिसने फ्रांसीसी गणतंत्र के प्रतीक पर महिलाओं के अधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाया। यह पहली बार नहीं है जब बीएपीएस विवादों में घिरा हो। 2021 में, अमेरिकी संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने न्यू जर्सी में इसके एक विशाल मंदिर पर छापा मारा था।

सांप का भ्रूण अपनी शुरुआती अवस्था में ही मुड़ने लगता है खास दिशा मेंः शोध

कैलिफोर्निया। वैज्ञानिकों के एक अंतरराष्ट्रीय अध्ययन में सामने आया है कि अंडे के भीतर विकसित हो रहा

सांप का भ्रूण अपनी शुरुआती अवस्था में ही एक खास दिशा में मुड़ने लगता है। हैरानी की बात यह है कि ज्यादातर सांपों में यह घुमाव घड़ी की सुई की दिशा यानी दक्षिणावर्त होता है। कनाडा और अमेरिका के शोधकर्ताओं ने 39 अलग-अलग प्रजातियों के 900 से अधिक भ्रूणों का अध्ययन कर इस पैटर्न को समझने की कोशिश की। वैज्ञानिकों ने सांप के अंडों की सीटी स्कैनिंग और उच्च गुणवत्ता वाली तस्वीरों के जरिए भ्रूण के विकास को देखा। अध्ययन में पाया गया कि शुरुआती करीब दो सप्ताह के दौरान भ्रूण सिर से पूंछ तक घुमावदार स्थिति में रहता है। यह वह समय होता है जब उसकी मांसपेशियां भी पूरी तरह विकसित नहीं हुई होतीं। अफ्रीकी हाउस स्नेक के 146 शुरुआती भ्रूणों में सभी दक्षिणावर्त दिशा में मुड़े मिले, जबकि कार्न स्नेक के 200 से अधिक नमूनों में केवल नौ भ्रूण दूसरी दिशा में मुड़े थे। शोधकर्ताओं के अनुसार, सांपों का शरीर विकास के दौरान बेहद तेजी से लंबा होता है। एक सामान्य जीव की तुलना में सांप के भ्रूण में 300 से अधिक शरीर खंड विकसित हो सकते हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कोलंबो में गंगारामया मंदिर का दौरा किया

कोलंबो। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने श्रीलंका की यात्रा के दौरान बुधवार को कोलंबो के गंगारामया मंदिर का दौरा किया। राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, मुझे कोलंबो में पवित्र गंगारामया मंदिर जाने और भगवान बुद्ध का आशीर्वाद लेने का सौभाग्य मिला। तेजी से बदलते वैश्विक माहौल में, भगवान बुद्ध का शांति, भाईचारे और आपसी समझ का शाश्वत संदेश हमें तब भी मार्गदर्शन देता रहता है जब हम विभिन्न भू-राजनीतिक चुनौतियों का सामना करते हैं। इससे पहले दिन में राजनाथ सिंह ने श्रीलंका की प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या से मुलाकात की और विकास सहयोग, शिक्षा और संस्कृति जैसे प्रमुख क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की।

उन्होंने एक्स पर कहा, आज कोलंबो में श्रीलंका की प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या से मुलाकात की। हमने विकास सहयोग, शिक्षा और भारत तथा श्रीलंका के बीच गहरे सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों से जुड़े कई मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

उन्होंने आगे कहा, मैंने इस बात पर जोर दिया कि साझा विरासत वाले सहयोगी लोकतंत्रों के रूप में भारत और श्रीलंका को हमारे क्षेत्र की शांति और समृद्धि के लिए एक साझा विकास विजन पर काम करना जारी रखना चाहिए।

रक्षा मंत्री ने श्रीलंका के रक्षा मंत्रालय की अपनी यात्रा के दौरान द्वीप राष्ट्र के वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व के साथ भी बातचीत की।

सिंह ने 'एक्स' पर लिखा, श्रीलंका के रक्षा मंत्रालय की अपनी यात्रा के दौरान मुझे श्रीलंका के वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व के साथ बातचीत करने का अवसर मिला। उनमें से कई लोगों ने भारत में प्रशिक्षण लिया है और भारत के साथ उनके गहरे संबंध हैं। अपनी संक्षिप्त टिप्पणी में मैंने आपसी और समग्र विकास के लिए महासागर विजन पर जोर दिया और समुद्री सहयोग पर विशेष ध्यान देते हुए भारत-श्रीलंका की लंबे समय से चली आ रही रक्षा और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की हमारी इच्छा को दो-हराया।

उन्होंने श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से भी मुलाकात की और दोनों देशों की भलाई और विकास के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

बैठक के दौरान सिंह ने दिसानायके तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से गर्मजोशी भरी शुभकामनाएं पहुंचाईं। उन्होंने क्षेत्र की सुरक्षा, शांति और समृद्धि सुनिश्चित करने के तरीकों पर भी चर्चा की। बैठक के दौरान श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त संतोष झा और अन्य अधिकारी मौजूद थे।

राजनाथ सिंह ने कहा, आज कोलंबो में श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के साथ एक सौहार्दपूर्ण और बेहद सार्थक बैठक हुई। मैंने उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं दीं और उनकी सरकार के दो साल सफलतापूर्वक पूरे होने पर बधाई दी।

आईआरजीसी का दावा

अमेरिका के आठ तेल टैंकरों और दो जहाजों पर की कार्रवाई, दस अन्य जहाजों को भी बनाया निशाना

तेहरान । ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने खाड़ी में अमेरिका के दो जहाजों और आठ तेल टैंकरों पर हमले का दावा किया। साथ ही, होर्मुज स्ट्रेट के प्रतिबंधित और असुरक्षित इलाके से गुजरने की कोशिश कर रहे दस जहाजों को भी निशाना बनाया। आईआरजीसी के मुताबिक यह हमले उस जवाबी कार्रवाई के तहत किए गए, जिसमें ईरान के पांच टैंकरों को निशाना बनाकर नष्ट किया गया। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने ईरान की सरकारी मीडिया की रिपोर्ट के हवाले से बताया कि ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने बुधवार को कहा कि उसने खाड़ी में अमेरिका के दो जहाजों और आठ तेल टैंकरों पर हमला किया। ईरान की मेहर समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना ने कहा है कि यह कार्रवाई अमेरिका की ओर से ईरान के पांच तेल टैंकरों पर किए गए हमले के जवाब में की गई।

आईआरजीसी नौसेना ने एक बयान में कहा कि उसने फारस की खाड़ी में मौजूद दो अमेरिकी जहाजों और आठ टैंकरों पर हमला किया। इसके साथ ही, होर्मुज स्ट्रेट के उस क्षेत्र से गुजरने की कोशिश कर रहे दस अन्य जहाजों को भी निशाना बनाया गया, जिसे उसने प्रतिबंधित और असुरक्षित क्षेत्र बताया।

मेहर की रिपोर्ट के अनुसार, बयान में कहा गया कि ये अभियान फारस की खाड़ी में ईरान के पांच टैंकरों के खिलाफ 'अमेरिकी सेना की आक्रामक और शरारतपूर्ण कार्रवाई' के जवाब में चलाए गए। आईआरजीसी ने अमेरिकी सेना को 'आतंकवादी अमेरिकी सेना' बताया और दावा किया कि हमलों में दो अमेरिकी जहाजों और आठ टैंकरों को भारी नुकसान पहुंचा।

आईआरजीसी नौसेना ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट के प्रतिबंधित और असुरक्षित क्षेत्र से गुजरने की कोशिश कर रहे दस अन्य जहाजों को भी निशाना बनाया गया। उसके अनुसार, ये जहाज अमेरिकी सेना के प्रोत्साहन और समर्थन से वहां से गुजरने का प्रयास कर रहे थे।

आईआरजीसी नौसेना ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट उसकी सेनाओं की कड़ी निगरानी और नियंत्रण में बना हुआ है।

इससे पहले आईआरजीसी ने बुधवार को ही जॉर्डन में स्थित एक अमेरिकी एयर बेस पर भी हमले दावा किया था। आईआरजीसी ने एक बयान में कहा कि उसने अल-अजराक एयर बेस में अमेरिकी सेना के एफ-35, एफ-16 और एफ-15 लड़ाकू विमानों की मरम्मत, रखरखाव, तैयारी और तैनाती के लिए इस्तेमाल होने वाले एक हैंगर को निशाना बनाया। इसके अलावा, अमेरिकी लड़ाकू विमानों के लिए बने एक शेल्टर पर भी हमला किया गया। आईआरजीसी ने दावा किया कि इस हमले में 'दुश्मन को भारी नुकसान पहुंचाया गया।'

आईआरजीसी का कहना है कि यह कार्रवाई ईरानी तेल टैंकरों पर अमेरिका के 'आक्रामक' हमलों के जवाब में की गई।

मकबरे में मिली 16 ममी और ममीफाइड कुत्ते, जल्द होगा नया खुलासा

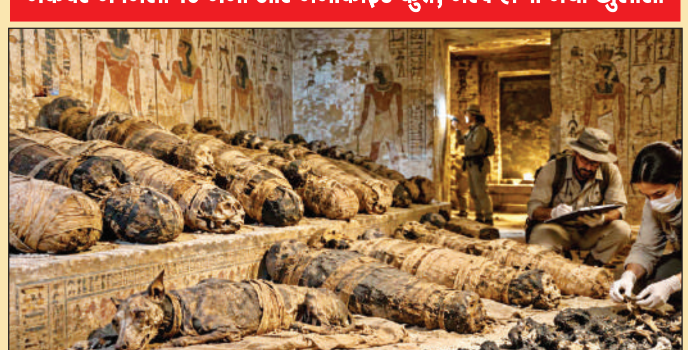

काहिरा। मिस्र के थेबन मकबरा 209 यानी टीटी 209 का एक छोटा कक्ष पुरातत्वविदों के लिए रहस्य का केंद्र बन गया है। यहां के लक्सर शहर में नील नदी के पश्चिमी किनारे स्थित इस मकबरे के एक चैंबर से 16 इंसानी ममी, एक ममीफाइड कुत्ता और आग में जली हुई हड्डियों के ढेर मिले हैं। नई मैपिंग रिसर्च ने इसके पीछे करीब 300 साल तक चली व्यवस्थित दफन प्रक्रिया का संकेत दिया है। यूनिवर्सिटी आफ ला लागुना और लीडेन यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों की टीम ने मकबरे में मिले अवशेषों का अध्ययन किया। अनुसंधान टीम के प्रमुख जारेड कार्बालो-पेरेज के अनुसार, 25वें राजवंश से लेकर फारसी काल तक इस मकबरे का इस्तेमाल धार्मिक परंपराओं के अनुरूप किया जाता रहा। यह मकबरा लक्सर के दक्षिण असासिफ क्षेत्र की पहाड़ियों में बनाया गया था। इसका मूल मालिक निसेमरो नामक नूबियाई मूल का उच्च पदस्थ प्रशासनिक अधिकारी था। सबसे पुरानी कब्रें 25वें राजवंश यानी करीब 754 से 656 ईसा पूर्व की बताई गई हैं। उस दौर में प्रतिष्ठित लोगों को लकड़ी के नक्काशीदार ताबूतों में पर्याप्त जगह छोड़कर दफनाया जाता था। बाद में जब कक्ष में जगह कम पड़ने लगी तो नए शवों को पहले से रखे ताबूतों के ऊपर रखना शुरू कर दिया गया।

अमेरिका का कनाडा के डेयरी प्रोडक्ट और शराब पर प्रतिबंध, कनाडा के जवाबी टैरिफ के बाद फैसला, 29 सितंबर से होगा लागू

वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा से आने वाले डेयरी प्रोडक्ट, शराब और मोटरसाइकिलों पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। यह प्रतिबंध 29 सितंबर से लागू होगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने यह फैसला अमेरिकी सामान पर 50 फीसद तक जवाबी टैरिफ लगाने के बाद लिया है। इस आदेश के तहत कनाडा से आने वाली शराब, वाइन और अल्कोहल-फ्री बीयर पर रोक लगेगी। इसके अलावा दूध से बने कुछ उत्पाद भी अमेरिका नहीं आ सकेंगे।

एक्सिओस की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि प्रतिबंध को सीमित रखा गया है, ताकि अमेरिकी नागरिकों के लिए सामान की कीमतें अचानक न बढ़ें। राष्ट्रपति ट्रंप का यह कदम उन देशों के बीच आर्थिक दरार को और गहरा करने वाला है, जिन्होंने दशकों से व्यापार को आपस में जोड़ा है, जिससे सीमा के दोनों ओर व्यवसायों और उपभोक्ताओं के लिए व्यवधान का खतरा पैदा हो गया है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने 1930 के टैरिफ एक्ट की धारा 338 के तहत ताजा प्रतिबंध लगाए हैं। यह एक्ट राष्ट्रपति को ऐसे देशों से आयात रोकने की अनुमति देता है जो अमेरिकी व्यापार के खिलाफ भेदभाव बनाए रखते हैं या बढ़ाते हैं। व्हाइट हाउस ने कहा कि 15 सितंबर से दर्जनों अन्य कनाडाई उत्पादों (स्टील और एल्यूमीनियम के सामान, फर्नीचर और कागज) पर मौजूदा 50 फीसद टैरिफ का दायरा भी बढ़ाएगा। पिछले महीने अमेरिका-कनाडा के बीच बातचीत टूटने के बाद से व्यापारिक तनाव तेजी से बढ़ा है। अमेरिका ने कनाडा के लगभग 20 अरब डालर के सामान पर 50 फीसद टैरिफ लगाया। जवाब में कनाडा ने भी अमेरिका के इतने ही मूल्य के सामान पर 50 प्रतिशत तक टैरिफ लगाया। इसके बाद से ट्रंप ने अगले साल से कनाडा की गाड़ियों पर और ज्यादा टैरिफ लगाने की धमकी दी है। उन्होंने कनाडा की विमान बनाने वाली कंपनी बाम्बार्डियर को अमेरिका में अपने जेट बेचने से रोकने की धमकी भी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि इस पर अभी विचार किया जा रहा है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर कहा कि वह अधिकारियों को निर्देश देंगे कि वे कनाडा में बने उत्पादों को अमेरिकी सरकार के कई तरह के कान्ट्रैक्ट से बाहर रखें, जब तक कनाडा अमेरिकी किसानों और कंपनियों के लिए पूरी तरह से निष्पक्ष और बराबरी का व्यवहार बहाल नहीं करता। अमेरिकी शराब पर कनाडा की पाबंदियां अमेरिकी अधिकारियों के लिए खास तौर पर निराशा का कारण रही हैं। ट्रेड वार के ज्यादा समय के दौरान, अधिकतर प्रांतों ने सरकारी शराब की दुकानों में अमेरिकी शराब नहीं रखी है। यहां यह महत्वपूर्ण है कि दोनों देशों की अर्थव्यवस्था इतनी गहराई से जुड़ी हुई है कि व्यापारिक तनाव बढ़ने पर राजनीतिक और आर्थिक सीमाएं आड़े आ जाती हैं।

जिस गाजी की डींगें हांक रहे शहबाज, भारतीय नौसेना ने उसे समंदर में कर दिया था दफन

पाकिस्तान नेवी डे पर पीएम ने इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश करने की कोशिश की

इस्लामाबाद

आपरेशन सिंदूर में पूरी दुनिया ने देखा कि भारत ने पाकिस्तान की कैसी हालत कर दी थी वह अमेरिका के आगे गिड़गिड़ाने लगा इसके बाद भारत ने रहम खाते हुए सीजफायर किया। कई बार मुंह की खा चुका पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आता है बार-बार हारने के बाद भी अपनी बढ़ाई करता है। एक बार फिर पाकिस्तान के पीएम शाहबाज शरीफ ने पाकिस्तान नेवी डे के मौके पर इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश करने की कोशिश की। शहबाज शरीफ ने एक्स पर एक बयान जारी किया है जिसमें उन्होंने 1965 के युद्ध के आपरेशन द्वारका और पनडुब्बी पीएनएस गाजी के शौर्य के पुल बांधे हैं, लेकिन पाकिस्तानी पीएम यह भूल गए कि जिस गाजी की वे डींगें हांक रहे हैं भारतीय नौसेना ने 1971 के युद्ध में उसे समंदर की गहराई में दफना कर दिया था।

बता दें 1965 के युद्ध में पाकिस्तान नौसेना ने गुजरात के द्वारका में बने एक गैर-सैन्य रडार स्टेशन पर रात के अंधेरे में गोलाबारी की थी। सैन्य विशेषज्ञों के मुताबिक इस हमले का कोई बड़ा सामरिक या रणनीतिक प्रभाव नहीं पड़ा था और गुजरात के तटों को कोई भारी नुकसान नहीं हुआ था। इसके बावजूद पाकिस्तान इस मामूली घटना को दशकों से अपने काल्पनिक शौर्य का सबसे बड़ा प्रतीक बनाकर पेश करता आ रहा है।

पाकिस्तान दावा करता है उसने भारतीय नौसेना के कई जहाजों को डूबो दिया था, लेकिन हकीकत ये है कि द्वारका में भारतीय नौसेना का ना उस वक्त कोई पोर्ट था और ना ही आज कोई पोर्ट है। एक पोर्ट है जो द्वारका शहर के बजाय वहां से करीब 30 किलोमीटर दूर ओखा नाम के बंदरगाह शहर में स्थित है जिसे आईएनएस द्वारका के नाम से जाना जाता है। साल 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में पाकिस्तानी नौसेना ने द्वारका शहर पर बमबारी की थी। उस वक्त वहां नौसेना की मौजूदगी ही नहीं थी। इस हमले के बाद भारत सरकार ने इस रणनीतिक क्षेत्र की सुरक्षा मजबूत करने के लिए 1966 में एक चौकी बनाई जिसे 26 नवंबर 1972 को पूर्ण रूप से आईएनएस द्वारका के नाम से कमीशन किया गया। इसके अलावा शहबाज शरीफ ने अपने बयान में जिस पनडुब्बी पीएनएस गाजी का महिमामंडन किया है उसका असली इतिहास भी पाकिस्तान के लिए शर्मिंदगी से भरा है। 1971 के युद्ध में पाकिस्तान ने अमेरिका से ली गई इस अत्याधुनिक पीएनएस गाजी पनडुब्बी को भारत के विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत को तबाह करने के गुप्त मिशन पर भेजा था, लेकिन भारतीय नौसेना के जांबाजों ने चालाकी से आईएनएस राजपूत के जरिए जाल बिछाया और विशाखापट्टनम तट के पास पानी के भीतर ही गाजी को डुबा दिया। दिसंबर 1971 की रात पीएनएस गाजी अपने पूरे क्रू मेंबर्स के साथ समंदर में डूब गया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज प्रत्येक कार्य मे लाभ की स्थिति दिखेगी , आपकी आय में वृद्धि होगी. किसी अन्य तरीके से भी आर्थिक लाभ होगा. मित्रों के साथ भेंट होगी. सतर्क होकर कार्य करने की आवश्यकता है. आज आपको किसी अपने या किसी अजनबी से कोई ऐसी शिक्षा मिल सकती है, जिसकी आपको जरूरत थी. आप किसी की तरफदारी ना करते हुए सच का साथ देंगे इससे आपके सहकर्मी आपसे बहुत प्रभावित होंगे.रोज सुबह योग और ध्यान का व्यवहार करें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अगर आप शिक्षण से जुड़े हुए सामाजिक कार्य मे रहते हैं तो आज प्रतिष्ठा मे वृद्धि सम्भव हैं रैंक मे उछाल आएगा छात्र शिक्षा क्षेत्र में चमकेंगे और नवीन तरीकों से समस्याओं को सुलझाने की अपनी विशेष प्रतिभा के लिए पहचान हासिल करेंगे. व्यवसाय क्षेत्र में आप प्रशंसा प्राप्त करेंगे और अच्छा उत्थान या पदोन्नति भी प्राप्त कर सकते हैं. आपकी लोकप्रियता बहुत बढ़ जाएगी. आपका पारिवारिक–जीवन आरामदायक और सुखद रहेगा, दाम्पत्यजीवन मे मधुरता बढेगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज बहुत समय पश्चात खुशखबरी मिलती हुई दिखेगी। किसी विशेष काम में परिवार वालों का सहयोग मिल सकता है. नौकरी में उन्नति होने के चांस बन रहे हैं. . उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने की इच्छा रखने वालों के सपने साकार हो सकते हैं. आपको लाभ के अवसर प्राप्त होंगे. किसी खास व्यक्ति की राय आपके काम के लिये कारगर होगी. आपका कोई दोस्त आपसे मिलने घर पर आ सकता है. गाय को चनादाल और गुड खिलाए।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज कन्याओं को बेसन के लड्डू खाने को दिजिये । जल्दबाज़ी में फैसले न करें, ताकि ज़िन्दगी में आगे आपको पछताना न पड़े. वैवाहिक जीवन के दृष्टिकोण से देखें तो चीज़ें आपके पक्ष में जाती हुई नजर आ रही हैं. दोस्तों के साथ घूमने जाने की योजना अंतिम समय में निरस्त किए जाने की संभावना है. अपने व्यवहार से अधीनस्थों का दिल जीत लेंगे. घेरलू आज पडोस मे आपसी विवाद के कारण तनाव रहेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज समय आप के पक्ष मे रहेगा शरीर मे उर्जा रहेगी । कार्य क्षेत्र पर वरिष्ठ और सहकर्मियों के साथ आपके संबंध मधुर रहेंगें और आपको अपनी प्रतिभा और प्रयासों के लिए उचित मान्यता प्राप्त होगी. आपका पारिवारिक–जीवन खुशियों से उज्वल रहेगा. आप अच्छे स्वास्थ्य में होंगे. आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा. एक नया व्यवसाय शुरू करने या विवेकपूर्ण निवेश करने के लिए एक बहुत अच्छी अवधि है.आज व्यापार मे नये समझौते होंगे भविष्य सुनहरा होगा ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज कार्यसिद्धि होगी , भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। अगर आपका कार्य शिक्षण संस्थान से जुड़ा है, तो आज लाभ होगा. व्यावसायिक प्रगति के लिए दिन अनुकूल है. आज आप खुद को तरोताजा महसूस करेंगे. सोचे हुए काम पूरे होंगे. आज पुराने दोस्तों से मिलने का मौका मिलेगा. उनके साथ मूवी देखने का प्लान बनायेंगे. किसी बड़ी बिजनेस मिटिंग के लिये आयोजित पार्टी में जायेंगे, नये कारोबारीयों से मुलाकात होगी इससे फायदा होगा.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका महनत का फल मिलेगा परिश्रम सफल होगा । आप अपना धैर्य बनाये रखें. आप सबके साथ एक अच्छे तरीके से कार्य कर पाएंगे. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. व्यवसाय से संतुष्टि रहेगी. नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है. उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे. अपने सहकर्मियों से मतभेद संभव है. विरोधी नुकसान पंहुचा सकते हैं. विदेश जाने के योग बन रहे हैं.अगर आपके रिश्तोमे मे खटास हैं तो बातचीत से सुलझाना चाहिए मनमुटाव दूर होगा

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज मिलाझुला दिन रहेगा लेकिन वे आपके पक्ष में रहेंगे.बेकार की गतिविधियों में अपना समय और ऊर्जा बर्बाद न करें. अपने निर्णयों पर उचित ध्यान दें. यदि आप कोई निवेश करना चाहते हैं, तो विशेषज्ञ से मार्गदर्शन लेना उचित रहेगा. आप अपने दोस्तों की मदद से समस्याओं का हल निकाल सकते हैं. जिस व्यक्ति से आप प्यार करते हैं, पारिवारिक जीवन सामंजस्यपूर्ण रहेगा । हल्काफुलका भोजन करें स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज पडोस मे कोई उत्सव रहेगा आपका दिन उत्तम रहेगा. रिश्तेदारों का घर पर आना–जाना लगा रहेगा. किसी बुजुर्ग की मदद करने से आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा. आप सेहतमंद रहेंगे. रिश्तों में मिठास बनी रहेगी. किसी से संपर्क करने के लिए दिन अच्छा है. रुके हुए पैसों को पाने के लिए कोई नया प्लान दिमाग में आयेगा. कार्यक्षेत्र में आज आपको काम के लिये वाहवाही मिलेगी. नंदी भगवान को केले का फल खिलाए

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज समय कुछ खास नहीं हैं आप जितनी मेहनत करोगे उतना ही आपको फायदा हो सकता है. अगर आपके पास हालात से उबरने के लिए दृढ़ इच्छा–शक्ति है, तो कुछ भी असंभव नहीं है. आपके मन में भविष्य को लेकर चिंता हो सकती है. दुश्मन आपको परेशान करने की कोशिश कर सकते हैं. नौकरी में बदलाव के भी योग बन रहे हैं बटुक बालक को गुड की मिठाई खिलाए घर मे सुबह धूप जलाएं ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप लोगों के लिए एक आदर्श व्यक्ति के रुप मे दिखेंगे आप की लोकप्रियता बढेगी आपके दुश्मन आपका कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे. व्यावसायिक क्षेत्र में आप की स्थिति बढेगी . सामाजिक लोकप्रियता के चलते आप आकर्षण का केंद्र बनेंगे. आर्थिक पक्ष यथावत रहेगा. आपका पारिवारिक–जीवन शांतिपूर्ण और खुशहाल रहेगा. आज परिवार मे दाम्पत्यजीवन मे और बच्चों मे आपसी स्नेह रहेगा ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आप अपने तरीकों से कारोबार मे नयें समझौते करेंगे आप कार्यक्षेत्र बढेगा साझेदारी का काम भी फलदायी होगा . आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. आज जिस काम से यात्रा करेंगे, उसमें कामयाबी मिल सकती है. जीवनसाथी से सहयोग मिल सकता है. राजनीति के क्षेत्र में सफलता मिल सकती है. आज आपको खुद को साबित करने के कई मौके मिलेंगे. आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी. सोचे हुए कार्यों की गति मजबूत

आज का पंचांग

दिनांक : 10 सितंबर 2026 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2083
मास : भाद्रपद,कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्दशी प्रातः 10:34 तक
नक्षत्र : मघा दोपहर 02:05 तक
योग : सिद्ध 07:17 तक
करण : शकुन प्रातः 10:34 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 06:03, सूर्यास्त 06:21 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:23 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:16 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:55, सूर्यास्त 06:12 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पितृकार्य कुशोत्पाटिनी अमावस्या , गण्डमूल दोपहर 02:05 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

स्वार्थ की बातें सबको याद रहती हैं, पर आत्मा की बात हम याद नहीं रखते : राजमतीजी म.सा.

पर्युषण पर्व आत्मशुद्धि और आत्मनिरीक्षण का अवसर : साध्वीवृंद

हैदराबाद, 09 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जैन श्री संघ, मलकपेट के तत्वावधान में आध्यात्मिक वर्षावास 2026 के अंतर्गत बम्ब सिंघी भवन में परम पूज्य श्रमण संघीय प्रथम युवाचार्य प.पू. गुरुदेव श्री मिश्रीमलजी म.सा. 'मधुकर' की पावन परंपरा के आज्ञानुवर्ती, श्रमण संघीय सलाहकार उपप्रवर्तक पूज्य श्री विनयमुनिजी म.सा. 'भीम' के पावन सान्निध्य से प्रेरित तथा जिन शासन चंद्रिका परम पूज्या गुरुणी मैया श्री लक्ष्मीप्रकाशजी म.सा. की सुशिष्याएंजिन शासन दीपिका, मधुर व्याख्यानी पूज्य श्री राजमतीजी म.सा. 'राजुल', मुस्कानप्रिय, स्पष्ट वक्ता पूज्य श्री विनयश्रीजी म.सा. एवं नवदीक्षिता पूज्य श्री जीव्याश्रीजी म.सा.सुखसाता पूर्वक विराजमान हैं।

संघ के चातुर्मास प्रधान संयोजक दिलीप गादिया ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि सर्वप्रथम पूज्य महासती श्री जीव्याश्रीजी म.सा. ने पर्वाधिराज पर्युषण के दूसरे दिवस पर एक सुंदर स्तवन के साथ अपने उद्बोधन का प्रारंभ किया।

उन्होंने कहा कि पर्युषण पर्व का आगमन हुआ है, खुशियों का आया आचरण, कल्याणी है जिनवाणी, शुभ सर्व धर्म अपनाने। महावीर प्रभु के संदेश को घर–घर पहुंचाएंगे। आत्मा का निरीक्षण करना है और पर्युषण मनाना है।

उन्होंने कहा कि संसार के सागर से तारने वाली जिनवाणी इस दुनिया में बहुत सारे पर्व होते हैं। कितने ही पर्व आते हैं और चले भी जाते हैं। बाहर के पर्व केवल मनोरंजन के साथ मनाए जाते हैं, लेकिन जैन धर्म के पर्व अपने साथ कोई न कोई संदेश लेकर आते हैं। इन पर्वों में मनोरंजन नहीं, बल्कि धर्म, ध्यान, तप और साधना होती है।

पूज्य श्री विनयश्रीजी म.सा. ने अपने उद्बोधन में कहा कि पर्युषण पर्व सुहाना है, सब मिलकर प्रभु के गुण गाना है। पर्वों का राजा पर्युषण आया है और सबके मन में खुशियां लाया है। श्रद्धा से शीश झुकाना है।

उन्होंने कहा कि जिस पर्व का हम इंतजार कर रहे थे, जिसकी तैयारी कर रहे थे और जिसके बारे में बातें कर रहे थे, उन आठ मेहमानों में से एक मेहमान आकर चला गया और दूसरा मेहमान भी आज आएगा और चला जाएगा। जो आते हैं, वे संदेश देते हैं कि हमें अपनी आत्मा की शुद्धि करनी है। उन्होंने कहा कि हम अपने शरीर को कितना भी रगड़ लें, मालिश करवा लें और मैल निकालने की कोशिश करें, फिर भी कुछ नहीं होगा, क्योंकि शरीर का स्वभाव पुद्गल है और पुद्गल का स्वभाव सड़ना और गलना है। जब तक हम अपनी आत्मा का शुद्धीकरण करते हुए अंदर का मैल नहीं हटाएंगे, तब तक आत्मा साफ नहीं होगी।

महासती श्री राजमतीजी म.सा. ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में कहा कि दुनिया में प्रभु महावीर ने हर व्यक्ति को वह रास्ता बताया है, जिससे वह अपने कर्मों को तोड़कर मोक्ष मार्ग की ओर अग्रसर हो सकता है। जब तक स्वयं नहीं जागेंगे, तब तक दूसरों को कैसे जगाएंगे ?उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति स्वयं जागता है और तप, शील, स्वाध्याय तथा दान की भावना के साथ जीवन जीता है, वह अवश्य ही मोक्ष के लिए पात्र बनता है। स्वार्थ की बातें सबको याद रहती हैं, लेकिन आत्मा की बात हम याद नहीं रखते हैं। प्रभु ने कहा है कि उपयोग में धर्म है। जितना करना है, करो, लेकिन उपयोग के साथ करो।

जयमल ब्रज मधुकर दरबार में चातुर्मास संयोजक पारस डोसी ने सभा का संचालन करते हुए कहा कि पर्युषण केवल आठ दिनों का पर्व नहीं है, बल्कि यह आत्मा के भीतर उतरने का अवसर है। इन दिनों हमें घर की सफाई से अधिक अपने मन की सफाई करनी चाहिए।उन्होंने कहा कि वस्त्रों की सुंदरता से अधिक विचारों की सुंदरता बढ़ाएं और दूसरों की गलतियां देखने के बजाय अपने भीतर की कमियों को पहचानें।

उन्होंने बताया कि पर्युषण पर्व के आठों दिनों में प्रातः 8.30 बजे से अंतगढ़ सूत्र का वाचन, 9.30 बजे से प्रवचन, दोपहर 2.30 बजे से आगम वाचन तथा सायंकाल सूर्यास्त के पश्चात प्रतिक्रमण की व्यवस्था रहेगी। चातुर्मास में निरंतर तप की लड़ी जारी है और कई गुप्त तपस्याएं भी गतिमान हैं। पर्युषण पर्व के आठों दिन 12 घंटे के नवकार महामंत्र जाप का आयोजन भी रहेगा।धर्मसभा में मलकपेट संघ, नवयुवक मंडल, महिला मंडल, बहु मंडल, युवा मंडल, हैदराबाद संघ, फीलखाना संघ तथा चैतन्यपुरी संघ के श्रावक–श्राविकाएं उपस्थित थे।

कार्यक्रम का समापन मंगल पाठ एवं गुरु वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात श्रद्धालुओं ने धर्मलाभ प्राप्त कर पूज्य साध्वीवृंद का आशीर्वाद ग्रहण किया।

सेवा का भाव संस्कारों से मिलता है, मानवता ही सबसे बड़ा धर्म : शीतल गुप्ता

हैदराबाद। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सेवा के इस पुनीत अवसर पर शीतल गुप्ता ने कहा कि सेवा का भाव किसी दिखावे से नहीं, बल्कि संस्कारों से उत्पन्न होता है। जिस घर और परिवार में बचपन से ही दया, करुणा और परोपकार के संस्कार दिए जाते हैं, वहां सेवा जीवन का अभिन्न हिस्सा बन जाती है।

शीतल गुप्ता ने कहा कि ईश्वर केवल मंदिरों में नहीं, बल्कि प्रत्येक जीव और जरूरतमंद इंसान में विद्यमान हैं। किसी भूखे को भोजन कराना, किसी जरूरतमंद की सहायता करना अथवा किसी मूक जीव के प्रति दया दिखाना भी ईश्वर की आराधना के समान है। उन्होंने कहा कि कई बार हमारे जीवन में कोई जीव आता है और हम उसकी सेवा तथा देखभाल करने लगते हैं, तो यह भी ईश्वर की प्रेरणा का ही एक माध्यम हो सकता है। इसलिए हमें हर जीव के प्रति प्रेम और संवेदना रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अन्नदान केवल भोजन बांटने का कार्य नहीं, बल्कि भूख से पीड़ित व्यक्ति के सम्मान और आत्मसम्मान को संबल देने वाली सेवा है। राधे–राधे ग्रुप जिस निरंतरता और समर्पण के साथ नियमित अन्नदान कर रहा है, वह समाज में सेवा की नई चेतना पैदा कर रहा है। इस तरह के कार्यों से समाज के संपन्न वर्ग को भी अपनी जिम्मेदारी समझने और जरूरतमंदों के साथ खड़े होने की प्रेरणा मिलती है। शीतल गुप्ता ने कहा कि आज के समय में जब लोग अपने व्यक्तिगत जीवन और व्यस्तताओं में उलझे हुए हैं, ऐसे समय में राधे–राधे ग्रुप के सदस्य नियमित रूप से सेवा के लिए समय निकाल रहे हैं, यह अपने आप में सराहनीय है। सेवा में दिया गया समय और श्रम कभी व्यर्थ नहीं जाता, बल्कि यही संस्कार आने वाली पीढ़ियों की सबसे बड़ी पूंजी बनते हैं।

उन्होंने कहा कि यदि समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार किसी एक जरूरतमंद की सहायता का संकल्प ले, तो समाज में कोई भी व्यक्ति स्वयं को अकेला और असहाय महसूस नहीं करेगा। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि सेवा को अवसर नहीं, बल्कि अपने जीवन का संस्कार बनाएं।इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, जगन गुप्ता, भगत राम गोयल, नंद किशोर अग्रवाल, मनीष चिंडालिया, भाकर राम कुमावत, कमला कुमावत, पाबुराम कुमावत, प्रीतिका अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, कैलाश केडिया एवं निर्मला केडिया सहित राधे–राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने सेवा कार्य को निरंतर जारी रखने तथा अधिक से अधिक लोगों को अन्नदान एवं सामाजिक सेवा से जोड़ने का संकल्प व्यक्त किया। राधे–राधे ग्रुप का यह नियमित अन्नदान अभियान सेवा, संस्कार और मानवता की उस भावना को मजबूत कर रहा है, जिसकी आज समाज को सबसे अधिक आवश्यकता है।

एसआईआर जांच में त्रुटि न हो : आरडीओ

मदनूर, 09 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बंसवाड़ा के आरडीओ रविंदर रेड्डी ने अधिकारियों को एसआईआर जांच प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की त्रुटि न होने देने के निर्देश दिए। बुधवार को उन्होंने मदनूर मंडल के पेद्दा एकलारा गांव में एसआईआर जांच केंद्रों का निरीक्षण कर मतदाताओं की शंकाओं का समाधान किया तथा प्रमाणपत्रों के संकलन और ऑनलाइन अपलोड में सावधानी बरतने को कहा। मेनूर गांव के पास फसल नहर और खेतों तक जाने वाली सड़क संबंधी शिकायत पर आरडीओ ने मौके का निरीक्षण किया और संबंधित सिंचाई विभाग एवं सर्वेयरों को संयुक्त सर्वेक्षण कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि नक्शे व अभिलेख उपलब्ध नहीं होने के कारण पुनर्सर्वेक्षण कार्य दो माह से जारी है, जिसमें ग्राम सीमाओं, कृषि भूमि, पट्टादार भूमि और सरकारी भूमि की पहचान की जा रही है।आरडीओ ने सोमुर गांव में कपास और सोयाबीन के खेतों का निरीक्षण कर किसानों से सर्वेक्षण संबंधी समस्याओं की जानकारी ली। किसानों ने कहा कि वर्षों बाद सर्वेक्षण और सीमांकन होने से भूमि विवाद कम होंगे तथा उन्हें लाभ मिलेगा।

आशा कार्यकर्ताओं ने तहसीलदार कार्यालय के सामने किया धरना

मदनूर, 09 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्थानीय आशा कार्यकर्ताओं ने बुधवार को तहसीलदार कार्यालय के सामने धरना–प्रदर्शन कर अपनी मांगों को लेकर विरोध जताया। आशा कार्यकर्ताओं ने प्रति माह 21,000 से 26,000 वेतन देने तथा सभी आशा कार्यकर्ताओं को सरकारी सेवक अथवा राज्य कर्मचारी घोषित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार ने चुनाव से पहले आशा कार्यकर्ताओं से जो आश्वासन दिए थे, उन्हें तत्काल पूरा किया जाए। प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांगों को लेकर सरकार से शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की।

एचपीसीएल ने आईआईएससी बेंगलुरु में ऊर्जा नवाचार को गति देने के लिए एमसी²+ इग्नाइट का आयोजन किया

बेंगलुरु, 9 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने आज भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) बेंगलुरु में भारत के प्रमुख ऊर्जा नवाचार एक्सेलेरेटर एमसी²+ इग्नाइट के बेंगलुरु संस्करण का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में ऊर्जा उद्योग, शिक्षा जगत, अनुसंधान, स्टार्टअप्स और निवेश पारिस्थितिकी तंत्र के नेताओं को एक साथ लाया गया, जिन्होंने बायो–एनर्जी समेत विभिन्न विषयों पर आधारित भारत के ऊर्जा भविष्य को आकार देने वाले अवसरों और चुनौतियों पर चर्चा की।

कार्यक्रम में एचपीसीएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री विकास कौशल, शेल के उपाध्यक्ष (अनुसंधान एवं नवाचार) श्री अजय मेहता, फेडरेशन ऑफ इंडियन पेट्रोलियम इंडस्ट्री (एफआईपीआई) के निदेशक श्री डेब अधिकारी, आईआईएससी बेंगलुरु और एमसीऑ फाउंडेशन के प्रतिनिधि तथा डीप–टेक स्टार्टअप्स व निवेशक शामिल हुए।

19 अगस्त 2026 को लॉन्च किया गया एमसी²+ इग्नाइट ऊर्जा क्षेत्र के लिए डीप–टेक स्टार्टअप्स का समर्थन करने वाला क्षेत्र–विशिष्ट एक्सेलेरेटर है। इसका उद्देश्य ऊर्जा और डीप–टेक स्टार्टअप्स के सामने आने वाली महत्वपूर्ण कमी ऑपरेटिंग एसेट्स, रियल–वर्ल्ड पायलट साइट्स, उद्योग ग्राहकों और प्रारंभिक अनुसंधान–अनुदान चरण के बाद वृद्धि पूंजी को दूर करना है।

इस पहले बैच में लगभग 30 स्टार्टअप्स शामिल होंगे। चयनित उद्यमों को मील–पत्थर आधारित कन्वर्टिबल फंडिंग के रूप में अधिकतम 2 करोड़ रुपये तक मिल सकेंगे। एक्सेलेरेटर सात ऊर्जा–संक्रमण विषयों हाइड्रोजन एवं मोबिलिटी, एआई–संचालित सबसर्फेस इंटेलिजेंस, अगली पीढ़ी की ड्रिलिंग, बायो–एनर्जी एवं कंप्रेस्ड बायो–गैस, रिफाइनरी प्रोसेस इंटेंसिफिकेशन, डिजिटल एसेट मैनेजमेंट तथा एक खुला विषय को कवर करता है।

बायो–एनर्जी और सीबीजी को केंद्र में रखकर आयोजित इस कार्यक्रम में प्रौद्योगिकी, अनुसंधान और उद्यमिता की भूमिका पर चर्चा हुई। साथ ही ऊर्जा कंपनियों, अनुसंधान संस्थानों और स्टार्टअप्स के बीच अधिक सहयोग की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया।

कार्यक्रम में एचपीसीएल के सीएमडी श्री विकास कौशल का संबोधन, एमसी²+इग्नाइट का परिचय तथा ऊर्जा क्षेत्र और आरएंडडी विषयों पर अवसरों का सत्र शामिल रहा। मराल एयरोस्पेस और मैजेंटा ईवी सॉल्यूशंस द्वारा स्टार्टअप शोकेस भी प्रस्तुत किए गए।

इसके अलावा भारत की सामरिक स्वायत्तता के लिए ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं और सामग्रियों की पुनर्कल्पना: स्टार्टअप और निवेशक दृष्टिकोण विषय पर पैनल चर्चा हुई, जिसमें भारत इनोवेशन फंड, जिप्पमैट, वेंचरईस्ट और चारा टेक्नोलॉजीज के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम की एक प्रमुख उपलब्धि एमसीऑ फाउंडेशन और आईआईएससी बेंगलुरु के बीच ऊर्जा उद्यमों के सह–निर्माण के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर रहा। यह साझेदारी उद्योग–अकादमिक इंटरफेस को और मजबूत करेगी।

एचपीसीएल के सीएंडएमडी श्री विकास कौशल ने कहा: एमसी²+ भारत के नवप्रवर्तकों के लिए ऊर्जा के भविष्य की पुनर्कल्पना का आह्वान है। एमसीऑ+ इग्नाइट के माध्यम से हम सात महत्वपूर्ण ऊर्जा विषयों पर साहसिक डीप–टेक समाधान आमंत्रित कर रहे हैंनवाचार को उद्योग से जोड़कर वास्तविक चुनौतियों का समाधान और स्केलेबल समाधान तैयार करने के लिए। लक्ष्य है भारत की प्रतिभा को सुरक्षित, टिकाऊ और आत्मनिर्भर ऊर्जा भविष्य के लिए प्रभाव में बदलना।

मलेश्वर मंदिर में अखंड हरिनाम सप्ताह संपन्न

मदनूर, 09 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्थानीय मलेश्वर मंदिर सेवा समिति के नेतृत्व में श्रावण मास के समापन के अवसर पर प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी अखंड हरिनाम सप्ताह का आयोजन किया गया। सप्ताह के दौरान प्रतिदिन सुबह काकड़ आरती, हरिपाठ, गाथा एवं भजन तथा रात में हरिकीर्तन का आयोजन किया गया।

मंदिर समिति के अनुसार, मंगलवार को गाथा पूजन किया गया, जबकि बुधवार को प्रसिद्ध कीर्तनकार सांगय्याअप्पा स्वामी का कालाकीर्तन संपन्न हुआ। इस अवसर पर मंदिर समिति की ओर से हनुमान मंदिर तक शोभायात्रा निकाली गई तथा महाप्रसाद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

विधायक प्रेमसागर राव पर वादाखिलाफी का आरोप, भाजपा ने जारी की चार्जशीट

मंचेरियाल, 09 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष रघुनाथ राव के नेतृत्व में पार्टी नेताओं ने स्थानीय विधायक प्रेमसागर राव पर चुनावी वादों को पूरा नहीं करने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ चार्जशीट जारी की। रघुनाथ राव ने कहा कि अंडालम्मा कॉलोनी की डंपयार्ड समस्या, राल्लावागु के सुरक्षा एवं तटबंध कार्य, एल्लमपल्ली परियोजना पीड़ितों को मुआवजा तथा सिंगरेणी श्रमिकों को जमीन के पट्टे देने के वादे अब तक पूरे नहीं हुए हैं। उन्होंने विधायक पर मंचेरियाल में गुंडागर्दी और गांजा गिरोहों को बढ़ावा देने तथा डॉक्टरों, व्यापारियों और ठेकेदारों से कथित वसूली के गंभीर आरोप भी लगाए। रघुनाथ राव ने कहा कि इन मुद्दों को लेकर भाजपा आने वाले दिनों में जन आंदोलन करेगी और इसमें जनता को भी शामिल किया जाएगा।

क्या आप जानते हैं, घर के मुख्यद्वार के सामने कौन से पेड हो कौनसे नहीं

वास्तु और फेंगशुई के अनुसार घर में छोटे-छोटे और कुछ विशेष पेड पौधों को लगाना अच्छा माना जाता है तुलसी और बेंबु, मनीप्लांट, अपराजिता, जैसे कई पौधे हैं जिन्हे घर में लगाना बहुत शुभ माना जाता है लेकिन कुछ ऐसे पेड़ या पौधे भी होते है जिसे घर के सामने होना अच्छा नहीं माना जाता है। कई घरों के मुख्य द्वार के सामने कैक्टस के छोटे पौधे लगा देते हैं, चाँदनी बेल या मनीप्लांट लगा देते हैं, जिससे मुख्य द्वार में अवरोध पैदा हो जाता है।

इस प्रकार के घर में भी बाधा का कारण बनता है। मुख्य द्वार के सामने या अंदर की ओर कोई नुकीली चीज हो तो वहाँ रहने वालों को कोई न कोई बाधा आती रहेगी। इसी प्रकार यदि घर के सामने बिजली का खंभा या ट्रांसफार्मर लगा हो तो आपके यहाँ अच्छी ऊर्जा आने के बजाय निगेटिव ऊर्जा आएगी, जिसके कारण उस घर में रहने वाले लोगों को मानसिक तनाव होगा। उनका स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा।

पूर्व में पीपल का पेड नहीं होना चाहिए। अकारण भय व धन की हानि होती है। आग्नेय में अनार का पेड अति शुभ परिणाम देने वाला होता है। दक्षिण में गुलर का पेड शुभ रहेगा। नैऋत्य में इमली शुभ रहती है। दक्षिण नैऋत्य में जामुन और कदंब का पेड शुभ रहता है। उत्तर में पाकड का पेड लगाना ठीक रहेगा। ईशान में आँवला का पेड अति फलदायी रहता है। ईशान-पूर्व में आम का पेड शुभ रहता है। इस प्रकार हम पेड लगाकर शुभाशुभ फल प्राप्त कर सकते हैं।

मुख्य द्वार के सामने कोई रास्ता द्वार की ओर जा रहा हो तब भी बाधा का कारण बनता है। ग्रह स्वामी की अकाल मृत्यु हो सकती है। घर के सामने बडा वृक्ष रहे तो वहाँ रहने वालों की प्रगति में बाधा का कारण बनता है। यदि उस वृक्ष की छाँव घर पर पडती हो तो नुकसानप्रद रहता है। जबकि उसकी छाया कहीं से भी मकान पर नहीं पडती हो तो हानि नहीं होगी। कई जगह बंगलों में या घरों के सामने लंबे अशोक वृक्ष लगा दिए जाते हैं, जिससे घर में आड सी हो जाती है। यहाँ भी घर में रहने वालों की प्रगति के मार्ग में बाधा का कारण बनता है। जहाँ तक हो सके मुख्य द्वार को बाधा से रहित ही रखना चाहिए।

जब किस्मत साथ न दे तो सुख सौभाग्य प्राप्ति को करें यह उपाय

घर में स्थापित देवी- देवताओं को रोज फूलों से श्रृंगारित करना चाहिए। इस बात का ध्यान रखें कि फूल ताजे ही हो। सच्चे मन से देवी-देवताओं को फूल आदि अर्पित करने से वे प्रसन्न होते हैं व साधक का भाग्य चमका देते हैं।

घर को साफ-स्वच्छ रखें- प्रतिदिन सुबह झाड़ू-पोछा करें। शाम के समय घर में झाड़ू-पोछा न करें। ऐसा करने से मां लक्ष्मी रूठ जाती हैं और साधक को आर्थिक हानि का सामना करना पड सकता है।

कोशिशों के बाद भी आप किसी काम में बार-बार असफल हो रहे हैं या मेहनत के अनुसार सफलता नहीं मिल पा रही है। ऐसे में किस्मत या भाग्य का साथ न होने की बात कही जाती है। ज्यादा धन या पैसा कमाने के लिए किस्मत का साथ होना बहुत जरूरी है अन्यथा इस मनोकामना की पूर्ति होना असंभव सा ही है। ज्योतिष में कई ऐसे उपाय बताए गए हैं जिन्हें अपनाने से दुर्भाग्य पीछा छोड देता है और भाग्य साथ देने लगता है। जब किस्मत साथ न दे तो करें यह उपाय इस छोटे से उपाय द्वारा बदकिस्मत लोगों की भी किस्मत साथ देने लगेगी ।

यदि आपको भी पूरी मेहनत के बाद उचित सफलता प्राप्त नहीं हो रही है तो प्रतिदिन सूखे आटे में थोडी सी हल्दी मिलाकर गाय को खिलाएं। ऐसा नियमित रूप से प्रतिदिन करें। गाय को सभी शास्त्रों के अनुसार पूजनीय एवं पवित्र माना गया है। गाय में ही सभी देवी-देवताओं का वास है और इसकी पूजा करने से भक्त को भाग्य का साथ मिलता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार गौमाता को संतुष्ट करनेपरवे सेवक को सेवाके प्रतिफल में आशीर्वादस्वरूपसभी मनोकामनाओं को पूर्ण करती हैं। गाय को सूखे आटे में हल्दी मिलाकर खिलाने से वे अतिप्रसन्न होती हैं। हमेशा अच्छे कर्म करो, अपने धर्म का पालन करो किस्मत के बारे मे तो मे हर मनुष्य थोडी बहुत जानकारी रखता है, कहते हैं जब हम कडे परिश्रम करने के बाद सफलता प्राप्त करते है तो वह हमारे कर्म है लेकिन जब हम बिना मेहनत के बावजूद सफलता प्राप्त करते हैं उसे किस्मत कहते है। ब्रहम बेला में उठ कर इश्वर का नाम, ध्यान, योग और पूजा करने से अकस्मात् लाभ होता है। सूर्योदय से पूर्व ब्रहमा बेला में उठे, और अपने दोनों हांथो की हंथेली को रगरे और हंथेली को देख कर अपने मुंह पर फेरे, क्योंकि :- शास्त्रों में कहा गया है की कराग्रे वसते लक्ष्मी, करमध्ये सरस्वती। करमूले स्थिता गौरी, मंगलं करदर्शनम् ॥ हमारे हाथ के अग्र भाग में लक्ष्मी, तथा हाथ के मूल मे सरस्वती का वास है अर्थात भगवान ने हमारे हाथों में इतनी ताकत दे रखी है, जिसके बल पर हम धन अर्थात लक्ष्मी अर्जित करतें हैं। जिसके बल पर हम विद्या सरस्वती प्राप्त करतें हैं इतना ही नहीं सरस्वती तथा लक्ष्मी जो हम अर्जित करते हैं, उनका समन्वय स्थापित करने के लिए प्रभू स्वयं हाथ के मध्य में बैठे हैं। ऐसे में क्यों न सुबह अपनें हाथ के दर्शन कर प्रभू की दी हुई ताकत का लाभ उठायें।। भोजन के लिए बनाई जा रही रोटी में से पहली रोटी गाय को दें। धर्म ग्रंथों के अनुसार गाय में सभी देवताओं का निवास माना गया है। अगर प्रतिदिन गाय को रोटी दी जाए तो सभी देवता प्रसन्न होते हैं और सभी मनोकामना पूरी करते हैं। प्रतिदिन चीटियों को शक्कर मिला हुआ आटा खिलाएं। ऐसा करने से आपके पाप कर्मों का क्षय होगा और पुण्य कर्म उदय होंगे। यही पुण्य कर्म आपकी मनोकामना पूर्ति में सहायक होंगे।

नवग्रहों की अद्भुत शक्तियां

नवग्रहों में अद्भुत शक्तियां है जिसके कारण इसे देवताओं के समान आदर दिया गया है। यह दवा की भांति व्यक्तियों को पीडा से उबारने में सक्षम होता है। इनमें कमजोर ग्रहों को बलवान बनाने की क्षमता होती है जिससे असंभव को भी संभव करने में भी राशि रत्न कारगर होते हैं।

पुखराज की ज्योतिषीय विशेषता

बृहस्पति ग्रह का रत्न पुखराज पीली आभा लिये होता है। यह गहरा पीला, हल्का पीला एवं सफेद भी होता है। छूने में ठोस, चिकना, चमकीला, दाग धब्बा रहित पुखराज उत्तम होता है। दूध में रात भर रखने से असली पुखराज क्षीण नहीं होता है और न ही इसका रंग फीका होता है। पुखराज धारण करने से पहले अच्छी तरह जांच परख लेना चाहिए कि रत्न दोष रहित हो।

पुखराज धारण करने से लाभ

जिस व्यक्ति की कुण्डली में बृहस्पति नीच का होता है अथवा कमजोर होता है उनके लिए पुखराज धारण करना लाभप्रद होता है। पुखराज अध्यात्म, सत्यता, लनशीलता और सजगता का प्रतीक होता है। प्रेमियो के लिए यह भाग्यशाली रत्न माना जाता है। मानसिक शांति एवं आत्मिक शांति के लिए भी यह रत्न लाभकारी होता है। इस रत्न को धारण करने से वाणी सम्बन्धी दोष एवं गले की पीडा से राहत मिलती है। प्राचीन यूनान में इसे अपोलो देवता द्वारा प्रदान किया गया माना जाता था जिसका उपयोग कई प्रकार के रोगों के ईलाज के लिए किया जाता था। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार जिस कन्या की शादी में बार बार बाधा आ रही हो वह अगर पुखराज धारण करती हैं तो विवाह में बाधक तत्व का अंत होता है और जल्दी शादी होती है।

हीरा की ज्योतिषीय विशेषता

हीरा संसार का सबसे कठोर रत्न है। इसे किसी भी अन्य रत्न से खरोंचा नहीं जा सकता। हीरा जितना कठोर व चमकीला होता है उतना ही अच्छा माना जाता है। यह मुख्यत: सफेद, पीला , लाल, गुलाबी और काला होता है। मान्यताओं के अनुसार संतान की इच्छा रखने वाली महिलाओं को हीरा धारण नहीं करना चाहिए। ज्योतिषशास्त्र इस मान्यता को नही स्वीकार करता है। ज्योतिषशास्त्र के नियमानुसार जो स्त्री त्रिकोण हीरा धारण करती हैं उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति होती है।

हीरा धारण करने से लाभ

हीरा शुक्र का रत्न है। तुला और वृषभ राशि वाले अगर इस रत्न को धारण करते हैं तो उनका शुक्र मजबूत होता है फलत: शुक्र से सम्बन्धित सभी क्षेत्रो में उन्हें लाभ मिलता है। जिनकी कुण्डली में शुक्र कमजोर अथवा मंदा है उन्हें भी हीरा धारण करने से लाभ मिलता है। हीरा की विशेषता है कि इसे धारण करने वाला व्यक्ति साहसी, बुद्धिमान और उत्साही होता है। हीरा कई प्रकार के मानसिक रोगों में लाभकारी होता है। यह जहर काटने में भी सक्षम होता है। हीरा धारण करने वाले पर जादू टोने का प्रभाव नहीं होता है। रंग के अनुसार हीरा का अलग अलग प्रभाव होता है जैसे लाल और पीला हीरा राजनीति और प्रशासन से सम्बन्धित व्यक्तियो के लिए लाभप्रद होता है। सामाजिक, धार्मिक और आध्यात्मिक क्षेत्र से जुडे हुए लोगों के लिए सफेद हीरा उत्तम होता है।

मनोवांछित फल की प्राप्ति के लिए कीजिए यह व्रत

मां ललिता

महाविद्याओं में से एक हैं। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी के दिन मां ललिता का व्रत किया जाता है। इस व्रत को उपांग ललिता व्रत कहा जाता है। यह व्रत करने पर मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है। इस वर्ष उपांग ललिता व्रत 17 अक्टूबर यानी शनिवार के दिन है।

मां ललिता की उत्पतिः

उपांग ललिता मां शक्ति का स्वरूप हैं। मां ललिता की उत्पत्ति तब हुई जब ब्रहमा जी द्वारा छोडे गये चक्र से पाताल समाप्त होने लगा तब इस स्थिति से विचलित होकर ऋषि-मुनि भी परेशान हो गए और संपूर्ण पृथ्वी धीरे-धीरे जलमग्न होने लगी है।तब सभी ऋषि माता ललिता देवी की उपासना की। उनकी प्रार्थना से प्रसन्न होकर देवी जी प्रकट होती हैं तथा इस विनाशकारी चक्र को थाम लेती हैं। सृष्टि पुनः नवजीवन को पाती है।

मां ललिता का स्वरूपः

कालिकापुराण के अनुसार देवी की दो भुजाएं हैं, यह गौर वर्ण की, रक्तिम कमल पर विराजित हैं। ललिता देवी की पूजा से समृद्धि की प्राप्त होती है। दक्षिणमार्गी शाक्तों के मतानुसार देवी ललिता को चण्डी का स्थान प्राप्त है। इनकी पूजा पद्धति देवीचण्डी के समान ही की जाती है।

व्रत का महत्वः

उपांग ललिता व्रत करने से मां उपांग ललिता का आशीर्वाद मिलता है। पौराणिक मान्यतानुसारइसदिन देवीललिता ने एक दानव लियाथा इसदिन भक्तगण षोडषोपचार विधि से मां ललिता का पूजन करते है। इस दिन मां ललिता के साथ साथ स्कंदमाता और शिव शंकर की भी शास्त्रानुसार पूजा की जाती है। ऐसे करें पूजनः शक्तिस्वरूपा देवी ललिता को समर्पित उपांग ललिता पंचमी आश्विन मास के शुक्ल पक्ष को पंचम नवरात्र के दिन मनाई जाती है। इस शुभ दिन भक्तगण व्रत एवं उपवास का पालन करते हैं, यह दिन उपांग ललिता व्रत के नाम से जाना जाता है।

कुछ ऐसी चीजें जिन्हें घर में रखने से कभी नहीं होती पैसों की कमी

अगर आप धन संबंधी परेशानियों को लेकर चिंतित रहते हैं तो इसका कारण आपके घर में मौजूद वास्तुदोष हो सकता है। इस दोष से मुक्ति और धन-सुख के लिए वास्तुशास्त्र में कुछ चीजें ऐसी बताई गई हैं जिन्हें घर में रखने से धन संबंधी सभी परेशानियां अपने आप खत्म हो जाती हैं और घर में हमेशा धन-धान्य बना रहता है।

धातु के बने कछुए और मछली को घर में रखना बहुत ही शुभ माना जाता है। ऐसा करने से घर से जुडी सभी समस्याएं खत्म होने लगती हैं। घर के जिस हिस्से में परिवार के सदस्य सबसे ज्यादा समय विताते हैं, वहां पर चांदी, पीतल या तांबे का पिरामिड रखें। यह घर के सदस्यों की आय में वृद्धि करता है। घर की उत्तर दिशा में पानी से भरी सुराही रखनी चाहिए। इससे घर में धन की कमी नहीं होती। सुराही न हो तो मिट्टी का घडा रखा जा सकता है। ये कभी भी खाली न रहे, पानी खत्म हो जाने पर इसे फिर से भर दें। घर की द्क्षिण-पश्चिम दिशा में भगवान हनुमान की पंचस्वरूप वाली मूर्ति या तस्वीर लगाएं। नियमित रूप से उनकी पूजा करें। घर के मेन गेट पर देवी लक्ष्मी, भगवान कुबेर या स्वास्तिक का चिन्ह या फोटो लगाने से घर में कभी पैसों की कमी नहीं होती। घर में वास्तु भगवान की मूर्ति या तस्वीर रखने से घर के सभी वास्तु दोष खत्म हो जाते हैं और घर में कभी पैसों की कमी नहीं आती।

क्यों लेना पडा भगवान विष्णु को वामन रूप में जन्म

दैत्यों का राजा बलि बडा पराक्रमी राजा था। उसने तीनों लोकों पर अपना आधिपत्य स्थापित कर लिया। उसकी शक्ति के घबराकर सभी देवता भगवान वामन के पास पहुंचे तब भगवान विष्णु ने अदिति और कश्यप के यहाँ जन्म लिया। एक समय वामन रूप में विराजमान भगवान विष्णु राजा बलि के यहाँ पहुचे उस समय राजा बलि यज्ञ कर रहा थे। बलि से उन्होंने कहा राजा मुझे दान दीजिए। बलि ने कहा-मांग लीजिए। वामन ने कहा तीन पग मुझे आपसे धरती चाहिए। दैत्यगुरु भगवान की महिमा जान गए। उन्होंने बलि को दान का संकल्प लेने से मना कर दिया। लेकिन बलि ने कहा - गुरुजी ये क्या बात कर रहे हैं आप।

यदि ये भगवान हैं तो भी मैं इन्हें खाली हाथ नहीं जाने दे सकता। बलि ने संकल्प ले लिया। भगवान वामन ने अपने विराट स्वरूप से एक पग में बलि का राज्य नाप लिया, एक पैर से स्वर्ग का राज नाप लिया। बलि के पास कुछ भी नहीं बचा। तब भगवान ने कहा तीसरा पग कहां रखूं। बलि ने कहा- -मेरे मस्तक पर रख दीजिए। जैसे ही भगवान ने उसके ऊपर पग धरा राजा बलि पाताल में चले गए। भगवान ने बलि को पाताल का राजा बना दिया। सतयुग में दैत्यराज प्रहाद के पोत्र बलि ने स्वर्ग में अधिकार कर लिया था। सभी देवता इस विपत्ति से मुक्ति पाने के लिए भगवान विष्णु के पास गए।

तब भगवान विष्णु ने देवताओ से कहा की में स्वयं देवमाता अदिति के गर्भ से जन्म लेकर तुम्हे स्वर्ग का राज्य दिलाऊंगा। कुछ समय पश्चात भाद्रपद शुक्ल द्वादशी को भगवान विष्णु ने वामन अवतार के रूप में जन्म लिया। इधर दैत्यराज बलि ने अपने गुरु शुक्रचार्य और मुनियो के साथ दीर्घकाल तक चलने वाले यज्ञ का आयोजन किया।

बलि के इस महायज्ञ में ब्रहमचारी वामन जी भी गए। वे अपनी मुस्कान से सब लोगो के मन मोह लेते थे। दैत्य गुरु शुक्राचार्य ने अपने तपो बल से वामन के रूप में अवतरित भगवान विष्णु को पहचान लिया। उन्होंने बलि को बताया की तुम्हारी राजलक्ष्मी का अपरहण करने भगवान विष्णु वामनरूपी अवतार में आये है। गुरुदेव की बातो को सुन कर राजा बलि ने कहा हे गुरुदेव आप क्यों धर्म विरोधी वचन कह रहे है, भगवान विष्णु स्वयं मुझ से दान मांगने आये है इस से बढकर और क्या हो सकता है। मैं तो केवल भगवान विष्णु की प्रसन्नता के लिए यह यज्ञ कर रहा हुँ। यदि भगवान विष्णु स्वयं पधारे है तो में कृतार्थ हो गया। तभी वामनजी बलि के यज्ञशाला में पधारे, उन्हें देख राजा बलि अपने दोनों हाथ जोड के उनके सामने खडे हो गए और कहा, हे प्रभु मुझे अपनी सेवा का अवसर दीजिये ।तब वामन भगवान ने उनसे तीन पग भूमि मांगी और कहा भूमिदान का महात्म्य महान है।

राजा बलि के गुरु शुक्राचार्य भगवान विष्णु की लीला समझ गए और उन्होंने राजा बलि को दान देने से मना किया। लेकिन फिर भी बलि ने भूमि दान के संकल्प के लिए कलश उठाया परन्तु गुरु शुक्राचार्य उस कलश में घुस गए। भगवान विष्णु यह जान गए की गुरु शुक्राचार्य कलश में घुसकर जल की धारा को रोक रहे है .अत: उन्होंने कुश के अग्र भाग को कलश के मुख में घुसेड दिया जिसने गुरु शुक्राचार्य की एक आँख को नष्ट कर दिया। पीडा से व्याकुल होकर गुरु शुक्राचार्य उस कलश से बाहर निकले।

तब बलिं ने तीन पग दान का संकल्प लिया। भगवान विष्णु ने विशाल रूप धारण कर पहले एक पग पूरी धरती को नाप लिया तथा अपने दूसरे पग में उन्होंने पुरे स्वर्गलोक को नापा। जब तीसरे पग के रखने के लिए कोई जगह नही बची तो बलि के सामने संकट उत्पन्न हो गया। वामन भगवान ने उन्हें भय दिखाया की यदि तुमने अपना संकल्प पूरा नही किया तो ये अधर्म होगा। तब तीसरे पग के लिए अपने आप को समर्पित करते हुए राजा बलि ने अपना सर उनके पग के निचे रख लिया। वामन भगवान के तीसरा पग रखते ही बलि पाताललोक पहुंच गया। बलि की दानवीरता को देख वामनरूप भगवान विष्णु ने उन्हें पाताल का राजा बना दिया और इस तरह भगवान विष्णु ने इंद्र को स्वर्गलोक सोपा।

सौंदर्य

लिप मास्क थेरपी से होंठों को दें जान

चेहरे की ब्यूटी निखारने के बाद जब बात लिप्स की आती है, तो उसे खूबसूरत बनाने का महिलाओं के पास केवल एक ही जरिया होता है और वह है लिप बाम और लिपस्टिक। मगर लिप्स के लिए इन दिनों एक थेरपी खासी ट्रेंड में है और वह है लिप मास्क थेरपी। इसे किस तरह किया जाता है और इससे लिप्स को किस तरह खूबसूरत बनाया जा सकता है, जानिए...

क्या है लिप मास्क थेरपी?

आमतौर पर महिलाएं लिप्स की खूबसूरती को निखारने के लिए लिपस्टिक का इस्तेमाल करती हैं। लिपस्टिक का लगातार इस्तेमाल करने से लिप्स की नैचरल ब्यूटी कम होती चली जाती है। उनकी नमी खत्म होती जाती है और वे अपना नैचरल कलर खोने लगते हैं। अगर आप भी गुजर रही हैं कुछ ऐसी ही प्रॉब्लम्स से, तो लिप मास्क थेरपी आएगी आपके खूब काम। इस थेरपी में ऐसी चीजों का इस्तेमाल किया जाता है, जो आपके खोई हुई लिप्स ब्यूटी को वापस लाने में खूब काम आता है।

सिलिकॉन बेस से तैयार

इस लिप मास्क में सिलिकॉन बेस का इस्तेमाल किया जाता है। इसमें कॉलेजन प्रोटीन, मिनिरल्स, हाइड्रेटिंग एजेंट, जोजोबा ऑइल वगैरह होता है, जो होठों पर लगाया जाता है। इसे तकरीबन 10 से 15 मिनट लगाए रखते हैं और फिर पील करके उतार दिया जाता है। यह बेस होंठों को नमी देने का काम तो करता ही है, साथ ही उन नर्व्स को मजबूत करता है जो होंठों को ब्लड सकुर्लेट करती है।

क्यों होती है जरूरत?

लिपस्टिक या लिप बाम में लेड पाया जाता है, जो होंठों पर कालापन व ड्राईनैस ले आता है। लगातार लगाते रहने से लिप्स क्रैक, ड्राई और काले हो जाते हैं। इस समस्या से निजात पाने के लिए लिप मास्क खास काम आता है। ब्यूटीशियन के मुताबिक, इसे हफ्ते या फिर 15 दिन में एक बार करवा लेंगी, तो दो से तीन महीने में ही होंठों की नैचरल ब्यूटी वापस आ जाएगी।

लगाएं लिप मास्क

आपके लिप्स की स्किन कैसी है, इसको ध्यान में रखते हुए आप लिप मास्क थेरपी करें। होठों के मुताबिक आपको लिप मास्क मिल जाएंगे। इसके लिए अगर आप एक बार ब्यूटीशियन से सलाह ले लें, तो आप सही तरह का लिप मास्क सिलेक्ट कर पाएंगी।

कैसे करता है काम?

यह लिप मास्क प्लेटिनम फिलर का काम करता है। बायोटीन होठों की त्वचा को एनर्जी देता है और विटमिन होठों के कालेपन को हल्का करते हैं। इसे कुछ देर तक होठों पर लगाने से यह सारे तत्व अपना-अपना काम करके होठों की खोई खूबसूरती लौटाते हैं। यह होंठों को मेकअप से आए साइड इफेक्ट्स से बचाता है। दरअसल, लिप्स में ऑयल ग्रंथियां नहीं होतीं, ऐसे में होठों को नमी के लिए बाहरी ट्रीटमेंट की जरूरत होती है और इसमें लिप मास्क बेहद काम आता है।

सही पावर बैंक चुनेंगे तो मोबाइल की बैटरी हमेशा रहेगी फुल

तकनीक

क्या आपको भी अपने स्मार्टफोन के बैटरी बैकअप की चिंता सताती रहती है? क्या आप भी अपने फोन पर मनपसंद काम ना कर पाने से अक्सर परेशान रहते हैं। आजकल सब स्मार्टफोन में मूवी, म्यूजिक, गेम्स या फिर सोशल नेटवरकिंग साइट्स पर ज्यादा व्यस्त रहते हैं। जिसके कारण उनके स्मार्टफोन्स की बैटरी जल्दी खत्म हो जाती है। पर अब आप बेफिक्र होकर अपने सभी काम स्मार्टफोन की मदद से कर सकते हैं और वो भी बिना बैटरी की चिंता करे। आइये आज हम आपको बताते हैं पावर बैंक्स के बारे में और यह भी आपको बताएंगे कि पावर बैंक खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

आज मार्केट में 3 तरह के पावरबैंक्स उपलब्ध हैं-

1. बिना डिस्प्ले एलईडी वाले- इस तरह के पावर बैंक्स में डिस्प्ले की जगह 3-4 एलईडी मौजूद होती हैं। जितनी ज्यादा एलईडी जलती है बैटरी में उतना ज्यादा पावर आता है। इस तरह के पावर बैंक्स मार्केट में ज्यादा मौजूद है और कीमत के हिसाब से किफायती भी हैं।

2. डिस्प्ले के साथ- इस प्रकार के पावर बैंक्स में एक डिजीटल डिस्प्ले होता है। इसमें बैटरी का स्टेटस दिखता है, इसके ज़रिये हम जान सकते हैं कि बैटरी में अभी कितनी पावर बची हुई है। हालांकि डिस्प्ले बैटरी का स्टेटस मालूम करने का सबसे अच्छा तरीका है लेकिन डिस्प्ले खुद बैटरी की खपत करता है। इसलिए बैटरी बैकअप में कुछ फर्क आ जाता है।

3. बिना एलईडी और डिस्प्ले वाले- ऐसे पावर बैंक में ना तो डिस्प्ले होता है और ना ही एलईडी, जिससे पता चल सके की पावर बैंक में कितनी पावर बची है। इस तरह के पावर बैंक सस्ते तो होते हैं लेकिन इस्तेमाल के लिहाज से अच्छे नहीं होते।

mAh का लोजिक: मोबाइल बैटरी और पावर बैंक्स दोनों को mAh के ज़रिये आंका जाता है। जहां अभी तक मोबाइल की बैटरी 1000 mAh से लेकर 5000 mAh तक आ रहा है, वहीं 1500 mAh से लेकर 30,000 mAh तक के पावर बैंक्स भी मार्केट में देखने को मिल रहे हैं। ऐसे में आप अपनी ज़रूरत और अपने फोन की बैटरी के हिसाब से पावर बैंक चुन सकते हैं।

वैसे तो सभी कंपनियां यही दावा करती हैं कि उनका पावर बैंक जल्दी और तुरंत फोन चार्ज करता है लेकिन दावों का क्या है, इसलिए जब कभी पावर बैंक लेने की सोचें तो इन खास बातों का ज़रूर रखें।

ध्यान

» अगर आपके फोन में 2500 mAh की बैटरी है और आपके पास 10000 mAh का पावर बैंक है तो इसका मतलब ये नहीं है कि वो आपके फोन को दिन में 4 से 5 बार चार्ज कर देगा।

» आपके मोबाइल की बैटरी से कम से कम दुगनी क्षमता का पावर बैंक चुनें, जितने जयादा mAh के पावर बैंक यूज़ किया जाएगा उतनी ज्यादा बार मोबाइल को चार्ज किया जा सकेगा।

» अगर पावर बैंक में ऑटो कट फ़ीचर है तो अच्छा है क्योंकि इससे वो ओवरचार्ज नहीं होता है। और ये ज़्यादा दिन भी चलता है।

» इस बात पर भी ज़रूर ध्यान दें कि पावर बैंक का आउटपुट वोल्टेज आपके स्मार्टफ़ोन के बराबर या उससे ज़्यादा होना चाहिए।

» अगर आप भी मोबाइल पर मूवीज़, गेम, म्यूज़कि का मज़ा ज्यादा लेते हैं तो पावर बैंक लेना आपकी मजबूरी है।

ऐसे जानें पावर

जब किसी भी गैजट को चार्ज करने की बात आती है तो कैपेसिटी से ज्यादा ज़रूरी करंट खपत होती है। क्योंकि हर फोन की खपत अलग-अलग होती है, इसे भी एक बार चेक कर लें। अपने मोबाइल की करंट कैपेसिटी को जानने के लिए अपने असली मोबाइल चार्जर को चेक कर लें। यदि संभव हो सके तो 2 यूएसबी पोर्ट वाला पावर बैंक ही चुनें। इस सुविधा से आप मोबाइल जल्द चार्ज कर पाएंगे। अगर आपके मोबाइल में चार्जर आउटपुट 2.1ऐ लिखा है तो पावर बैंक 1° आउटपुट वाला ना लें, वो चार्ज करने में ज्यादा समय लेगा तो ऐसे में आप 2.1 वाला पावर बैंक ही खरीदें।

ब्रांडेड ही चुनें

यूज़र्स को लुभाने के लिए मार्केट में खूबसूरत दिखने वाले कई पावर बैंक्स मौजूद हैं लेकिन खरीदते वक्त ब्रांडेड पावर बैंक ही चुनने में ही भलाई है। सेफ्टी और परफॉर्मेंस को सुधारने के लिए ऐसा मॉडल खरीदें जो ओवर वॉल्टेज प्रोटेक्शन के साथ आता हो। जो ओवर हीटिंग और डिस्चार्ज होने की दिशा में सुरक्षा प्रदान करें। यहां बताई गई सभी बातें आपको किसी ब्रांडेड पावर बैंक में ही मिल सकती हैं। इसलिए कभी भी लोकल और सड़कों पर बिकते पावर बैंक्स को ना खरीदें। उन पर बेशक कई हज़ार द्धद्ध की बैटरी होने की बात लिखी रहती है पर असल में वो खराब क्वॉलिटी की बैटरी के अलावा कुछ नहीं होता है।

वास्तु के अनुसार सजाएं मेहमानों का कमरा

अतिथि देवो भव भारतीय संस्कृति में अतिथि को भगवान का दर्जा दिया गया है। अतः मेहमान का स्वागत-सत्कार करने की हमारी परम्परा रही है। प्राचीन काल से चली आ रही यह प्रथा आज भी जारी है। अपने आवास का निर्माण करते समय इस बात का ध्यान रखें कि कई कमरों में एक कमरा मेहमान का होना चाहिए। वह कमरा कौन-सा हो, कहां स्थित हो आदि के बारे में वास्तुशास्त्र द्वारा निर्देश इस प्रकार हैं।

वास्तु शास्त्र

» अतिथि को ऐसे कमरे में ठहराना चाहिए, जो अत्यंत साफ व व्यवस्थित हो।

» आप गेस्टरूम को उत्तर-पश्चिम दिशा में बना सकते हैं। यह आपके मेहमानों के ठहरने के लिए सबसे सुविधाजनक दिशा है इसके अलावा दक्षिण पूर्वी दिशा में भी गेस्टरूम बना सकते हैं। उत्तर पूर्वी कोने में एक खिड़की जरूर रखना चाहिए।

» गेस्टरूम को घर की दक्षिण-पश्चिम दिशा में नहीं बनाना चाहिए क्योंकि यह दि?शा केवल घर के स्वामी के लिए होती है।

» मेहमान के कमरे के लिए अलग से एंट्री बनाएं। घर के बीचों-बीच ब्रह्म स्थान खाली हो, तो उत्तर की ओर सीढ़ियां बनवाकर पहली या दूसरी मंजिल पर गेस्ट रूम बनाया जा सकता है।

» अतिथि कक्ष में डेकोरेशन का खास तौर पर ख्याल रखना चाहिए। जहाँ तक हो सके कमरे की सजावट सामान्य हो इस बात का ध्यान रखें।

» मेहमान को जिस कमरे में ठहराया जाए, उस कमरे की दीवारों का रंग हल्का रखें तो बेहतर है।

» जहाँ तक हो सके गेस्टरूम में ही लेटबाथ अटैच बनाए पर यदि यह संभव नहीं हो तो कोशिश करें कि गेस्टरूम के समीप ही कॉमन लेटबाथ की व्यवस्था हो सकें। इससे आपके घर आए मेहमानों को परेशानी नहीं होगी।

» कभी भी गेस्टरूम में भारी लोहे का सामान नहीं रखना चाहिए, इस अवस्था में मेहमान तनाव महसूस कर सकता है।

» कमरे में एक ऐसी अलमारी की व्यवस्था हो, जिसके ऊपरी भाग में मेहमान अपना सामान रख सकें और नीचे के हिस्से में आप ज्यादा उपयोग में न आने वाली वस्तुएँ रख सकते हैं।

» गेस्टरूम को आप गेस्टरूम कम एक्टिविटी रूम भी बना सकते हैं। जिसमें म्यूजिक सिस्टम, होम थिएटर, कम्प्यूटर आदि भी रख सकते हैं। याद रखें इस कमरे में केवल वही सामान रखें, जिसकी जरूरत आपको रोजाना न पड़ती हो या बहुत कम पड़ती हो।

» अतिथि कक्ष में सोफासेट की व्यवस्था करना शुभ है। सोफासेट पर मैरून व हल्के रंग की चादर, दरी या कालीन बिछाएं तो अतिथि खुश रहेगा।

» यदि गेस्टरूम छोटा है तो आप फोल्डिंग बेड, सोफा कम बेड या दो अलग-अलग बेड का भी इस्तेमाल कर सकते हैं, जिससे कमरा भरा-भरा भी नहीं दिखेगा व सुविधायुक्त भी रहेगा।

» इस बात का ध्यान रखें कि यह कमरा अन्य बेडरूम के समीप हो, जिससे अतिथि खुद को आपसे अलग न समझ सकें।

गुस्सा डालता है आपकी सेहत पर बेहद बुरा प्रभाव

क्रोध यानी गुस्सा, यह व्यक्ति की एक ऐसी प्रकृति है। जो परिस्थितियों के मुताबिक मस्तिष्क में उत्पन्न होती है। गुस्से का परिणाम दूसरों के लिए बुरा हो या न हो, लेकिन गुस्सा करने वाले के लिए बहुत ही खतरनाक हो सकता है। क्रोध को हमारे शरीर और सेहत के लिए सबसे बड़ा शत्रु बताया गया है। इसकी वजह से कई बार रिश्ते भी टूट जाते हैं। अगर आपको छोटी-छोटी बातों पर भी गुस्सा आ जाता है तो इस पर काबू करें। वर्ना यह आपकी जिंदगी में कई तरह से जहर घोल सकती है।

स्वास्थ्य पर असर

वैज्ञानिकों द्वारा किए गए अध्ययनों के मुताबिक, क्रोध आने पर मस्तिष्क में ऐसे रासायनिक तत्व बनते हैं, जिनका शरीर और मन पर बुरा प्रभाव पड़ता है। आंखें लाल हो जाती हैं तथा हार्ट में जलन हो सकती है। ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है। आक्रमक भावनाएं उत्पन्न होती हैं। सोच-समझने की शक्ति कमजोर हो जाती है। तनाव बढ़ता है। लगातार क्रोध करने से पाचन तंत्र कमजोर होता है, जिससे एसिडिटी, कब्ज, भूख नहीं लगना जैसे रोग हो सकते हैं। क्रोध से नींद नहीं आती, जिससे पूरे स्वास्थ्य पर बुरा असर होता है।

क्रोध को पहचानें

क्रोध को काबू करने के लिए उसे पहचानने की जरूरत होती है। लोगों को टाइप ए और टाइप बी पर्सनालिटी के आधार पर पहचानें। टाइप ए पर्सनालिटी के लोग वे होते हैं। जिनकी किसी वस्तु को प्राप्त करने की इच्छा ज्यादा तीव्र होती है। ऐसे लोगों को गुस्सा बहुत जल्दी आता है, वह जल्द ही धैर्य खो बैठते है। आप भी इस श्रेणी में आ सकते हैं, अगर आपमें धैर्य की कमी, खाना जल्दी खाना, बैचेनी, काम-काज के दौरान चिड़चिड़ापन, गुस्से के दौरान खुद को नुकसान पहुंचाना आदि ।।

सलाह

क्रोध पर काबू करने के 4 तरीके

- गुस्से को काबू में करने का यह सबसे बेहतरीन तरीका माना जाता है जो काफी मुश्किल होता है। आप चुप रहे और कुछ भी ना बोले। इससे व्यक्ति गुस्सा आने की स्थिति से बच जाता है।
- योग और ध्यान का सहारा लेना गुस्से पर काबू पाने के लिए लिहाज से काफी फायदेमंद होता है। इसलिए रोजाना ध्यान करने से गुस्से पर हमेशा के लिए काबू पाया जा सकता है। ध्यान से एक व्यक्ति का जीवन शांत और संतुलित हो जाता है और गुस्से पर काबू पा लेता है।
- जहां भी लड़ाई या गुस्से की स्थिति बन रही हो । आप उस जगह से तुरंत हट जाए। इससे व्यर्थ विवाद नहीं होगा और आप गुस्से से भी बच जाएंगे। विवाद या बहस की स्थिति में उस जगह पर रहना क्रोध का कारण बन जाता है।
- जब आपको क्रोध आए तो अपनी आंखों और कानों को बंद कर ले। इससे ये होगा कि लड़ाई जिन कारणों से भी हो रहा है उसे आप ना तो सुन पाएंगे और ना ही देख सकेंगे। इसलिए आपको गुस्सा बिल्कुल भी नहीं आएगा।

संपादकीय

'डिब्बों' में रहने की मजबूरी

राजधानी दिल्ली में 'हत्यारे डिब्बेनुमा' कमरों में रहना छात्रों की मजबूरी है। दिल्ली विश्वविद्यालय और जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू) के विरोधाभासी आंकड़े ही साबित कर देते हैं कि छात्रों और छात्रावासों (हॉस्टल) के दरमियान कितना बड़ा फासला है। दिल्ली विवि में नियमित 2-2.5 लाख छात्र पढ़ते हैं, जबकि ओपन, प्राइवेट, दूरस्थ और अन्य माध्यमों के साथ यह संख्या 7 लाख को पार कर जाती है। उनमें से दो-तिहाई छात्र दिल्ली से बाहर राज्यों और शहरों से आते हैं। हॉस्टल की सीटें और बिस्तरों की संख्या 7258 है। दिल्ली विवि के कुल 90 कॉलेजों में से सिर्फ 20 कॉलेजों में ही छात्रावास हैं। उनमें करीब 3000 छात्र ही रह सकते हैं। दिल्ली के स्थानीय और एनसीआर से भी छात्र आते हैं, जो पढ़ाई के बाद अपने घरों को लौट जाते हैं। शेष लाखों छात्र कहां जाएं, कहां रहें? यह सवाल स्वाभाविक है और मनुष्य के बसेरे से जुड़ा है। जेएनयू बड़ी विख्यात और लोकप्रिय यूनिवर्सिटी है, जहां 8000-10,000 नियमित छात्र पढ़ते हैं। वैसे पंजीकरण 20,000 छात्रों के करीब का है, लेकिन वे नियमित नहीं हैं। जेएनयू में 18 बड़े-बड़े हॉस्टल हैं, जिनमें करीब 5500 छात्रों के आवास की सुविधा है। छात्रावासों के नाम देश की प्रमुख नदियों के नाम पर हैं। इनमें छात्रों का आवास बेहद किफायती है और खाना भी बेहतर मिलता है। औसतन छात्र 3000-4000 रुपए में महीने भर का गुजारा कर सकता है, जबकि बाजार में 'डिब्बे' के एक बिस्तर का किराया 15,000 रुपए या अधिक वसूला जा रहा है। सवाल यह है कि दिल्ली विवि में मात्र 2 फीसदी और जेएनयू में 50 फीसदी से अधिक छात्रों के लिए हॉस्टल की सुविधा क्यों है? इतना बड़ा अंतर क्यों है? दरअसल दिल्ली में कुल 38 केंद्रीय, राज्य, निजी, डीम्ड विश्वविद्यालय हैं और एनसीआर को मिला कर करीब 1000 कॉलेज तथा संस्थान हैं। युवा छात्र संघ लोक सेवा आयोग के अलावा अन्य परीक्षाओं की तैयारी करने के लिए भी दिल्ली आते हैं। यहां बेहतर कोचिंग की सुविधाएं भी हैं। तो वे छात्र दिल्ली में कहां रहेंगे? जाहिर है कि इन 'डिब्बेनुमा' कमरों में ही रहने को वे विवश हैं। दिल्ली में ऐसे पीजी, कथित हॉस्टल या अन्य बसेरे 'कुकुरमुत्तों' की तरह बना दिए गए हैं। जो इलाके कभी शहरी गांव (लाल डोरा क्षेत्र), पुनर्वास और अनधिकृत कॉलोनियां थीं, वहां अब 'डिब्बेनुमा' आवास बना दिए गए हैं। जाहिर है कि कानून का उल्लंघन किया गया, प्रशासन और सरकार सोये रहे, अधिकारियों की जेब और तिजौरियां भरती रहीं और ऐसे 'हत्यारे बसेरे' उभरते रहे। 'सत्य निकेतन' में ही, मई माह में, ऐसी ही त्रासदी हुई थी, जब एक कोचिंग संस्थान की इमारत ढह गई थी और कई मौतें हुई थीं। दिल्ली के संदर्भ में गौरतलब है कि वहां केंद्र सरकार, अद्र्धराज्य सरकार और नगर निगम में भाजपा ही सत्ता में है। अर्थात तीन इंजनों की सरकार! त्रासदियां लगातार हो रही हैं। सरकारें सिर्फ इतना बोलती हैं-'किसी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।' कितने दोषी पकड़े गए हैं? कितनों को लंबी सजा मिली है अथवा जुर्माना लिया गया है? माफिया तो जमानत लेकर खुले घूम रहे हैं। वक्त गुजरता है और उन त्रासदियों पर भी धूल, विस्मृति की मोटी चादर फैल जाती है। बीते तीन सालों में मुख्यतः 1132 त्रासद घटनाएं हुई हैं, जिनमें करीब 100 मौतें हुईं अथवा हत्याएं कर दी गईं! सिलसिला अब भी जारी है। इस बार उच्च न्यायालय ने दिल्ली सरकार, केंद्र सरकार, विवि, नगर निगम, पुलिस, अग्निशमन आदि सभी प्रमुख पक्षों को नोटिस भेज कर हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया है। अदालत ने खूब फटकार लगाई है और माना है कि ये त्रासदियां राजधानी में नियमित हो गई हैं। विडंबना और लापरवाही की इंतिहा है कि 2012 में सरकार ने 'राजीव गांधी बालिका छात्रावास' बनवाया था। तब केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार थी। उसके बाद देश और दिल्ली की आबादी कई गुना बढ़ चुकी है, लेकिन मौजूदा मोदी सरकार ने 12 लंबे सालों में एक भी हॉस्टल बनवाने की जहमत नहीं उठाई है। कई राज्य स्तरीय विश्वविद्यालयों में 45-50 फीसदी छात्रों के लिए छात्रावास की व्यवस्था की गई है। वहां व्यवस्था की जा सकती है, तो देश की राजधानी में क्या दिक्कत है? सरकार राजधानी के विश्वविद्यालयों को अधिक सबसिडी मुहैया कराती है, फिर भी युवा बच्चे लगातार मर रहे हैं! देश भर के शैक्षणिक संस्थानों में पर्याप्त संख्या में हॉस्टलों का निर्माण होना चाहिए। इनमें रहने के लिए युवाओं से कम से कम शुल्क लिया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री की नई घोषणा है कि युवाओं को निःशुल्क ऑनलाइन कोचिंग देकर उन्हें प्रशिक्षित किया जाएगा।

दिल्ली विवि में नियमित 2-2.5 लाख छात्र पढ़ते हैं, जबकि ओपन, प्राइवेट, दूरस्थ और अन्य माध्यमों के साथ यह संख्या 7 लाख को पार कर जाती है। उनमें से दो-तिहाई छात्र दिल्ली से बाहर राज्यों और शहरों से आते हैं। हॉस्टल की सीटें और बिस्तरों की संख्या 7258 है। दिल्ली विवि के कुल 90 कॉलेजों में से सिर्फ 20 कॉलेजों में ही छात्रावास हैं। उनमें करीब 3000 छात्र ही रह सकते हैं। दिल्ली के स्थानीय और एनसीआर से भी छात्र आते हैं, जो पढ़ाई के बाद अपने घरों को लौट जाते हैं। शेष लाखों छात्र कहां जाएं, कहां रहें? यह सवाल स्वाभाविक है और मनुष्य के बसेरे से जुड़ा है। जेएनयू बड़ी विख्यात और लोकप्रिय यूनिवर्सिटी है, जहां 8000-10,000 नियमित छात्र पढ़ते हैं। वैसे पंजीकरण 20,000 छात्रों के करीब का है, लेकिन वे नियमित नहीं हैं। जेएनयू में 18 बड़े-बड़े हॉस्टल हैं, जिनमें करीब 5500 छात्रों के आवास की सुविधा है। छात्रावासों के नाम देश की प्रमुख नदियों के नाम पर हैं। इनमें छात्रों का आवास बेहद किफायती है और खाना भी बेहतर मिलता है। औसतन छात्र 3000-4000 रुपए में महीने भर का गुजारा कर सकता है, जबकि बाजार में 'डिब्बे' के एक बिस्तर का किराया 15,000 रुपए या अधिक वसूला जा रहा है। सवाल यह है कि दिल्ली विवि में मात्र 2 फीसदी और जेएनयू में 50 फीसदी से अधिक छात्रों के लिए हॉस्टल की सुविधा क्यों है? इतना बड़ा अंतर क्यों है? दरअसल दिल्ली में कुल 38 केंद्रीय, राज्य, निजी, डीम्ड विश्वविद्यालय हैं और एनसीआर को मिला कर करीब 1000 कॉलेज तथा संस्थान हैं।

कुछ अलग

कीमती वक्त

सूरज उगने के पहले ही एक मछुआरा नदी के लिए चला। नदी किनारे पहुंचकर उसने अपने पैरों के नीचे कुछ महसूस किया। वह छोटे-छोटे पत्थरों से भरा एक थैला था। उसने वह थैला उठाया, अपना जाल एक ओर रखा और सूरज निकलने के इंतजार में बैठ गया। करने को और कुछ न मिलने पर उसने थैले से एक पत्थर निकाला और उसे पानी की ओर उछाल दिया। फिर उसने दूसरा पत्थर फेंका और फिर तीसरा। जब तक सूरज निकला, वह एक पत्थर छोड़कर सारे पत्थर फेंक चुका था। धुंधली रोशनी में उसने अपने हाथ में उस अंतिम पत्थर को देखा। उसे देखकर वह दुखी हो गया। उसने देखा कि उसके हाथ में बचा हुआ वह अंतिम पत्थर एक कीमती पत्थर था। उसे दुःख हुआ कि वह बगैर सोचे-समझे उन कीमती रत्नों को फेंकता रहा। वक्त उन्हीं कीमती पत्थरों की तरह है, जिन्हें लोग बगैर सोचे-समझे जाया करते रहते हैं।

ई-बाजार का सबसे बड़ा परिवर्तन यह है कि उसने दुकान को स्थान से निकालकर व्यक्ति की हथेली तक पहुंचा दिया

ई-बाजारः सुविधा से आगे टिकाऊ अर्थव्यवस्था की नई चुनौती

बाजार की शैली में परिवर्तन नहीं है, बल्कि उपभोक्ता व्यवहार, रोजगार, तकनीक, छोटे व्यापार और अर्थव्यवस्था की पूरी संरचना में हो रहे बदलाव का संकेत है। हाल में शोध परामर्श संस्था इन्फिसम की रिपोर्ट ने इस परिवर्तन को एक स्पष्ट आंकड़े में सामने रखा है। उसके अनुसार भारत का ई-बाजार 2024 के लगभग 125 अरब डॉलर से बढ़कर 2030 तक करीब 345 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। यानी छह वर्षों में लगभग तीन गुना विस्तार। इसके लिए लगभग 18.4 प्रतिशत की वार्षिक चक्रवृद्धि वृद्धि दर का अनुमान लगाया गया है। लेकिन इस आंकड़े को केवल बाजार की सफलता के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। असली प्रश्न यह है कि इतनी तेज वृद्धि भारतीय अर्थव्यवस्था, रोजगार, उपभोक्ता अधिकार, छोटे व्यापार और पर्यावरण के लिए किस तरह का भविष्य बनाएगी।

भारत में खरीदारी की दुनिया जिस तेजी से बदल रही है, वह केवल बाजार की शैली में परिवर्तन नहीं है, बल्कि उपभोक्ता व्यवहार, रोजगार, तकनीक, छोटे व्यापार और अर्थव्यवस्था की पूरी संरचना में हो रहे बदलाव का संकेत है। हाल में शोध परामर्श संस्था इन्फिसम की रिपोर्ट ने इस परिवर्तन को एक स्पष्ट आंकड़े में सामने रखा है। उसके अनुसार भारत का ई-बाजार 2024 के लगभग 125 अरब डॉलर से बढ़कर 2030 तक करीब 345 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। यानी छह वर्षों में लगभग तीन गुना विस्तार। इसके लिए लगभग 18.4 प्रतिशत की वार्षिक चक्रवृद्धि वृद्धि दर का अनुमान लगाया गया है। लेकिन इस आंकड़े को केवल बाजार की सफलता के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। असली प्रश्न यह है कि इतनी तेज वृद्धि भारतीय अर्थव्यवस्था, रोजगार, उपभोक्ता अधिकार, छोटे व्यापार और पर्यावरण के लिए किस तरह का भविष्य बनाएगी। ई-बाजार की अगली कहानी केवल अधिक बिक्री की नहीं, बल्कि अधिक विवेकपूर्ण और अधिक टिकाऊ विकास की होनी चाहिए। ई-बाजार का सबसे बड़ा परिवर्तन यह है कि उसने दुकान को स्थान से निकालकर व्यक्ति की हथेली तक पहुंचा दिया है। पहले ग्राहक बाजार जाता था, अब बाजार ग्राहक के मोबाइल में पहुंच गया है। दुकान खुलने और बंद होने का समय समाप्त हो रहा है। भौगोलिक दूरी का महत्व घट रहा है और सुविधा खरीदारी का सबसे बड़ा आकर्षण बनती जा रही है। इसी कारण ऑनलाइन खरीदारी अब केवल महानगरों की सुविधा नहीं रही। छोटे शहर और कस्बे इसके नए केंद्र बन रहे हैं। हालिया अध्ययन के अनुसार नए प्रत्यक्ष-से-उपभोक्ता आदेशों का लगभग 66 प्रतिशत हिस्सा दूसरे और तीसरे स्तर के शहरों से आ रहा है। यह परिवर्तन भारत की आर्थिक संरचना के लिए विशेष महत्व रखता है। महानगरों के बाद अब छोटे शहरों का उपभोक्ता बाजार की अगली शक्ति बन रहा है। स्थानीय भाषा में सामग्री, क्षेत्रीय पसंद, छोटे व्यापारियों की डिजिटल उपस्थिति और कम लागत वाली आपूर्ति व्यवस्था आने वाले वर्षों में ई-बाजार के विस्तार को गति दे सकती है। इसलिए भविष्य का ई-बाजार केवल

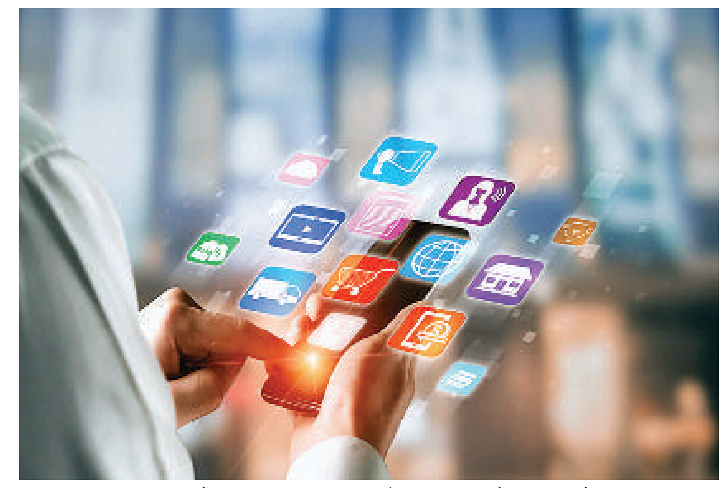

तकनीक का बाजार नहीं होगा, बल्कि भारत की विविध भाषाओं, संस्कृतियों और स्थानीय आवश्यकताओं को समझने वाला बाजार होगा।

इस बदलाव में नई पीढ़ी की भूमिका निर्णायक है। आज ऑनलाइन खरीदारों में नई पीढ़ी की हिस्सेदारी लगभग एक-तिहाई बताई जा रही है और अनुमान है कि 2030 तक यही वर्ग डिजिटल खर्च का सबसे बड़ा समूह बन सकता है। यह केवल उम्र का परिवर्तन नहीं है, यह उपभोग की मानसिकता का परिवर्तन है। नई पीढ़ी विकल्पों की तुलना करती है, मूल्य की जांच करती है, दूसरे ग्राहकों की राय पढ़ती है और सुविधा को बहुत महत्व देती है। उसके लिए खरीदारी केवल वस्तु प्राप्त करना नहीं, बल्कि समय बचाना भी है। यही मानसिकता त्वरित वाणिज्य को असाधारण गति दे रही है। कुछ वर्ष पहले कुछ मिनटों में सामान पहुंचाने की कल्पना असंभव लगती थी, आज यह महानगरों से निकलकर छोटे शहरों तक पहुंच रही है। अनुमान है कि 2030 तक त्वरित वाणिज्य का बाजार 65 से 70 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है और अगले पांच वर्षों में ई-बाजार की अतिरिक्त वृद्धि में इसका योगदान 45 से 50 प्रतिशत तक हो सकता है। इसके साथ छोटे स्थानीय भंडार केंद्रों की संख्या 2025 के लगभग 2,525 से बढ़कर 2030 तक करीब 7,500 होने का अनुमान है। लेकिन यहां एक गंभीर प्रश्न भी खड़ा होता है-क्या हर वस्तु को कुछ मिनट में घर पहुंचाना वास्तव में प्रगति का अंतिम मानक है? यदि उपभोक्ता को पांच मिनट में सामान मिल जाए, लेकिन उस सुविधा के पीछे अत्यधिक पैकेजिंग, अधिक यातायात, अधिक ऊर्जा खपत, अस्थिर रोजगार और लगातार घाटे का व्यापार हो, तो ऐसी गति को कितने समय तक टिकाऊ कहा जा सकता है? इसलिए आने वाले समय में ई-बाजार की सफलता को केवल वितरण की गति से नहीं, बल्कि उसके सामाजिक और आर्थिक संतुलन से भी मापना होगा। प्रौद्योगिकी इस पूरी व्यवस्था को और गहराई से बदलने वाली है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता ग्राहक की पसंद को समझकर उत्पाद सुझाएगी, संवाद आधारित खरीदारी ग्राहक को बातचीत के माध्यम से निर्णय लेने में सहायता देगी और आभासी परीक्षण से वस्त्र, सौंदर्य सामग्री तथा अन्य उत्पादों को खरीदने का अनुभव बदल सकता है। एक हालिया अध्ययन के अनुसार कृत्रिम बुद्धिमत्ता और यंत्र-अधिगम 2030 तक खुदरा उत्पादकता में 35 से 37 प्रतिशत तक सुधार ला सकते हैं। इससे आगे एक और बड़ा परिवर्तन संभव है। आज ग्राहक स्वयं वस्तु खोजता है, कल कृत्रिम बुद्धिमत्ता उसके लिए खोज, तुलना और चयन का बड़ा हिस्सा कर सकती है। अर्थात बाजार में सबसे बड़ा प्रतिस्पर्धी केवल वह कंपनी नहीं होगी जिसके पास अधिक उत्पाद हैं, बल्कि वह होगी जो ग्राहक की आवश्यकता को उससे पहले समझ सके। यह सुविधा जहां समय बचाएगी, वहीं उपभोक्ता की स्वतंत्र पसंद, निजता और आंकड़ों की सुरक्षा से जुड़े नए प्रश्न भी पैदा करेगी। ई-बाजार का विस्तार परंपरागत दुकानदार के लिए भी बड़ी चुनौती है। ऑनलाइन कीमतों की तुलना करने वाला ग्राहक अब दुकान पर भी अधिक जागरूक होकर पहुंचता है। लेकिन इसे केवल ऑनलाइन बनाम ऑफलाइन संघर्ष के रूप में देखना गलत होगा। भविष्य का सफल व्यापारी संभवतः दोनों का मेल करेगा। स्थानीय दुकानदार डिजिटल माध्यम से आदेश ले सकता है, घर तक सामान पहुंचा सकता है और अपने पुराने ग्राहक संबंधों को तकनीकी सुविधा से जोड़ सकता है। इस प्रकार ई-बाजार परंपरागत बाजार का अंत करने के बजाय उसे नए रूप में ढाल सकता है। दूसरी ओर रोजगार का प्रश्न भी महत्वपूर्ण है। ई-बाजार ने वितरण, भंडारण, पैकिंग, तकनीकी सेवाओं और घरेलू आपूर्ति में लाखों अवसर पैदा किए हैं, लेकिन काम की गुणवत्ता, मेहनताना, सामाजिक सुरक्षा और कार्यस्थल की सुरक्षा को लेकर प्रश्न बने हुए हैं। यदि आर्थिक वृद्धि का लाभ केवल कंपनियों और निवेशकों तक सीमित रह जाए और अंतिम पंक्ति में काम करने वाले व्यक्ति को असुरक्षित रोजगार मिले, तो यह विकास अधूरा माना जाएगा। पर्यावरण भी इसी बहस का महत्वपूर्ण पक्ष है। हर वस्तु की अलग पैकिंग, बार-बार होने वाली छोटी आपूर्ति और अत्यंत तेज वितरण से ऊर्जा उपयोग तथा अपशिष्ट बढ़ सकता है। इसलिए भविष्य का ई-बाजार पुनर्चक्रण योग्य पैकेजिंग, विद्युत वाहनों, सामूहिक वितरण और कम-अपशिष्ट आपूर्ति व्यवस्था की ओर बढ़े, तभी उसकी वास्तविक सामाजिक उपयोगिता सिद्ध होगी। एक और महत्वपूर्ण बदलाव यह है कि भविष्य की खरीदारी केवल कंपनियां नहीं, बल्कि सामग्री निर्माता और सामाजिक माध्यमों से प्रभावित होगी। गूगल और डेलॉइट के 2026 के अध्ययन के अनुसार 2030 तक नई पीढ़ी ऑनलाइन खर्च का लगभग 45 प्रतिशत हिस्सा नियंत्रित कर सकती है और सामग्री निर्माता कुल खुदरा खर्च के लगभग 30 प्रतिशत को प्रभावित कर सकते हैं।

देश दुनिया से

ऑफिसर क्यों छोड़ रहे हैं आईएएस की नौकरी

यूपी की मशहूर आईएएस ऑफिसर दिव्या मित्तल के इस्तीफे पर चर्चा गरमाई हुई है। 13 साल की सेवा के बाद अचानक लिए गए इस निर्णय के पीछे की वजह को तलाशा जा रहा है। इसको लेकर राजनीतिक दलों की ओर से भी तरह-तरह के आरोप लगाए जा रहे हैं। हालांकि इस्तीफे के पीछे की वजह अभी तक साफ नहीं हो सकी है। आईएएस ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि मैं कुछ देने की सोचकर प्रशासनिक सेवा में आई थी, लेकिन यहां से झोली भरकर लोगों का प्यार और आशीर्वाद लेकर जा रही हूं। दरअसल आईएएस के पद को देश में काफी प्रतिष्ठित माना जाता है और इस प्रतिष्ठित नौकरी को हासिल करना काफी मुश्किल है। लेकिन अगर हम आपसे यह कहें कि यह नौकरी पाना जितना मुश्किल है, उससे अधिक मुश्किल इस नौकरी को छोड़ना है, तो शायद आपको इस बात पर यकीन न हो। उत्तर प्रदेश कैडर में ही पिछले कुछ वर्षों में लगभग एक दर्जन से अधिक आईएएस अधिकारियों ने या तो अपने पद से इस्तीफा दिया है या फिर स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली है। दिव्या ने इस्तीफे को व्यक्तिगत प्राथमिकताओं और अपने सपनों को नया आयाम देने के लिए उठाया गया कदम बताया। लेकिन यह बात जल्दी गले नहीं उतरती है। दिव्या मित्तल ने पूरे देश के लोगों का ध्यान उस समय अपनी ओर खींचा था जब वो मिर्जापुर के जिलाधिकारी के पद पर कार्यरत थीं। उन्होंने हलिया ब्लॉक स्थित लहुरियादह गांव में स्वतंत्रता के 75 साल बाद लगभग साढ़े सात दशकों से अधिक समय से पानी से वंचित लोगों के लिए पहली बार नल से जल पहुंचाया था। अगस्त 2023 में तत्कालीन जिला अधिकारी दिव्या मित्तल ने जल जीवन मिशन के तहत कठिन पहाड़ी भूगोल को

मात देकर इस गांव के 125 से अधिक घरों में पाइपलाइन से पानी पहुंचाया। इस खबर ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा था। इस दौरान वहां की ग्रामीण जनता ने उनका स्वागत फूलमालाएं पहनाकर किया, जिससे लखनऊ में बैठे बड़े अफसर उनसे नाराज हो गए। इस उद्घाटन समारोह और कार्यक्रम के दौरान भी प्रोटोकॉल को लेकर स्थानीय राजनीतिक हलकों में विवाद उत्पन्न हो गया, जिसके बाद उन्हें मिर्जापुर से स्थानांतरित कर दिया गया था। दिव्या को कई महीने तक पोस्टिंग नहीं दी गई। कई महीनों के बाद उन्हें देवरिया का डीएम बनाया गया, जहां से कुछ महीनों के बाद उन्हें वहां से भी हटा दिया गया। दिव्या ने हमेशा बुराई से लडने का काम किया। शायद यही कारण है कि नेताओं को वो कभी काम के लिए मुफीद नहीं लगी। दिव्या की खासियत थी कि आप उन पर दबाव डालकर कोई गलत काम नहीं करवा सकते थे। यह बात किसी भी राजनेता को इस देश में रास नहीं आती है। दिव्या ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा करते हुए अपने इस सफर और देश सेवा के अपने अनुभवों का जिक्र किया, जो इनके किए गए काम और भारत के लिए इनकी खुली आंखों से देखे गए सपने का विस्तार है। रींकू सिंह राही, अनामिका सिंह, आमोद कुमार, अभिषेक सिंह, विकास गोठवाल, विद्या भूषण, मोहम्मद मुस्तफा, रेणुका कुमार और जुथिका पाटनकर, रिग्जिन सैम्पफेल, राजीव अग्रवाल और जी. श्रीनिवासुलु इत्यादि अनेक ऑफिसर नौकरी छोड़ चुके है। क्यों छोड़ रहे हैं आईएएस अफसर नौकरी, यह एक सामाजिक चिंता का विषय है। ये सच है कि हर किसी को अपने सपने को जीने का हक है। कुछ तो कॉरपोरेट जगत, पब्लिक पॉलिसी या अन्य क्षेत्रों में नए अवसर तलाशना चाहते थे। तो कुछ कई बार राज्य और केंद्र के बीच एनओसी या प्रतिनियुक्ति के मामलों में गतिरोध और मनमुताबिक पोस्टिंग न मिलने के कारण भी इस स्थिति को पहुंच गए। कई अधिकारियों ने अपने इस्तीफे में पारिवारिक जिम्मेदारियों या स्वास्थ्य समस्याओं का हवाला दिया है। यहां पर सवाल यह उठता है कि आईएएस बनने के सपने को पूरा करने के लिए इन सभी लोगों ने दिन-रात एक कर दिया होगा। कई रातें जागकर बिताई होंगी। सालों अपने परिवार से दूर रहने का काम किया होगा। न जाने कितनी इच्छाओं को दमन कर दिया होगा। लेकिन कोई वर्षों से देखे सपने को एक पल में कैसे छोड़ सकता है, यह बहुत बड़ा सवाल है। दक्षिण कन्नड़ के डिप्टी कमिश्नर शशिकांत सेंथिल ने अपनी नौकरी से इस्तीफा देने के बाद लिखा था- मौजूदा दौर में जब हमारे विविधतापूर्ण लोकतंत्र के सभी संस्थान अभूतपूर्व तरीके से समझौता कर रहे हैं, ऐसे में उनका काम जारी रखना अनैतिक होगा। सेंथिल ने आगे लिखा है कि आने वाला वक्त हमारे देश के मूल स्वभाव के लिए और भी चुनौतीपूर्ण होने वाला है। इसलिए ये बेहतर होगा कि वो प्रशासनिक सेवा से बाहर होकर लोगों के जीवन में भलाई लाने वाला काम करें। कुछ सवाल हैं- क्या अफसरों का मौजूदा सरकारों के साथ काम करना मुश्किल हो गया है? क्या सरकारें अफसरों के साथ ज्यादा सख्ती दिखा रही हैं? या सरकार पर संवैधानिक संस्थाओं को नुकसान पहुंचाने के जो आरोप लगते हैं वो सही हैं। आईपीएस की नौकरी से इस्तीफा देने वाले एक ऑफिसर बताते है कि मैंने आईपीएस बनने के लिए बहुत कड़ी मेहनत की, लेकिन नौकरी हासिल करने के बाद उससे भी 100 गुना ज्यादा मेहनत करनी पड़ रही थी। इसलिए मैंने नौकरी छोड़ दी। मैंने कई लाचार और बेबस आईएएस और आईपीएस अफसर देखे। वो योग्यता और क्षमता में स्तरहीन थे। सिस्टम काम नहीं करता है और आप इसको फिक्स नहीं कर सकते। सारे लोग लाचार और बेबस दिखते हैं। नकारे लोगों की पूरी लेयर होती है। एक के बाद एक नकारे लोग मिलते जाते हैं। सभी लोग आपको दबाने में लगे रहते हैं। नेता, आपके सीनियर, आपके जूनियर...सभी...लेकिन ये भी सच्चाई है कि जिन मजबूरियों और जिस हालात की चर्चा कर नौकरी छोड़ देते हैं, वो तकरीबन सभी नौकरियों में होते हैं। ऐसे अधिकारियों को भी नेताओं और मंत्रियों से दबकर काम करना पड़ता है।

आप का नज़रिया

सितम्बर बेलगाम अधिकारी

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दिल्ली विश्वविद्यालय की एक छात्रा को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत अनावश्यक रूप से गिरफ्तार करने के मामले जो टिप्पणियां की हैं, वो देश में राज्य सरकारों के लिये एक गंभीर चेतावनी समझी जानी चाहिए। अदालत ने उत्तर प्रदेश के अधिकारियों को इस मामले में कड़ी फटकार लगाते हुए अफसरों के रवैये को तानाशाही वाला बताया है। कोर्ट ने बेहद सख्त भाषा का प्रयोग करते हुए राज्य को ऐसी जगह बताया जहां सरकार का निरंकुश नियंत्रण कानून-व्यवस्था के मामले में हो। स्पष्ट शब्दों में अदालत ने इस घटनाक्रम को मनमाने ढंग से आजादी छीनने वाला बताया। निश्चित रूप से, राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत गिरफ्तार छात्रा की हिरासत को रद्द करने का कोर्ट का फैसला कई गंभीर प्रश्नों को भी जन्म देता है। जो यह भी दर्शाता है कि अधिकारियों द्वारा असाधारण शक्तियों का इस्तेमाल किस तरह से एक सामान्य मामले में किया जा रहा है। निस्संदेह, इसमें दो राय नहीं कि एहतियाती तौर पर हिरासत में लेना एक असाधारण उपाय है। लेकिन इस गिरफ्तारी को तभी सही ठहराया जा सकता है जब इसे सिद्ध करने के लिये पुख्ता सबूत हों। यानी कि कोई व्यक्ति वास्तव में देश की सार्वजनिक व्यवस्था या राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये गंभीर खतरा हो। दूसरे शब्दों में कहें तो यह सामान्य आपराधिक कानून का आसान विकल्प या असहमति की आवाज को दबाने का जरिया नहीं बन सकता है। बताया जाता है कि इस प्रकरण में, खबरों के अनुसार अदालत को कोई ऐसा ठोस सबूत पुलिस उपलब्ध नहीं करा सकी, जिससे यह साबित होता हो कि छात्रा का हिंसा भड़काने में कोई सीधा संबंध रहा हो। उल्लेखनीय है कि मामले में लिप्त अधिकारी कोई ऐसा ठोस प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर सके, मसलन व्हाट्स ऐप संदेश या वीडियो उपलब्ध नहीं करा सके, जो यह साबित करता कि छात्रा ने लोगों को दंगे या तोड़-फोड़ के लिये उकसाया था। जिसके बाद ही अदालत ने अभियुक्त की हिरासत रद्द करने के आदेश दिए। देश का स्वतंत्रता आंदोलन का इतिहास इस बात का गवाह है कि लोकतांत्रिक ढंग से विरोध करना एक जायज अधिकार रहा है। एक स्वतंत्र देश में तो यह अधिकार और सबल हो जाता है। निस्संदेह, किसी संवैधानिक लोकतंत्र में विरोध व प्रदर्शन में शामिल होने और हिंसा भड़काने के बीच फर्क बहुत अहम है। इससे भी ज्यादा चिंता की बात प्रशासनिक प्रक्रिया के बारे में इलाहाबाद उच्च न्यायालय की सख्त टिप्पणियां हैं। दरअसल, अदालत ने गिरफ्तारी के समय और आधिकारिक रिकॉर्ड तैयार करने के दौरान सामने आई विसंगतियों पर सवाल उठाए हैं। कोर्ट ने इस प्रक्रिया को घटना के बाद रची गई कार्रवाई जैसा बताया है। इस घटनाक्रम का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू कोर्ट द्वारा दिया गया निर्देश है कि घटनाक्रम के लिये जिम्मेदार अधिकारियों से पांच लाख रुपये का मुआवजा वसूला जाए। इतना ही नहीं अधिकारियों के सर्विस रिकॉर्ड में इस बाबत टिप्पणी दर्ज की जाने का निर्देश दिया गया है। अदालत की सोच रही है कि जब कोई भी अधिकारी सरकारी ताकत का गलत ढंग से इस्तेमाल करता है, तो जवाबदेही सिर्फ सरकारी खजाने तक ही सीमित नहीं रह सकती है। जिसका निहितार्थ यह भी है कि सरकारी कर्मचारी जबर्दस्ती प्रयोग की जाने वाली ताकत के मालिक नहीं हैं, वरन सही मायने में वे उसके संरक्षक होते हैं। वास्तव में उनकी निष्ठा सत्ता के बजाय संविधान और कानून के प्रति ईमानदारी से होनी ही चाहिए। कहने का अभिप्राय यह भी कि लोकतंत्र शोर-शराबे वाले विरोध को तो झेल सकता है, लेकिन ऐसी नौकरशाही को बर्दाश्त नहीं कर सकता है, जो असहमति को व्यवस्था के लिये खतरा समझती हो। निश्चित रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षक के रूप में अदालत द्वारा की गई सख्त टिप्पणियां देश की राज्यों सरकारों के लिये एक नजीर जैसी हैं।

देश में राज्य सरकारों के लिये एक गंभीर चेतावनी समझी जानी चाहिए। अदालत ने उत्तर प्रदेश के अधिकारियों को इस मामले में कड़ी फटकार लगाते हुए अफसरों के रवैये को तानाशाही वाला बताया है। कोर्ट ने बेहद सख्त भाषा का प्रयोग करते हुए राज्य को ऐसी जगह बताया जहां सरकार का निरंकुश नियंत्रण कानून-व्यवस्था के मामले में हो। स्पष्ट शब्दों में अदालत ने इस घटनाक्रम को मनमाने ढंग से आजादी छीनने वाला बताया। निश्चित रूप से, राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत गिरफ्तार छात्रा की हिरासत को रद्द करने का कोर्ट का फैसला कई गंभीर प्रश्नों को भी जन्म देता है। जो यह भी दर्शाता है कि अधिकारियों द्वारा असाधारण शक्तियों का इस्तेमाल किस तरह से एक सामान्य मामले में किया जा रहा है। निस्संदेह, इसमें दो राय नहीं कि एहतियाती तौर पर हिरासत में लेना एक असाधारण उपाय है। लेकिन इस गिरफ्तारी को तभी सही ठहराया जा सकता है जब इसे सिद्ध करने के लिये पुख्ता सबूत हों। यानी कि कोई व्यक्ति वास्तव में देश की सार्वजनिक व्यवस्था या राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये गंभीर खतरा हो। दूसरे शब्दों में कहें तो यह सामान्य आपराधिक कानून का आसान विकल्प या असहमति की आवाज को दबाने का जरिया नहीं बन सकता है। बताया जाता है कि इस प्रकरण में, खबरों के अनुसार अदालत को कोई ऐसा ठोस सबूत पुलिस उपलब्ध नहीं करा सकी, जिससे यह साबित होता हो कि छात्रा का हिंसा भड़काने में कोई सीधा संबंध रहा हो।

दृष्टि कोण

जीवन धाराः यात्रा जीवन की जड़ता को तोड़ती है

हम यात्रा पर यह सोच कर निकलते हैं कि नई जगह देखने जा रहे हैं। हमारे लिए यात्रा का मतलब एक शहर से दूसरे शहर पहुंचना, पहाड़ देखना, समुद्र किनारे बैठना या अनजाने रास्तों पर चलना होता है। लेकिन, यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण बदलाव बाहर नहीं, भीतर घटित होता है। हम घर से निकलते समय अपने भीतर के जिस मनुष्य के साथ निकलते हैं, लौटते समय जरूरी नहीं कि वही मनुष्य हमारे भीतर बचा रहे। क्योंकि, यात्रा हमें नए-नए नजारे ही नहीं दिखाती, वह हमें यह भी देखने का मौका देती है कि हम अपने पुराने जीवन को किस नजर से देखते आ रहे थे। घर में रहते हुए हमारा संसार धीरे-धीरे छोटा और परिचित होता चला जाता है। हमें पता होता है कि कौन-सी सड़क लेनी है, किस व्यक्ति से क्या बात करनी है। यह परिचित जीवन सुविधाजनक तो होता है, लेकिन उसकी एक भारी कीमत भी हमें चुकानी पड़ती है और वह यह कि हम चीजों को देखना बंद कर देते हैं। जिस खिड़की से हम वर्षों से बाहर देखते हैं, फिर वह धीरे-धीरे केवल खिड़की ही रह जाती है। यात्रा इसी जड़ता को तोड़ती है। जब हम ऐसी जगह पहुंचते हैं, जहां लोग और रास्ते अनजान होते हैं, भाषा और खानपान से लेकर घरों की बनावट व मौसम तक अलग लगने लगता है, तब हमारा मन फिर से देखना शुरू करता है। यहीं से असली यात्रा शुरू होती है। हम दुनिया को अपनी आदतों से देखते हैं। यात्रा हमारी आदतों को कुछ समय के लिए निष्क्रिय कर देती है और हमें दुनिया को नई दृष्टि से देखने का मौका देती है। यात्रा हमें सिखाती है कि दुनिया हमारी सुविधा के लिए

नहीं बनी है। घर से बाहर निकलते ही हमारी योजनाएं टूट सकती हैं। मौसम बदल सकता है, भाषा समझने में दिक्कत आ सकती है। पर, यही छोटी-छोटी अड़चनें यात्रा का हिस्सा हैं। जीवन भी ऐसा ही है। हम जीवन को नियंत्रित करना चाहते हैं, जबकि जीवन लगातार हमारी योजनाओं के बाहर घटित होता रहता है। कभी-कभी सबसे सुंदर अनुभव वही होता है, जिसकी योजना हमने बनाई ही नहीं थी। यात्रा मनुष्य को इस सच्चाई से भी रूबरू कराती है कि स्थान बदलना और जीवन बदलना एक ही बात नहीं है। यदि हम वर्तमान में रहना नहीं जानते, तो दुनिया का सबसे सुंदर नजारा भी हमारे लिए केवल एक तस्वीर बन कर रह जाएगा। इसलिए, यात्रा का असली आनंद किसी जगह की सुंदरता में नहीं, बल्कि उसे देखने की हमारी दृष्टि में है। यात्रा हमें वर्तमान की ओर वापस लाती है। किसी यात्रा से लौटने के बाद हमारा अपना घर भी कुछ समय के लिए नया-सा लगने लगता है। अच्छी यात्रा हमारे पूर्वाग्रहों को चुनौती देती है, जिज्ञासा को जगाती है और हमें यह स्वीकार करना सिखाती है कि जीवन को देखने का हमारा तरीका ही एकमात्र तरीका नहीं है। यात्रा का अर्थ दूर जाना नहीं है, बल्कि वापस लौटकर अपने परिचित जीवन को अपरिचित आंखों से देख पाना है। यात्रा केवल नई जगहों को देखने का नाम नहीं, बल्कि स्वयं को नई दृष्टि से देखने का अवसर है। जब हम परिचित दुनिया से बाहर निकलते हैं, तो हमारी आदतें, पूर्वाग्रह और सीमाएं पीछे छूटने लगती हैं।

भारतीय टीम से मुकाबले के लिए तैयार हैं: सैंटनर

आकलैंड

न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के सीमित ओवरों के कप्तान मिचेल सैंटनर ने कहा है कि उनकी टीम भारत का मुकाबला करने के लिए तैयार है। सैंटनर ने ये बातें भारतीय टीम के आगामी न्यूजीलैंड दौरे को लेकर कही हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से हमने भारत दौर में जीत दर्ज की थी। ठीक उसकी प्रकार से अब भारतीय टीम हमें हराकर हिसाब बराबर करना चाहेगी।

कीवी टीम ने इस साल जनवरी में भारतीय टीम को तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में 2-1 से हराया था। इसके अलावा, 2024 में उन्होंने भारत में 3-0 से टेस्ट सीरीज जीतकर इतिहास रचा था, जो भारतीय हालातें में एक बड़ी उपलब्धि है। वहीं अब भारतीय टीम न्यूजीलैंड का दौरा करने वाली है। उनका यह दौरा 22 अक्टूबर को पांच मैचों की टी20 और इतने ही मैचों की एकदिवसीय सीरीज से होगा। ये 15 नवंबर तक चलेगा। इसके बाद दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। पहला टेस्ट 19 से 23 नवंबर तक वेलिंगटन में और दूसरा टेस्ट 27 नवंबर से 1 दिसंबर तक क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा। यह टेस्ट सीरीज मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र के लिए भी अहम है, जहां न्यूजीलैंड अभी तीसरे स्थान पर है और भारत पांचवें स्थान पर है।

सैंटनर ने कहा कि भारत निश्चित रूप से बदला लेने की कोशिश करेगा, लेकिन उन्हें तीनों फार्मेट में एक कड़े मुकाबले की उम्मीद है। इसलिए यह एक शानदार सीरीज होने वाली है। सैंटनर ने आगे कहा कि हर कोई लंबे समय से न्यूजीलैंड में भारत जैसी बड़ी टीम के खिलाफ तीनों फार्मेट खेलने का इंतजार कर रहा था। हर कोई यही तो करना चाहता है। उन्होंने न्यूजीलैंड की टेस्ट परिस्थितियों का भी जिक्र किया, जो भारत से अलग और तेज गेंदबाजों के अनुरुप होती हैं। ।सैंटनर ने कहा, सबसे पहले, 10 व्हाइट-बाल मैच होने हैं, जो काफी ज्यादा हैं, लेकिन यह एक अच्छी सीरीज होगी। फिर टेस्ट मैच होंगे और मुझे लगता है कि भारत में खेले गए टेस्ट मैचों की तुलना में यहां हालात थोड़े अलग होंगे। साल के उस समय पिचें थोड़ा अलग व्यवहार कर सकती हैं, हरी पिचें और तेज गेंदबाजों के लिए मददगार हो सकती हैं। उन्होंने भारत की गेंदबाजी आक्रमण और समग्र गुणवत्ता की भी प्रशंसा की। भारत तीनों फार्मेट में एक बहुत अच्छी टीम है; हम यह जानते हैं। उनके पास जबरदस्त ताकत है, खासकर व्हाइट-बाल और फिर रेड-बाल क्रिकेट में। भारत का गेंदबाजी आक्रमण भी काफी अच्छा है।

पडिक्कल बोले टेस्ट टीम में जगह बनाना आसान नहीं, प्रदर्शन में निरंतरता जरुरी

मुम्बई। बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल ने हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में काफी अच्छा प्रदर्शन किय था पर इसके बाद भी उनका मानना है कि अभी उन्हें काफी कुछ करना है। पडिक्कल के अनुसार भारतीय टेस्ट टीम में जगह पक्की करना आसान नहीं है और इसके लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होता है क्योंकि आजकल टेस्ट कम होने से अवसर भी काफी कम होते हैं। इसी कारण श्रीलंका दौरे पर लगातार दो शानदार शतक लगाने के बावजूद, पडिक्कल अपने प्रयास जारी रखना चाहते हैं। गौरतलब है कि नियमित नंबर तीन बल्लेबाज साईं सुदर्शन के पैर में चोट लगने के कारण पडिक्कल को श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों में अवसर मिला था। उन्होंने इस अवसर का लाभ उठाते हुए और तीन पारियों में कुल 328 रन बनाकर अपनी मजबूत दावेदारी पेश की। पडिक्कल ने कहा, इन दिनों आपको बहुत कम मौके मिलते हैं और टीम में अपनी जगह बनाना आसान नहीं होता। किसी भी चीज को हल्के में नहीं लिया जा सकता। व्यक्तिगत तौर पर मेरा लक्ष्य केवल रन बनाते रहना और भारतीय टेस्ट टीम को जीत दिलाने में योगदान देना है। मुझे पूरा विश्वास है कि जब तक मैं ऐसा करता रहूंगा, मेरी जगह बनी रहेगी। पडिक्कल ने साथ ही कहा, जब तक मैं रन बना रहा हूं, मुझे लगता है कि इससे टीम को हमेशा लाभ ही होगा। जैसा कि हम सभी जानते हैं, टेस्ट क्रिकेट एक आसान प्रारूप नहीं है, इसलिए आपको हर दिन अच्छा प्रदर्शन करते रहना होता है। यह अवसर पडिक्कल को भले ही सुदर्शन की चोट के कारण मिला हो, लेकिन उन्होंने इसे बेहतरीन तरीके से भुनाया। टीम प्रबंधन ने सीरीज शुरू होने से पहले ही उन्हें दोनों टेस्ट मैचों में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने की जानकारी दे दी थी।

न्यूज ब्रीफ

यूएस ओपनः जेसिका पेगुला ने एम्मा नवारो को हराया, सेमीफाइनल में सबालेंका से होगी भिड़ंत

न्यूयार्क। तीसरी वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने यूएस ओपन 2026 के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में हमवतन एम्मा नवारो को 3-6, 6-4, 6-3 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। अब उनका सामना दो बार की गत चैंपियन आर्यना सबालेंका से होगा। पेगुला ने दो घंटे 20 मिनट चले मुकाबले में शुरुआती सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी की। तीसरे सेट में शुरुआती ब्रेक से पिछड़ने के बावजूद उन्होंने वापसी की और कड़े बेसलाइन मुकाबले में जीत हासिल की। दोनों खिलाड़ियों के बीच मुकाबले में कुल नौ बार सर्विस ब्रेक हुई। जीत के बाद पेगुला ने आन कोर्ट साक्षात्कार में कहा, यह वास्तव में बहुत कठिन था। मुकाबला शारीरिक रूप से काफी चुनौतीपूर्ण था और मौसम भी उमस भरा था। मैं अपनी सर्विस से बिल्कुल सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पा रही थी और मुझे कोर्ट पर काफी संघर्ष करना पड़ा। इस जीत के साथ पेगुला का नवारो के खिलाफ रिकार्ड 5-0 हो गया है। पूर्व विश्व नंबर आठ नवारो स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर ध्यान देने के लिए लंबे ब्रेक के बाद वापसी कर रही हैं। उन्होंने मई में स्ट्रासबर्ग में एक साल से अधिक समय बाद अपना पहला खिताब जीता था। पेगुला ने इस साल अब तक दो खिताब जीते हैं और वह उन तीन खिलाड़ियों में शामिल हैं, जो न्यूयार्क में विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर काबिज सबालेंका को पीछे छोड़ने की दौड़ में थीं। हालांकि, शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए 32 वर्षीय पेगुला को अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीतना होगा। पेगुला और सबालेंका के बीच यूएस ओपन में यह लगातार तीसरा मुकाबला होगा।

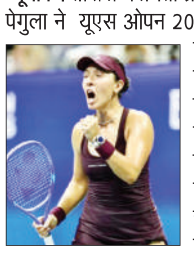

वियतनाम ओपन : तन्वी शर्मा ने रेचल चैन को सीधे गेमों में हराया, अगले दौर में पहुंचीं

हो ची मिन्ह सिटी। शीर्ष वरीय भारतीय खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने वियतनाम ओपन 2026 के महिला एकल के अंतिम-32 मुकाबले में कनाडा की रेचल चैन को सीधे गेमों में 21-16, 21-17 से हराकर अगले दौर में जगह बना ली। बीएफडब्ल्यू विश्व टूर सुपर 100 प्रतियोगिता में तन्वी ने 36 मिनट में मुकाबला अपने नाम किया। भारतीय किशोरी ने पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा और लगातार दो गेम जीतकर अंतिम-16 में प्रवेश किया। तन्वी इस महीने की शुरुआत में चाइना मास्टर्स 2026 में जापान की विश्व नंबर-9 टोमोका मियाजाकी के खिलाफ 66 मिनट चले रोमांचक मुकाबले में 17-21, 21-18, 16-21 से हारकर अंतिम-16 में बाहर हो गई थीं। इससे पहले उन्होंने डेनमार्क की अमाली शुल्ज को 21-16, 21-17 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई थी। पिछले महीने तन्वी ने ताइपे ओपन सुपर 300 में अपना पहला बीएफडब्ल्यू विश्व टूर खिताब जीता था। उन्होंने महिला एकल के फाइनल में वियतनाम की छठी वरीय गुयेन थुई लिन्ह को 21-16, 21-16 से हराया था।

शुभमन और पंड्या की कप्तानी शैली है काफी अलग : नेहरा

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर और वर्तमान में गुजरात टाइटंस के कोच आशीष नेहरा ने शुभमन गिल और हार्दिक पंड्या की कप्तानी का अंतर बताया है। नेहरा ने कहा कि दोनों के व्यक्तित्व और नेतृत्व शैली में खास अंतर है। नेहरा के अनुसार हार्दिक जब गुजरात के कप्तान थे तब उन पर पूरी तरह भरोसा करते थे और किसी भी मामले पर पर बेहिचक बात करते थे। दूसरी ओर शुभमन गिल शांत रहते हैं और कम बोलते हैं। नेहरा का यह भी मानना है कि शुभमन अभी कप्तानी के मामले में सीखने के दौर में हैं और अनुभव के साथ उनमें और निखार आएगा। नेहरा ने कहा कि दोनों की कप्तानी में उतना ही अंतर है, जितना उत्तरी ध्रुव और दक्षिणी ध्रुव में होता है। उन्होंने बताया कि पंड्या उन पर पूरा भरोसा करते थे और हमेशा सीखने के लिए तैयार रहते थे। अगर कोई चीज सही नहीं हो रही होती थी, तो वह सवाल पूछने और उस पर खुलकर चर्चा करने से पीछे नहीं हटते थे। कोच और कप्तान के बीच यह खुला संवाद हार्दिक के नेतृत्व के तरीके का एक अहम हिस्सा था। वहीं शुभमन की कप्तानी शैली के बारे में नेहरा ने कहा कि वह पंड्या की तुलना में ज्यादा शांत और रिजर्व स्वभाव के हैं। उन्होंने साफ किया कि यह कोई कमी नहीं है, बल्कि हर व्यक्ति का अपना अलग व्यक्तित्व होता है। नेहरा ने बताया कि शुभमन पंड्या की तरह ज्यादा बातचीत नहीं करते, लेकिन जब भी बात करते हैं तो सीधे मुद्दे पर रहते हैं। वह चीजों को ध्यान से देखते हैं और उनसे सीखने की कोशिश करते हैं। नेहरा ने कहा कि शुभमन ने अभी लंबे समय तक कप्तानी नहीं की है और अभी केवल 1 से 2 सत्र से ही यह भूमिका निभा रहे हैं।

बैलन डीओर 2026 : मेसी, एमबापे, यामाल और केन समेत 30 खिलाड़ी नामित

पेरिस

फ्रांस की फुटबाल पत्रिका फ्रांस फुटबाल ने बैलन डीओर 2026 पुरस्कारों के लिए विभिन्न श्रेणियों में नामित खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों की सूची जारी कर दी। पुरुष वर्ग में फ्रांस के किलियन एमबापे, स्पेन के लामिन यामाल, इंग्लैंड के हैरी केन और अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी समेत 30 खिलाड़ियों को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के लिए नामित किया गया है।

पुरुष बैलन डीओर के नामांकन में फीफा विश्व कप विजेता स्पेन और यूईएफए चैंपियंस लीग विजेता पेरिस सेंट-जर्मेन के खिलाड़ियों का दबदबा रहा। पिछले साल के विजेता उस्मान डेम्बेले को भी लगातार दूसरी बार यह पुरस्कार जीतने का मौका मिलेगा। डेम्बेले ने पेरिस सेंट-जर्मेन के साथ लगातार दूसरा चैंपियंस लीग खिताब जीता है। एमबापे, लामिन यामाल और हैरी केन को प्रमुख दावेदारों में माना जा रहा है। वहीं, लियोनेल मेसी ने विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के दम पर नामांकन हासिल किया है।

■ **पुरुष बैलन डीओर 2026 के नामित खिलाड़ी:**

जूड बेलिंगहैम (इंग्लैंड/रियल मैड्रिड), पाउ कुबार्सी (स्पेन/बार्सिलोना), मार्क कुकुरेला (स्पेन/रियल मैड्रिड), उस्मान डेम्बेले (फ्रांस/पेरिस सेंट-जर्मेन), लुइस डियाज (कोलंबिया/बायर्न म्यूनिख), ब्रूनो फर्नांडिस (पुर्तगाल/मैनचेस्टर यूनाइटेड), एर्लिंग हालांड (नार्वे/मैनचेस्टर सिटी), गेब्रियल मागाल्हाएस (ब्राजील/आर्सेनल), हैरी केन (इंग्लैंड/बायर्न म्यूनिख), अचरफ हकीमी (मोरक्को/पेरिस सेंट-जर्मेन), लामिन यामाल (स्पेन/बार्सिलोना), ख्विचा क्वारात्सखेलिया (जार्जिया/पेरिस सेंट-जर्मेन), मार्किन्होस (ब्राजील/पेरिस सेंट-जर्मेन), सादियो माने (सेनेगल/अल-नस्र), लाउतारो मार्टिनेज (अर्जेंटीना/इंटर मिलान), किलियन एमबापे (फ्रांस/रियल मैड्रिड), लियोनेल मेसी (अर्जेंटीना/इंटर मियामी), माइकल ओलिसे (फ्रांस/बायर्न म्यूनिख), जोआओ नेवेस (पुर्तगाल/पेरिस सेंट-जर्मेन), विलियन पाचो (इक्वाडोर/पेरिस सेंट-जर्मेन), जूलियन क्विनोनेस (मैक्सिको/अल-कादसियाह), डेक्लान राइस (इंग्लैंड/आर्सेनल), रोड्री (स्पेन/बार्सिलोना), फैबियन रुइज (स्पेन/पेरिस सेंट-जर्मेन), विलियम सालिबा (फ्रांस/आर्सेनल), दयोट उपामेकानो (फ्रांस/बायर्न म्यूनिख), विटिन्या (पुर्तगाल/पेरिस सेंट-जर्मेन), फेरान टोरेस (स्पेन/पेरिस सेंट-जर्मेन), विनिसियस जूनियर (ब्राजील/रियल मैड्रिड) और नूनो मेंडेस (पुर्तगाल/पेरिस सेंट-जर्मेन)।

■ **पुरुष कोच आफ द ईयर के नामितः**

मिकेल आर्टेटा (आर्सेनल), लुइस दे ला फुएंते (स्पेन), उनाई एमरी (एस्टन विला), विन्सेंट कोम्पनी (बायर्न म्यूनिख) और लुइस एनरिके (पेरिस सेंट-जर्मेन)।

महिला वर्ग में दो बार की विजेता एलेक्सिया पुतायस, ईवा पायजोर और मेल्ची डुमोर्नाय प्रमुख दावेदारों में शामिल हैं। पिछले तीन वर्षों की विजेता ऐताना बोनमती चोट के कारण अधिकांश सत्र से बाहर रहने की वजह से इस बार नामांकित नहीं की गई हैं।

■ **महिला बैलन डीओर 2026 के नामित खिलाड़ी:**

सेल्मा बाचा (ओएल ल्योन), बारबरा बांडा (आरलैंडो प्राइड), क्लारा ब्यूल (बायर्न म्यूनिख), एस्मी ब्रुग्ट्स (बार्सिलोना), मारियोना काल्डेंते (आर्सेनल), स्कारलेट कंबेरोस (क्लब अमेरिका), केर्स्टिन कास्पारिज (मैनचेस्टर सिटी), टेम्वा चाविंगा (कैनसस सिटी करंट), काटा कोल (बार्सिलोना), मेल्ची डुमोर्नाय (ओएल ल्योन), कैरोलीन ग्राहम हैनसन (बार्सिलोना), एलेक्स ग्रीनवुड (मैनचेस्टर सिटी), पैट्री गुइजारो (बार्सिलोना), पेर्निले हार्डर (बायर्न म्यूनिख), युई हासेगावा (मैनचेस्टर सिटी), रोज लावेल (गाथम एफसी), मापी लियोन (लंदन सिटी लायनेसिस), लोरेना (कैनसस सिटी करंट), मेलविन मलार्ड (चेल्सी), मनाका मात्सुकुबो (चेल्सी), विवियाने मिएदेमा (मैनचेस्टर सिटी), ईवा पायजोर (बार्सिलोना), क्लाउडिया पिना (बार्सिलोना), एलेक्सिया पुतायस (लंदन सिटी लायनेसिस), वेंडी रेनार्ड (ओएल ल्योन), एलेसिया रूसो (आर्सेनल), खदीजा शा (मैनचेस्टर सिटी), मोमोको तनिकावा (बायर्न म्यूनिख), कैरोलिन वियर (ओएल ल्योन) और टेसा वुलार्ट (कोमो)।

■ **महिला कोच आफ द ईयर के नामितः**

जोनाथन गिराल्देज (ओएल ल्योन), आंद्रे येगर्ट्ज (मैनचेस्टर सिटी), निल्स नीलसन (जापान), पेरे रोम्यू (बार्सिलोना) और एलेना सादिकु (बीके हेकन)। युवा खिलाड़ियों के लिए पुरुष कोपा ट्राफी के नामांकन में केरिम अलाजबेगोविच, अय्यूब बुआद्दी, पाउ कुबार्सी, यान डियोमांदे, लेनार्ट कार्ल, एली जूनियर क्रुपी, लामिन यामाल, जोहान मांजांबी, इब्राहिम माजा और वारेन जायरे-एमरी शामिल हैं। महिला कोपा ट्राफी के लिए वीरले बुरमान, विक्की लोपेज, फेलिसिया श्रोडर, क्लारा सेर्राजोर्डी और लिली योहानेस को नामांकित किया गया है।

■ **याशिन ट्राफी के लिए पुरुष गोलकीपरों के नामितः**

यासीन बूनू (अल हिलाल), जोआन गार्सिया (बार्सिलोना), ग्रेगोर कोबेल (बोरूसिया डार्टमुंड), एमिलियानो मार्टिनेज (चेल्सी), एडुआर्ड मेंडी (अल अहली), डेविड राया (आर्सेनल), उनाई सिमोन (एथलेटिक बिलबाओ), वोजिन्हा (कोलो-कोलो), मतवे साफोनोव (पेरिस सेंट-जर्मेन) और थिबो कोर्टुआ (रियल मैड्रिड)।

■ **महिला गोलकीपर आफ द ईयर के नामितः**

हन्ना हैम्पटन (चेल्सी), लोरेना (कैनसस सिटी करंट), आयाका यामाशिता (मैनचेस्टर सिटी), काटा कोल (बार्सिलोना) और एन-कैटरीन बर्गर (गाथम एफसी)।

■ **2026 पुरुष टीम आफ द ईयर के नामितः**

आर्सेनल, बायर्न म्यूनिख, बोदो/ग्लिम्ट, फ्लामेंगो और पेरिस सेंट-जर्मेन।

■ **2026 महिला टीम आफ द ईयर के नामितः**

एफसी बार्सिलोना, बायर्न म्यूनिख, क्लब अमेरिका, मैनचेस्टर सिटी और ओलंपिक ल्योन। बैलन डीओर पुरस्कार समारोह 26 अक्टूबर को लंदन में आयोजित किया जाएगा।

महिला एशिया कपः गुल फिरोजा पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना, एक डिमेरिट अंक भी जुड़ा

दुबई

पाकिस्तान की शीर्ष क्रम की बल्लेबाज गुल फिरोजा पर हांगकांग के खिलाफ महिला टी20 एशिया कप मुकाबले के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति जताने के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। उनके अनुशासनात्मक रिकार्ड में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है।

यह घटना पाकिस्तान की पारी के पांचवें ओवर में हुई। बाएं हाथ की कलाई की स्पिन गेंदबाज कैरी चान की उछाल लेती गेंद पर फिरोजा ने स्वीप शाट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले से नहीं लगी और स्टंप के सामने उनके पैड से जा टकराई। मैदानी अंपायर ने उन्हें पगबाधा आउट दे दिया। टूर्नामेंट में निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) का इस्तेमाल नहीं हो रहा है, इसलिए फिरोजा को मैदान छोड़ना पड़ा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के अनुसार, मैदान से बाहर जाते समय उन्होंने अपने बल्ले की ओर इशारा करते हुए यह जताया कि गेंद बल्ले का किनारा लेकर गई थी। इसे मैदानी अंपायर के फैसले पर असहमति जताना माना गया, जो आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 का उल्लंघन है। यह पिछले 24 महीनों में फिरोजा का दूसरा अपराध है। इसके साथ इस अवधि में उनके कुल डिमेरिट अंक दो हो गए हैं। महिला एशिया कप में आचार संहिता के उल्लंघन के लिए कार्रवाई का सामना करने वाली वह दूसरी पाकिस्तानी खिलाड़ी हैं। इससे पहले कप्तान फातिमा सना पर भारत के खिलाफ मुकाबले में शैफाली वर्मा को आउट करने के बाद विदाई इशारा करने के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया था और एक डिमेरिट अंक दिया गया था।

भारत की पारी के दूसरे ओवर में शैफाली ने फातिमा की गेंद पर वापसी कैच दिया था। इसके बाद फातिमा ने जश्न मनाते हुए पवेलियन की ओर इशारा किया था, जिस पर अधिकारियों का ध्यान गया था।

हांगकांग को 72 रन से हराकर पाकिस्तान ने ग्रुप-ए से सेमीफाइनल में पहुंचने वाली दूसरी टीम के रूप में जगह बनाई।

एशियाई खेलों में भारत का अभियान 17 सितंबर से शुरु होगा

नई दिल्ली। जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक शुरु हो रहे एशियाई खेल 2026 के लिए भारतीय दल पूरी तरह तैयार है। भारतीय दल का अभियान इन खेलों में आधिकारिक उद्घाटन समारोह से दो दिन पहले ही यानी 17 सितंबर को तेक़बाल के मुकाबलों के साथ ही शुरू हो जाएगा। इस बार भारतीय दल का लक्ष्य केवल पदक तालिका में अपनी स्थिति बेहतर करना नहीं, बल्कि क्रिकेट और हाकी सहित कई खेलों में अपने पिछले खिताबों को बरकरार रखना भी होगा। भारत के लिए शुरुआती मुकाबले बेहद महत्वपूर्ण होंगे। 17 सितंबर को तेक़बाल के साथ अभियान की शुरुआत के बाद अगले ही दिन 18 सितंबर को भारत की महिला क्रिकेट टीम जापान के खिलाफ अपने क्वार्टर फाइनल मैच में उतरेगी। पुरुष और महिला क्रिकेट टीमों के अलावा, भारतीय पुरुष हाकी टीम भी अपने खिताब को बरकरार रखने के इरादे से मैदान पर होगी।

यूएस ओपन: फ्रांसेस टियाफोए ने एलेक्स माइकलसन को हराया, सेमीफाइनल में पहुंचे

न्यूयार्क

फ्रांसेस टियाफोए ने शानदार जुझारूपन का परिचय देते हुए यूएस ओपन 2026 के पुरुष एकल सेमीफाइनल में जगह बना ली है। 11वीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी ने मंगलवार को क्वार्टर फाइनल में एलेक्स माइकलसन को 5-7, 3-6, 7-5, 6-3, 7-6 (10-6) से हराया।

टियाफोए ने मुकाबले में पहले दो सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी की। वह निर्णायक पांचवें सेट में भी 0-3 से पीछे थे, लेकिन उन्होंने लगातार वापसी करते हुए चार घंटे 38 मिनट तक चले मुकाबले को अपने नाम कर लिया।

मैच के बाद टियाफोए नेट के दूसरी तरफ पहुंचे, जहां 22 वर्षीय माइकलसन अपने पहले ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल के निराशाजनक अंत के बाद रो रहे थे। टियाफोए ने उन्हें गले लगाकर सांत्वना दी।

टियाफोए ने मुकाबले में पहले दो सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी की। वह निर्णायक पांचवें सेट में भी 0-3 से पीछे थे, लेकिन उन्होंने लगातार वापसी करते हुए चार घंटे 38 मिनट तक चले मुकाबले को अपने नाम कर लिया।

मैच के बाद टियाफोए नेट के दूसरी तरफ पहुंचे, जहां 22 वर्षीय माइकलसन अपने पहले ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल के निराशाजनक अंत के बाद रो रहे थे। टियाफोए ने उन्हें गले लगाकर सांत्वना दी।

टियाफोए ने मैच की शुरुआत को लेकर कहा, यह अच्छा नहीं था, इसे इसी तरह कहना चाहिए। यह बिल्कुल अच्छा नहीं था। पांच में से तीन सेट का प्रारूप एक वरदान है, क्योंकि आपके पास वापसी करने और चीजों को सही करने का समय होता है। मैंने निश्चित रूप से आखिरी समय तक इंतजार किया।

टियाफोए इससे पहले 2022 और 2024 में भी यूएस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे थे। अब सेमीफाइनल में उनका सामना गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज और आठवीं वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल के विजेता से होगा।

टियाफोए ने 2022 के सेमीफाइनल में अल्काराज के खिलाफ हार झेली थी, जबकि 2024 में उन्हें हमवतन टेलर फ्रिट्ज ने हराया था। इस बार टियाफोए की जीत ने अमेरिकी पुरुष खिलाड़ी के ग्रैंड स्लैम खिताब के लंबे इंतजार को खत्म करने की उम्मीदों को फिर मजबूत किया है। अमेरिका ने आखिरी बार 2003 में एंडी राडिक के जरिये पुरुष एकल ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था।

माइकलसन मुकाबले में मजबूत स्थिति में थे। वह टूर्नामेंट में एक भी सेट गंवाए बिना क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे थे और तीसरे सेट में 5-4 की बढ़त के साथ मैच जीतने के लिए सर्विस कर रहे थे। हालांकि, लगातार दो डबल फाल्ट के बाद वह दबाव में आ गए और टियाफोए ने ब्रेक हासिल कर तीसरा सेट अपने नाम कर लिया।

माइकलसन ने कहा, मुझे लगा कि पहले तीन सेट में मैं उस पर हावी था। वह फ्रांसेस की तरह नहीं खेल रहे थे। फिर 5-4 पर मैंने उन्हें वापसी का मौका दे दिया। इसके बाद वह आर्थर ऐश में अपने अंदाज में खेलने लगे। फिर मुकाबला पूरी तरह संघर्ष में बदल गया।

पांचवें सेट में भी माइकलसन ने शुरुआत में टियाफोए की सर्विस तोड़कर 3-0 की बढ़त बना ली थी। टियाफोए ने गुस्से में एक समय अपना रैकेट कोर्ट पर पटक दिया, लेकिन इसके बाद उन्होंने फिर वापसी की। मैच टाईब्रेक में टियाफोए ने लगातार तीन अंक जीतकर 7-4 की बढ़त बनाई और फिर 135 मील प्रति घंटे की रफ्तार से ऐस लगाकर जीत की ओर कदम बढ़ाया।

इस जीत के साथ टियाफोए इस सदी में आंद्रे अगासी के बाद तीन बार यूएस ओपन सेमीफाइनल में पहुंचने वाले दूसरे अमेरिकी पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं।

जूनियर एशिया कपः अनमोल एक्का के छह गोल से भारत ने चीनी ताइपे को 15-0 से रौंदा, सेमीफाइनल में पहुंचा

मोकी (चीन)

गत चैंपियन भारत ने एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए बुधवार को ूल-ए के अपने आखिरी मुकाबले में चीनी ताइपे को 15-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। कप्तान अनमोल एक्का ने छह गोल दागकर भारत की धमाकेदार जीत में अहम भूमिका निभाई। भारत ने शुरुआती क्वार्टर में गोलरहित रहने के बाद अगले तीन क्वार्टर में पूरी तरह दबदबा बनाया। अनमोल के सभी छह गोल पेनल्टी कार्नर से आए। पांच बार की चैंपियन भारतीय टीम ने तीन जीत और एक ड्रा से 10 अंक हासिल कर पूल-ए में शीर्ष स्थान हासिल किया।

दक्षिण कोरिया ने जापान को 3-2 से हराकर नौ अंकों के साथ पूल में दूसरा स्थान हासिल किया और सेमीफाइनल में जगह बनाई। जापान, इंडोनेशिया और चीनी ताइपे की टीमें टूर्नामेंट से बाहर हो गई और अब वर्गीकरण मुकाबले खेलेंगी।

चीनी ताइपे ने पहले क्वार्टर में भारतीय हमलों को रोककर सभी को चौंका दिया। भारत ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और कई मौके बनाए, लेकिन मजबूत ताइपे रक्षापंक्ति को भेद नहीं सका। दो मिनट के क्वार्टर ब्रेक के दौरान मुख्य कोच फ्रेडरिक सोएज ने खिलाड़ियों को अधिक आक्रामकता के साथ खेलने के लिए प्रेरित किया, जिसका असर अगले ही क्वार्टर में दिखाई दिया।

आर्यन एक्सेस ने 17वें मिनट में भारत का खाता खोला, जबकि एक मिनट बाद प्रभदीप सिंह ने बढ़त दोगुनी कर दी। गुरसेवक सिंह ने 22वें मिनट में तीसरा गोल किया। इसके बाद अनमोल एक्का ने 25वें मिनट में पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलकर अपना पहला गोल किया। अर्जुन संतोष हरगुड़े ने 28वें मिनट में पांचवां गोल किया और अगले ही मिनट अनमोल ने फिर पेनल्टी कार्नर पर गोल कर दिया। भारत ने मध्यांतर तक 6-0 की बढ़त बना ली थी। तीसरे क्वार्टर में भी भारत ने लगातार आक्रमण जारी रखा। अनमोल ने शुरुआती तीन मिनट में मिले दोनों पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलकर अपनी हैट्रिक पूरी की और फिर एक और गोल कर व्यक्तिगत संख्या चार पहुंचा दी। अजीत यादव ने 35वें मिनट में शानदार मैदानी गोल कर भारत की बढ़त बढ़ाई। इसके बाद अनमोल ने 45वें मिनट में एक और पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलकर अपना पांचवां गोल किया और भारत को 10-0 की बढ़त दिला दी। अंतिम क्वार्टर में भी भारत ने आक्रामक रवैया बनाए रखा। हरपाल ने 48वें मिनट में मैदानी गोल किया, जबकि अनमोल ने 51वें मिनट में अपना छठा पेनल्टी कार्नर गोल कर व्यक्तिगत छह गोल पूरे किए। हरपाल ने इसके बाद अपना दूसरा गोल किया। आर्यन एक्सेस ने भी दो गोल दागे और भारत ने 15-0 की शानदार जीत दर्ज की। अनमोल के छह गोल भारत के लिए मैच का सबसे बड़ा आकर्षण रहे, लेकिन यह जीत पूरी टीम के शानदार प्रदर्शन का नतीजा रही।

विलासिता भरी जिंदगी मानव की सबसे बड़ी शत्रु : कमल मुनि कमलेश

मैसूर, 09 सितंबर (एजेंसियां)। स्थानकवासी जैन संघ हल्ह्दकेरी के तत्वावधान में जैन स्थानक भवन में आयोजित धर्मसभा में पर्यूषण पर्व के द्वितीय दिवस पर राष्ट्र संत डॉ. कमल मुनि कमलेश ने कहा कि सुख-सुविधा और विलासिता पूर्ण जीवन मानव का सबसे बड़ा खतरनाक शत्रु है। यह मानवता के धर्म पर कलंक और अभिशाप है। मनुष्य अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को अपने हाथों से ही बर्बाद कर रहा है। सुविधा भोगी जीवन आत्मा की अनंत शक्ति का साक्षात्कार नहीं होने देता। आध्यात्मिकता और विलासिता भरी जिंदगी का आपस में छत्तीस का आंकड़ा है। संत डॉ. कमल मुनि कमलेश ने कहा कि अग्नि, शत्रु, सांप और परमाणु बम तो केवल तन का नुकसान करते हैं, लेकिन विलासिता भरी जिंदगी व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता का दीवाला निकाल देती है। यह मनुष्य को अनेक रोगों का शिकार बना देती है। विलासिता पराक्रम, शक्ति, ऊर्जा और क्रांतिकारी विचारों को कुचल देती है तथा आत्मा की शक्ति को कमजोर कर देती है।

राष्ट्र संत ने कहा कि मकड़ी के जाल में फंसा हुआ जीव अपने प्राणों का अंत कर देता है और अपनी रक्षा तक नहीं कर पाता। इसी प्रकार विलासिता में डूबा मनुष्य भी अपनी आंतरिक शक्ति और संघर्ष करने की क्षमता खो देता है।

कोरोना काल का उदाहरण देते हुए जैन संत ने कहा कि मजदूर, किसान, भिखारी और सड़क पर सोने वाले लोग विलासिता भरी जिंदगी जीने वालों की तुलना में कोरोना के उतने शिकार नहीं हुए, जितने सुविधा और विलासिता में जीवन बिताने वाले लोग मौत के मुंह में गए। जो व्यक्ति अपनी जिंदगी में बड़े-बड़े खतरों से खेलता रहा और चुनौतियों का सामना करता रहा, उसकी रोग प्रतिरोधक क्षमता उतनी ही मजबूत बनती रही।

संत ने कहा कि धन, वैभव और संपत्ति से व्यक्ति महान नहीं बनता, बल्कि संघर्ष करके वह असंभव को भी संभव करके दिखा सकता है। विश्व के सभी धर्मों और महापुरुषों ने विलासिता पूर्ण राजमहलों की सुख-सुविधाओं को ठोकर मारी और कठोर तप-साधना के माध्यम से अपनी प्रतिरोधक क्षमता को जागृत कर अपना कल्याण किया तथा विश्व के निर्माण में योगदान दिया।

गणेश उत्सव को लेकर रामगुंडम पुलिस की व्यापक सुरक्षा व्यवस्था

मंचेरियाल, 09 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आगामी 14 सितंबर से शुरू होने वाले गणेश उत्सव और 25 सितंबर को होने वाले प्रतिमा विसर्जन को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए रामगुंडम पुलिस ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। रामगुंडम पुलिस कमिश्नर अंबर किशोर झा ने मंगलवार को मंचेरियाल और पेद्दापल्ली जोन के हिंदू धर्मगुरुओं, गणेश मंडप आयोजकों एवं उत्सव समितियों के साथ समन्वय बैठक में सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देश दिए।सीपी ने कहा कि गणेश मंडपों का ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य है। मंडप का स्थान, प्रतिमा की ऊंचाई, आयोजकों का विवरण, शोभायात्रा मार्ग और विसर्जन वाहनों सहित पूरा विवरण दर्ज कर जियोटैगिंग के माध्यम से 'टीजी-कॉप' पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। आयोजकों को संबंधित पुलिस थाने से अनुमति लेना भी अनिवार्य होगा।उन्होंने मंडपों में सीसीटीवी कैमरे लगाने, प्रतिमा के पास 24 घंटे दो लोगों की मौजूदगी सुनिश्चित करने, यातायात और आपातकालीन सेवाओं के आवागमन में बाधा नहीं डालने तथा जबरन चंदा, जुआ, लकी ड्रॉ और अन्य अवैध गतिविधियों से दूर रहने के निर्देश दिए। बिजली कनेक्शन अनुमति लेकर लेने, गुणवत्तापूर्ण तारों का इस्तेमाल करने तथा आग से बचाव के लिए अग्निशामक यंत्र, फायर बॉल और पानी की बाल्टियां रखने को कहा।सीपी ने डीजे की तेज आवाज से बचने तथा किसी अन्य धर्म या समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले भाषण, गीत या प्रसारण नहीं करने की अपील की। उन्होंने सोशल मीडिया पर अफवाह और भड़काऊ सामग्री फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी और किसी भी समस्या की स्थिति में डायल-112 या स्थानीय पुलिस से संपर्क करने को कहा।

अग्रवाल समाज कोत्तापेट शाखा की सावन की सैर हर्षोल्लास के साथ संपन्न

हैदराबाद, 09 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज, तेलंगाना की कोत्तापेट शाखा द्वारा सावन की सैर का आयोजन 6-7 सितंबर 2026 को शामीरपेट स्थित कृष्णा सिरीन रिसॉर्ट में किया गया।

दो दिवसीय आयोजन में शाखा के सदस्यों ने परिवार सहित उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों का आनंद उठाया।

आज यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कार्यक्रम का शुभारंभ रिसॉर्ट में महाराजा अग्रसेनजी की पूजा-अर्चना के साथ हुआ। शाखा अध्यक्ष अशोक जिंदल, उपाध्यक्ष अरुण गोयल, मानद मंत्री राजेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य महेंद्र अग्रवाल एवं दीपक बंसल तथा सलाहकार विनोद कुमार अग्रवाल एवं सुरेश रूपचंदका ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया।

मुख्य अतिथि के रूप में अग्रवाल समाज, तेलंगाना के कार्यकारिणी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल, उपाध्यक्ष सीए हरि गोविंद प्रसाद तथा कोषाध्यक्ष एवं शाखा के केंद्रीय समिति सदस्य सीए राजगोपाल अग्रवाल का स्वागत किया गया।

कार्यक्रम स्थल पर अग्रवाल समाज, तेलंगाना के मुख्य जोनल समन्वयक सुरेश टंडन, उप-जिला समन्वयक एवं श्रीनगर कॉलोनी शाखा के अध्यक्ष उमाशंकर गोयनका, मलकपेट शाखा के अध्यक्ष पंकज संघी, यूथ इवेंट्स कमिटी के चेयरमैन जितेंद्र अग्रवाल तथा केंद्रीय समिति सदस्य श्वेता अग्रवाल का भी सम्मान किया गया।

70 से अधिक शाखा सदस्यों के रिसॉर्ट पहुंचने के लिए बस एवं कारों की विशेष व्यवस्था की गई थी।

रिसॉर्ट में उपस्थित सभी सदस्यों ने टेबल टेनिस, स्नूकर, कैरम, क्रिकेट, स्विमिंग पूल सहित विभिन्न गतिविधियों का आनंद लिया।

शाखा की ओर से महिला शक्ति द्वारा सभी के लिए अंताक्षरी एवं अन्य मनोरंजक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में विजेताओं को केंद्र एवं शाखा के पदाधिकारियों द्वारा पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम के दौरान सभी ने स्वादिष्ट व्यंजनों के साथ दोपहर एवं रात्रि भोजन का आनंद लिया। इसके पश्चात दिन के पैकेज में शामिल सदस्य बस से रवाना हुए, जबकि अन्य सदस्यों ने रोचक संगीत के साथ शाम के सुहाने मौसम का लुत्फ उठाया। अगले दिन नाश्ते के बाद दो दिवसीय कार्यक्रम का समापन हुआ।

इस अवसर पर अशोक जिंदल, अरुण गोयल, राजेश अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, महेंद्र अग्रवाल, सीए राजगोपाल अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, सुरेश रूपचंदका, मनीष अग्रवाल, कविता अग्रवाल, भरत अग्रवाल, गौतम रूपचंदका, योगेश कुमार अग्रवाल, नवीन गुप्ता सहित अनेक समाजबंधु सपरिवार उपस्थित रहे।

1000 दिन पूरे, लगभग सभी चुनावी वादे पूरे : प्रेमसागर राव

मंचेरियाल, 09 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल विधायक कोक्किराला प्रेमसागर राव ने अपने शासन के 1000 दिन पूरे होने पर संवाददाता सम्मेलन आयोजित कर निर्वाचन क्षेत्र में किए गए विकास कार्यों का विवरण साझा किया। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान किए गए लगभग सभी वादे पूरे कर दिए गए हैं और केवल सिंगरेनी भूमि पट्टों का वितरण लंबित है, जिसे जल्द पूरा किया जाएगा। विधायक ने कहा कि मंचेरियाल को मेडिकल हब के रूप में विकसित करना उनका मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि राल्लावागु नदी के बाढ़ के पानी से कॉलोनियों को बचाने के लिए 255 करोड़ की लागत से तटबंध निर्माण कार्य जारी है। आईबी परिसर में 300 करोड़ की लागत से सुपर स्पेशलिटी अस्पताल एवं मातृ-शिशु स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण तेजी से चल रहा है।

उन्होंने कहा कि चुनाव जीतने के 45 दिनों के भीतर मंचेरियाल, नसपुर और लक्षेट्टीपेट नगरपालिकाओं में स्वच्छ पेयजल आपूर्ति का वादा पूरा किया गया। मंचेरियाल मार्केट रोड पर 78 करोड़ की लागत से भूमिगत नाले, राज्य में पहली बार भूमिगत बिजली कनेक्शन तथा सड़क चौड़ीकरण का कार्य 50 प्रतिशत पूरा हो चुका है।

डॉ. चिरुमिल्ला अर्चना को पीएचडी उपाधि

पेद्दापल्ली/हैदराबाद, 09 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। उस्मानिया विश्वविद्यालय के 85वें दीक्षांत समारोह में डॉ. चिरुमिल्ला अर्चना गारू को विधि विषय में पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। उन्होंने उस्मानिया विश्वविद्यालय से अपना शोध कार्य पूरा कर डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। डॉ. चिरुमिल्ला अर्चना, तेलंगाना टेक्नोलॉजी सर्विसेज कॉर्पोरेशन के प्रथम अध्यक्ष एवं तेलंगाना के पूर्व अध्यक्ष डॉ. चिरुमिल्ला राकेश कुमार की पत्नी हैं।

दीक्षांत समारोह में उन्हें यह प्रतिष्ठित उपाधि तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला, उस्मानिया विश्वविद्यालय के कुलपति कुमार मोलुगारम तथा भारत बायोटेक के संस्थापक एवं अध्यक्ष डॉ. कृष्णा एला की उपस्थिति में प्रदान की गई। इस अवसर पर चुनाव आयोग के सदस्य प्रोफेसर बनपुरम मधुसूदन रेड्डी भी उपस्थित रहे। डॉ. चिरुमिल्ला अर्चना इससे पूर्व उच्च न्यायालय में सहायक अधिवक्ता के रूप में कार्य कर चुकी हैं। वर्तमान में वह उच्च न्यायालय में अधिवक्ता के रूप में सेवाएं दे रही हैं।

पहाड़ी श्याम मन्दिर, महिन्द्रा हिल्स में 'प्रेमी पहाड़ी श्याम के' के द्वारा आयोजित भजन संध्या में भजन प्रस्तुत करते हुए सुशील गोपाल बजाज एवं निलेश शर्मा। भजन गायकों एवं विशिष्ट अतिथियों का सम्मान करते हुए मंदिर के चेयरमैन अरुण डाकोतिया, ट्रस्टी विजय अग्रवाल, राहुल गुप्ता, पंकज सिंगला, ब्रिजेश मोदी, अशोक सिंघानिया, मनीष बंसल, राहुल अग्रवाल, जयदीप गुप्ता, प्रवीण अग्रवाल (नाचारम), प्रदीप अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, नारायण गुप्ता, रितेश अग्रवाल, प्रेमी पहाड़ी श्याम के के विकास राठौड़, यश जैन, उदयराम, अग्रवाल, चिराग जैन, रुपेश, अग्रवाल, कृष्णकांत, अभिनव मंत्री, लालचन्द सोनी, प्रतीक, नकुल, दिग्विजय, विशाल, अमित भण्डारी, विशाल, रितेश एवं उपस्थित भक्तगण।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

जैन...

अदालत ने माना कि माता-पिता का विरोध अपनी बेटी के प्रति लगाव से पैदा हुआ है। यानी अदालत ने परिवार की भावनाओं को नजरअंदाज नहीं किया, लेकिन यह भी स्पष्ट किया कि माता-पिता का भावनात्मक लगाव किसी बालिग व्यक्ति के कानूनी अधिकारों पर रोक लगाने का आधार नहीं बन सकता। आदेश का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा युवती की उम्र और उसकी कानूनी स्थिति को लेकर है। हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया कि युवती 20 वर्ष की है और भारत की नागरिक है। इसलिए वह अपने धर्म का पालन अपने तरीके से करने और अपनी इच्छा के अनुसार जीवन जीने की अधिकारी है। अदालत ने यह भी कहा कि 18 वर्ष से अधिक उम्र के बालिग व्यक्ति को अपने परिवार और अन्य कानूनी अधिकारों की सुरक्षा पाने का अधिकार है। किसी भी व्यक्ति की ओर से उसके अधिकारों में बाधा पैदा करना कानून की नजर में स्वीकार्य नहीं हो सकता। इस मामले में धार्मिक स्वतंत्रता का पहलू विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। युवती पहले से जैन धर्म का पालन कर रही थी और उसने अब सांसारिक जीवन का त्याग कर दीक्षा लेकर साध्वी बनने की इच्छा जताई थी। हाई कोर्ट ने उसके इस निर्णय को परिवार की अनुमति से जोड़ने के बजाय एक बालिग नागरिक के व्यक्तिगत और धार्मिक अधिकार के संदर्भ में देखा। अदालत की टिप्पणी का व्यापक अर्थ यह है कि केवल पारिवारिक असहमति किसी बालिग व्यक्ति की धार्मिक पसंद को नियंत्रित करने का आधार नहीं बन सकती।

सुप्रीम कोर्ट के लता सिंह फैसले का सहारा

हाई कोर्ट ने अपने निर्णय में सुप्रीम कोर्ट के महत्वपूर्ण फैसले लता सिंह बनाम उत्तर प्रदेश राज्य का उल्लेख किया। अदालत ने कहा कि शीर्ष अदालत ने 18 वर्ष से अधिक उम्र के बालिग व्यक्तियों के संबंध में स्पष्ट किया है कि वे अपने फैसले स्वयं लेने के लिए स्वतंत्र हैं और अदालत का दायित्व ऐसे व्यक्ति के हितों की रक्षा करना है।

इस फैसले का संदर्भ देते हुए हाई कोर्ट ने युवती के मामले में भी यही सिद्धांत लागू किया कि बालिग व्यक्ति के जीवन संबंधी निर्णय पर केवल परिवार के विरोध के आधार पर रोक नहीं लगाई जा सकती।

हाई कोर्ट ने युवती को ऐसा कोई स्थायी या असीमित पुलिस सुरक्षा आदेश नहीं दिया कि पुलिस हर परिस्थिति में उसके साथ रहे। इसके बजाय अदालत ने व्यावहारिक व्यवस्था बनाई।

अदालत ने कहा कि यदि युवती को किसी व्यक्ति की ओर से जबरदस्ती या दबाव का सामना करना पड़ता है, तो वह पुलिस अधीक्षक, संबंधित पुलिस थाने या संबंधित अधिकारी के सामने आवेदन कर सकती है। आवेदन मिलने के बाद संबंधित अधिकारी या थाना प्रभारी को मामले को देखना होगा और तत्काल कार्रवाई करनी होगी।

माता-पिता भी जबरदस्ती नहीं कर सकते

अदालत के निर्देश में विशेष रूप से यह महत्वपूर्ण है कि युवती के खिलाफ जबरदस्ती करने वाला व्यक्ति कोई भी हो सकता है, इसमें उसके माता-पिता भी शामिल हैं। यानी पारिवारिक संबंध पुलिस कार्रवाई में बाधा नहीं बनेंगे, यदि बालिग युवती स्वयं सुरक्षा की मांग लेकर सामने आती है। अदालत ने संबंधित पुलिस अधिकारियों को सुप्रीम कोर्ट के लता सिंह और शक्ति वाहिनी बनाम भारत संघ फैसलों में दिए गए निर्देशों के अनुरूप कार्रवाई करने को कहा है।

दीक्षा का फैसला अदालत ने अपने हाथ में नहीं लिया

इस आदेश का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि हाई कोर्ट ने युवती को दीक्षा लेने का निर्देश नहीं दिया और न ही यह तय किया कि उसे साध्वी बनना चाहिए या नहीं। अदालत ने उसके व्यक्तिगत निर्णय में हस्तक्षेप करने के बजाय यह सुनिश्चित किया कि वह एक बालिग नागरिक के रूप में अपने फैसले पर अमल करने के दौरान गैरकानूनी दबाव या बाधा से सुरक्षित रहे। यानी अदालत का आदेश दीक्षा की धार्मिक प्रक्रिया को मंजूरी देने के बजाय युवती की स्वतंत्र इच्छा और कानूनी अधिकारों की रक्षा पर केंद्रित है। यह अंतर इस मामले को समझने के लिए महत्वपूर्ण है।

परिवार की चिंता बनाम बालिग की स्वतंत्रता

मामले में मूल टकराव दो अलग-अलग पक्षों के बीच दिखाई देता है। एक ओर माता-पिता का अपनी बेटी के प्रति भावनात्मक लगाव और उसके दीक्षा लेने के फैसले का विरोध है, दूसरी ओर 20 वर्षीय युवती की अपनी धार्मिक आस्था और जीवन की दिशा चुनने की इच्छा है।

हाई कोर्ट ने माता-पिता की भावनाओं को स्वीकार करते हुए भी कानूनी अधिकारों को प्राथमिक आधार बनाया। अदालत ने स्पष्ट किया कि भावनात्मक या सामाजिक दबाव के कारण किसी बालिग व्यक्ति के अधिकारों में हस्तक्षेप की अनुमति नहीं दी जा सकती।

'पाँचों' ...

पुडुचेरी में भाजपा ने 11.90 करोड़ रुपए खर्च किए। इसमें 9.19 करोड़ रुपए सामान्य प्रचार और 2.71 करोड़ रुपए उम्मीदवारों पर खर्च हुए। कांग्रेस ने पांचों राज्यों में सामान्य पार्टी प्रचार पर 143 करोड़ रुपए और उम्मीदवारों पर 105.55 करोड़ रुपए खर्च किए। इस तरह उसका कुल चुनावी खर्च 248.55 करोड़ रुपए रहा।

कांग्रेस के केंद्रीय मुख्यालय ने पांचों राज्यों में सामान्य प्रचार पर 40.52 करोड़ रुपए खर्च किए। राज्य और स्थानीय इकाइयों ने इसी मद में 102.49 करोड़ रुपए खर्च किए। कांग्रेस के सामान्य प्रचार खर्च में केरल का हिस्सा सबसे ज्यादा रहा। वहां पार्टी ने 59.28 करोड़ रुपए खर्च किए। केरल में कांग्रेस ने वाम मोर्चे को सत्ता से हटाया था। इसके बाद असम में सामान्य प्रचार पर 22.62 करोड़ रुपए खर्च किए।

वर्ष 2024-25 में भाजपा की कुल आय 6,769.15 करोड़ रुपए

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने वर्ष 2024-25 के लिए राजनीतिक दलों की आय का विवरण जारी किया था। रिपोर्ट के मुताबिक, भाजपा की कुल आय 6,769.15 करोड़ रुपए थी।

'मक्का' बचाने ...

हूती ईरान समर्थित एक प्रॉक्सी समूह है, जो खाड़ी देश यमन में सत्ता हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहा है। वर्ष 2015 में रियाद ने हूतियों को कुचलने के लिए यमन में हस्तक्षेप किया था, जो विफल रहा। इसके बाद से दोनों पक्षों के बीच बीच-बीच में मिसाइल और हवाई हमले होते रहे हैं।

ख्वाजा आसिफ बोले- समझौते के तहत प्रतिक्रिया देने को बाध्य

जियो न्यूज ने जब ख्वाजा आसिफ से पूछा कि क्या हूतियों के हालिया हमलों के बाद मक्का समझौता सक्रिय होगा और क्या पाकिस्तान यमन पर हमला करेगा, तो रक्षा मंत्री ने हां में जवाब दिया। उन्होंने कहा कि इसमें कोई अस्पष्टता नहीं है, क्योंकि समझौते में तय किया गया है कि किसी एक सदस्य के खिलाफ आक्रामकता की किसी भी कार्रवाई को सभी के खिलाफ हमला माना जाएगा।आसिफ ने जियो न्यूज से कहा, हम इस समझौते की शर्तों और नियमों से बंधे हैं और जरूरत पड़ने पर हम उनका पालन करेंगे।आसिफ ने कहा कि समझौते के सामूहिक रक्षा प्रावधान तब लागू होंगे, जब किसी सदस्य देश के खिलाफ बिना उकसावे के कोई आक्रामकता होगी या यमन का संघर्ष सऊदी अरब तक फैल जाएगा।इससे पहले इस्लामाबाद में पत्रकारों से बात करते हुए ख्वाजा आसिफ ने कहा था कि सऊदी अरब पर हूतियों के हमले को पाकिस्तान पर हमला माना जाएगा।

जब उनसे पूछा गया कि क्या हमलों के बाद पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच कोई बातचीत हुई है, तो आसिफ ने कहा कि उन्हें ऐसी किसी बातचीत की जानकारी नहीं है। इसके बावजूद उन्होंने दोहराया कि पाकिस्तान समझौते के तहत प्रतिक्रिया देने के लिए बाध्य है, क्योंकि इसमें हमले की स्थिति में संयुक्त रक्षा और सामूहिक कार्रवाई का प्रावधान है।आसिफ ने उम्मीद जताई कि स्थिति नियंत्रण में आ जाएगी और शांत हो जाएगी। साथ ही उन्होंने हूतियों को चेतावनी दी कि अपने आंतरिक मामलों को बाहर फैलाने की कोशिशें समझौते के सामूहिक रक्षा प्रावधानों को सक्रिय कर सकती हैं।मक्का समझौते पर 7 अगस्त को पाकिस्तान, तुर्की और सऊदी अरब के बीच हस्ताक्षर किए गए थे, जबकि इस्लामाबाद और रियाद के बीच वर्ष 2025 से एक रणनीतिक आपसी रक्षा समझौता लागू था।हूतियों के साथ सऊदी अरब का संघर्ष इन दोनों समझौतों से कहीं पुराना है। सऊदी अरब ने वर्ष 2015 में ईरान समर्थित इस्लामी चरमपंथी समूह को कुचलने की कोशिश की थी, लेकिन असफल रहा, जिससे यमन में गृह युद्ध छिड़ गया।

तब से हूती और सऊदी अरब दोनों ही बीच-बीच में एक-दूसरे पर हमले करते रहे हैं। इस वर्ष फरवरी में अमेरिका-ईरान युद्ध शुरू होने के बाद हूती भी इस संघर्ष में शामिल हो गए। तब से दर्जनों ड्रोन और मिसाइलों ने सऊदी अरब के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया है।

पूरे घटनाक्रम पर ब्रिटेन में बर्मिंघम विश्वविद्यालय में मध्य पूर्व के विशेषज्ञ और किंग फैसल सेंटर फॉर रिसर्च एंड इस्लामिक स्टडीज के सहयोगी शोधकर्ता उमर करीम ने बीबीसी उर्दू को बताया कि हूती हमलों से रियाद को जो बड़ा खतरा है, उसे देखते हुए ऐसी स्थिति पैदा हो सकती है, जिसमें मक्का समझौता और पाकिस्तान-सऊदी आपसी रक्षा समझौता दोनों ही लागू किए जा सकें।करीम ने आगे कहा कि इस्लामाबाद के पास पहले से ही सऊदी अरब की रक्षा के लिए किसी भी अभियान में शामिल होने के लिए जमीन पर सैन्य मौजूदगी है और आसिफ के बयानों को देखते हुए इस्लामाबाद में ऐसा करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति है।इसके बावजूद, अगर पाकिस्तान सऊदी अरब की रक्षा के लिए मक्का समझौते को लागू करने के पक्ष में होता है तो यह पूरी तरह रक्षात्मक प्रकृति का होगा।जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय, कतर के प्रोफेसर और अरब सेंटर फॉर रिसर्च एंड पॉलिसी स्टडीज में शोध इकाई के निदेशक मेहरान कामरावा ने बीबीसी उर्दू को बताया कि ऐसे संकेत थे कि वर्ष 2015 की तरह ही रियाद यमन में एक और जमीनी घुसपैठ की तैयारी कर रहा था, जहां हूतियों का ठिकाना है।

होर्मुज में...

इराक के दो बंदरगाह अधिकारियों ने बताया कि 'न्यू एंड्रोस' नाम का एक टैंकर, जिसमें 20 लाख बैरल ईंधन तेल था, इराकी समुद्री इलाके में ड्रोन हमले के बाद आग की चपेट में आ गया। टैंकर के चालक दल के 22 सदस्यों में से किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। इराकी सरकार ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि टैंकर का इस्तेमाल भंडारण के लिए किया जा रहा था। यूकेएमटीओ ने बताया कि उसे उत्तरी खाड़ी और ओमान की खाड़ी में कई वाणिज्यिक जहाजों पर हमले की खबरें मिली हैं, जिनके कारण ये जहाज संचालन में असमर्थ हो गए। ये हमले जलडमरूमध्य के दोनों ओर हुए। सरकारी मीडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने कुवैत और बहरीन के बंदरगाहों पर मौजूद तेल टैंकरों को भी धमकी दी है। समुद्री सुरक्षा से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि संयुक्त अरब अमीरात के खोर फक्कन बंदरगाह पर तरलीकृत प्राकृतिक गैस ले जा रहे एक टैंकर को नुकसान पहुंचा है।

जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य अड्डे पर मिसाइल हमला

इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने बुधवार को यह भी कहा कि उसने पूर्वी जॉर्डन में अल-अजराक के पास अमेरिकी सेना के एक अड्डे पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। जॉर्डन ने कहा कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने ईरान की 20 में से 18 मिसाइलों को रोक दिया, जबकि दो मिसाइलें बिना किसी नुकसान के आबादी से दूर इलाकों में गिरीं। एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि जॉर्डन में ईरान के हमले बेअसर रहे और सभी अमेरिकी सैनिक सुरक्षित हैं।

अब ...

घटना के बाद गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी भी मौके पर पहुंचे और उन्होंने घटनास्थल पर चल रहे राहत एवं बचाव अभियान का जायजा लिया। पुलिस के मुताबिक, हादसे में पांच लोग घायल हुए हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। फिलहाल मौके पर राहत और बचाव का काम जारी है।

गांधीनगर अग्निशमन कार्यालय के राजेश पटेल ने बताया कि कुड़ासन इलाके में निर्माणाधीन इमारत का एक हिस्सा अचानक गिर गया। घटना की जानकारी मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और मलबा हटाने का काम शुरू किया गया।अग्निशमन विभाग की टीमें घटनास्थल पर लगातार बचाव अभियान चला रही हैं। हादसे में और कितने लोग प्रभावित हुए हैं, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यही है कि मलबे के नीचे कितने मजदूर फंसे हुए हैं।

बचाव दल मलबा हटाकर फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने में जुटे हैं। घटनास्थल पर राहत एवं बचाव कार्य के साथ प्रभावित लोगों की संख्या और हादसे की परिस्थितियों का भी पता लगाया जा रहा है। हादसे से जुड़ी विस्तृत जानकारी का इंतजार है।

वंदेमातरम् ...

इससे पहले कांग्रेस नेता तारिक हमीद कर्रा ने उमर अब्दुल्ला पर निशाना साधते हुए कहा था, राष्ट्रीय प्रतीक, गीत और परंपराएं हर भारतीय के दिल में एक खास जगह रखते हैं। इनकी असली ताकत हमारे जैसे विविधतापूर्ण देश को एक सूत्र में बांधने की क्षमता में है। इसलिए यह चिंता की बात है कि हमारे गठबंधन सहयोगियों ने पूरा संस्करण गाने का विकल्प चुना।वहीं, कांग्रेस के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने उमर अब्दुल्ला का वीडियो साझा करते हुए कहा था, वंदे मातरम् का पूरा संस्करण उस साझा और बहुलवादी संस्कृति के साथ मेल नहीं खाता, जिसकी कल्पना हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने की थी। हमारे लिए महात्मा गांधी, पंडित नेहरू, सरदार पटेल, सुभाष चंद्र बोस, डॉ. राजेंद्र प्रसाद और मौलाना आजाद का फैसला सबसे ऊपर है।वेणुगोपाल ने आगे कहा, हम सम्मान के साथ अपने सहयोगियों से अपील करते हैं कि वे स्वतंत्रता सेनानियों की समझ का सम्मान करें और उसी संस्करण के साथ खड़े हों जिसे उन्होंने अपनाया था।

1937 के फैसले का कांग्रेस ने दिया हवाला

बता दें कि कांग्रेस का तर्क है कि वर्ष 1937 में वंदे मातरम के चुनिंदा हिस्सों को इसलिए अपनाया गया था, ताकि इसका सांप्रदायिकीकरण न हो सके। हालांकि, नेशनल कॉन्फ्रेंस की ओर से कर्नाटक और तेलंगाना के मुख्यमंत्रियों के वीडियो सामने लाए जाने के बाद इस मुद्दे पर कांग्रेस को सफाई देने की स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। दोनों मुख्यमंत्रियों के पूरे 'वंदे मातरम' के दौरान सम्मान में खड़े रहने के वीडियो को नेशनल कॉन्फ्रेंस ने कांग्रेस के तर्क पर सवाल उठाने के लिए इस्तेमाल किया है।

चीनी तोप...

टाइप-59 चीन में निर्मित एक पुराना मुख्य युद्धक टैंक है। इसे चीन का पहला ऐसा टैंक भी माना जाता है, जिसका बड़ी संख्या में उत्पादन किया गया था। चीन के अलावा पाकिस्तान, ईरान और उत्तर कोरिया समेत कई देशों की सेनाओं ने भी टाइप-59 टैंक का इस्तेमाल किया है। इनमें बांग्लादेश भी शामिल है। मूल टाइप-59 टैंक में 100 मिलीमीटर की मुख्य तोप लगी होती थी। इसके साथ 7.62 मिलीमीटर की एक मशीनगन और 12.7 मिलीमीटर की विमानरोधी मशीनगन भी होती है।

इसे चलाने और संचालित करने के लिए चार सैनिकों की जरूरत होती है। टैंक का वजन करीब 36 टन है और यह सड़क पर अधिकतम करीब 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकता है।इसमें करीब 520 अश्वशक्ति क्षमता वाला डीजल इंजन लगा होता है। अतिरिक्त ईंधन टैंक के साथ यह करीब 600 किलोमीटर तक की दूरी तय कर सकता है।

डिजाइन पुराना, लेकिन कई बार किया गया उन्नयन

टाइप-59 सैन्य टैंक का डिजाइन काफी पुराना है, लेकिन समय के साथ इसके कई नए संस्करण और उन्नत रूप तैयार किए गए। इनमें बेहतर तोप, अग्नि नियंत्रण प्रणाली, रात में देखने की सुविधा और टैंक की सुरक्षा बढ़ाने वाले उपकरण शामिल किए गए। बांग्लादेश ने भी अपने पुराने टाइप-59 टैंकों को उन्नत किया है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 10 सितंबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

स्वयं का अध्ययन ही स्वाध्याय है : मुनि दीप कुमार

पर्युषण महापर्व के द्वितीय दिवस स्वाध्याय दिवस का आयोजन, श्रद्धालुओं का उमड़ा जनसैलाब

हैदराबाद, 09 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सिकंदराबाद के डायमंड पॉइंट स्थित राजराजेश्वरी गार्डन में युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनिश्री दीप कुमारजी ठाणा-2 के सान्निध्य में पर्युषण महापर्व के द्वितीय दिवस स्वाध्याय दिवस का आयोजन जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद द्वारा किया गया। स्वाध्याय दिवस के इस विशेष आयोजन में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। बड़ी संख्या में उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं ने आध्यात्मिक वातावरण में स्वाध्याय, आत्मचिंतन एवं आत्मावलोकन की प्रेरणा प्राप्त की।

स्वयं को पढ़ना और समझना ही वास्तविक स्वाध्याय

राजेंद्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, कार्यक्रम में मुनिश्री दीप कुमारजी ने स्वाध्याय की महत्ता को सरल एवं प्रभावशाली ढंग से समझाते हुए कहा, स्व + अध्याय = स्वाध्याय। स्वयं का अध्ययन स्वाध्याय है।

उन्होंने कहा कि स्वाध्याय केवल शास्त्रों अथवा धार्मिक पुस्तकों को पढ़ने का नाम नहीं है, बल्कि स्वयं को पढ़ना, स्वयं को समझना और अपने भीतर झांकना ही वास्तविक स्वाध्याय है।

मुनिश्री ने कहा कि व्यक्ति बाहरी दुनिया के बारे में जानने के लिए बहुत कुछ पढ़ता है, लेकिन सबसे आवश्यक अध्ययन स्वयं का है। अपने विचारों, भावनाओं, व्यवहार, संस्कारों और प्रवृत्तियों का अध्ययन किए बिना जीवन में वास्तविक परिवर्तन संभव नहीं है। स्वाध्याय व्यक्ति को अपने भीतर देखने की दृष्टि प्रदान करता है।

स्वाध्याय ज्ञानावरणीय कर्म को करता है कमजोर

मुनिश्री ने कहा कि ज्ञानावरणीय कर्म को कमजोर बनाने का एक उपाय स्वाध्याय है। शास्त्रों का अध्ययन, आध्यात्मिक पुस्तकों का वाचन तथा ज्ञानवर्धक साहित्य का चिंतन व्यक्ति के ज्ञान को विकसित करता है। स्वाध्याय एक दर्पण के समान है, जिसमें व्यक्ति अपने व्यक्तित्व और आत्मिक स्थिति का आत्मावलोकन कर सकता है। जैसे दर्पण चेहरे की वास्तविक स्थिति दिखाता है, वैसे ही स्वाध्याय व्यक्ति को उसके भीतर की वास्तविकता से परिचित करवाता है।

स्वाध्याय की पांच विधियों का किया विवेचन

मुनिश्री ने आगमों में बताई गई स्वाध्याय की पांच विधियोंवाचना, पृच्छना, परावर्तन, अनुप्रेक्षा और धर्मकथाका विस्तार से विवेचन किया। उन्होंने बताया कि स्वाध्याय के माध्यम से ज्ञान प्राप्त करने के साथ-साथ उस ज्ञान को जीवन में उतारना भी आवश्यक है।उन्होंने कहा कि केवल पढ़ना पर्याप्त नहीं है। पढ़े हुए विषय पर चिंतन हो, प्रश्न उठें, उसका पुनरावर्तन हो और फिर वह जीवन के आचरण में दिखाई देतभी स्वाध्याय सार्थक बनता है।

उच्चारण शुद्धि पर दिया विशेष जोर

स्वाध्याय के संदर्भ में मुनिश्री ने उच्चारण शुद्धि पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक साहित्य एवं आगमों के अध्ययन में शब्दों का सही उच्चारण अत्यंत महत्वपूर्ण है। उच्चारण की शुद्धता के साथ भाव की शुद्धता भी जुड़ी हुई है। इसलिए स्वाध्याय करते समय शब्द, अर्थ और भावतीनों के प्रति सजग रहना चाहिए।

पर्युषण सम्यक् दर्शन को पुष्ट करने वाला पर्व

मुनिश्री दीप कुमारजी ने पर्युषण महापर्व के आध्यात्मिक महत्व को स्पष्ट करते हुए कहा, यह पर्युषण सम्यक् दर्शन को पुष्ट करने वाला है। पर्युषण केवल पर्व मनाने का अवसर नहीं, बल्कि आत्मा की ओर लौटने, जीवन का पुनर्मूल्यांकन करने और अपने भीतर आध्यात्मिक जागरण पैदा करने का अवसर है।

उन्होंने भगवान महावीर की भव परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि भगवान महावीर की भव परंपरा का प्रारंभ जिस महत्वपूर्ण बिंदु से होता है, वह सम्यक्त्व प्राप्ति का भव है। मुनिश्री ने भगवान महावीर के प्रथम भव का रोचक एवं प्रेरणादायी वर्णन करते हुए उपस्थित श्रद्धालुओं को सम्यक् दर्शन की महत्ता से अवगत कराया।

उन्होंने कहा कि पर्युषण के इन दिनों में बाहरी गतिविधियों से अधिक अपने भीतर की यात्रा करने की आवश्यकता है। स्वाध्याय उस आंतरिक यात्रा का महत्वपूर्ण साधन है। व्यक्ति यदि इन दिनों में कुछ समय स्वयं के लिए निकालकर अपने जीवन, अपने व्यवहार और अपनी आध्यात्मिक प्रगति का मूल्यांकन करे तो पर्युषण की साधना सार्थक हो सकती है।

स्वाध्याय से होता है विवेक का जागरण

सहवर्ती संत मुनिश्री काव्य कुमारजी ने स्वाध्याय की उपयोगिता बताते हुए कहा, स्वाध्याय से विवेक का जागरण होता है। स्वाध्याय का फल है सम्यक् आचरण। आत्मज्ञान चमत्कारों से भी ऊपर है।

मुनिश्री ने कहा कि ज्ञान तभी सार्थक है, जब वह विवेक को जागृत करे और विवेक जीवन में सम्यक् आचरण को जन्म दे। स्वाध्याय व्यक्ति को सही और गलत, उचित और अनुचित तथा स्थायी और अस्थायी के बीच अंतर समझने की दृष्टि प्रदान करता है।

उन्होंने कहा कि आज के समय में व्यक्ति के पास सूचनाओं की कमी नहीं है, लेकिन सही ज्ञान और विवेक की आवश्यकता पहले से अधिक है। स्वाध्याय मनुष्य को बाहरी जानकारी से आगे ले जाकर आत्मज्ञान की दिशा में प्रेरित करता है।

मंगलाचरण से हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ

कार्यक्रम का प्रारंभ सुजानगढ़, छाप्पर, पड़िहारा, चूरू, टमकोर और चाड़वास क्षेत्र के लोगों द्वारा प्रस्तुत मंगलाचरण से हुआ। मंगलाचरण की प्रस्तुति ने कार्यक्रम के वातावरण को भक्तिमय एवं आध्यात्मिक बना दिया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं ने मुनिश्री के प्रवचन का श्रवण करते हुए स्वाध्याय के विभिन्न आयामों को समझा तथा पर्युषण के इन पावन दिनों को अधिक सार्थक बनाने की प्रेरणा प्राप्त की।

तेरापंथी महासभा के क्षेत्रीय प्रभारी लक्ष्मीपतजी बैद ने कार्यक्रम में आवश्यक सूचनाएं प्रदान कीं।

अगला दिन होगा सामायिक दिवस

पर्युषण महापर्व के प्रत्येक दिन को विशेष आध्यात्मिक विषय एवं साधना से जोड़कर मनाया जा रहा है। इसी क्रम में आगामी दिन सामायिक दिवस के रूप में विशेष आयोजन होगा। कल प्रवचन के दौरान अभिनव सामायिक का प्रयोग भी कराया जाएगा, जिसके माध्यम से सामायिक की साधना एवं उसके महत्व को और अधिक प्रभावशाली ढंग से समझाया जाएगा।

भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 09 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में 08 सितंबर, 2026 को संस्थान के राजभाषा कार्यान्वयन समिति (राकास) की 78वीं बैठक आयोजित की गई।

संस्थान की निदेशक एवं राजभाषा कार्यान्वयन समिति की अध्यक्ष डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती के द्वारा औपचारिक रूप से स्वागत संबोधन के बाद बैठक का शुभारंभ हुआ। बैठक में डॉ. बी वेंकटेश भट, प्रभारी-पीएमई कक्ष; डॉ. ए कलैसेकर, प्रभारी-सूचना प्रौद्योगिकी; डॉ. जिनु जेकब, प्रभारी-हिंदी कक्ष; डॉ. ए श्रीनिवास, कृषि विस्तार; श्री के श्रीनिवास बाबु, प्रभारी-प्रक्षेत्र अनुभाग; डॉ. सूगण्ण, प्रभारी-पुस्तकालय; श्री पी शिवप्रसाद, प्रशासनिक अधिकारी; श्री शेख रुकमान, वित्त एवं लेखा अधिकारी; श्री राम मूर्ति, निदेशक के निजी सचिव (सदस्य) तथा डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी - राजभाषा (सदस्य-सचिव) चर्चा के दौरान उपस्थित थे।

बैठक के दौरान सदस्य सचिव द्वारा प्रस्तुत विभिन्न विषयों, विशेषकर संस्थान में 14 सितंबर से 13 अक्तूबर 2026 के दौरान मनाए जाने वाले हिंदी चेतना मास समारोह संबंधी विभिन्न कार्यक्रमों पर विचार-विमर्श किया गया।

डॉ. महेश कुमार के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक संपन्न हुई।

अन्नदान से मानवता की सेवा को बना रहा जनअभियान : सुभाष अग्रवाल

हैदराबाद, 09 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सेवा, समर्पण और मानवता के संकल्प को साकार करते हुए राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बुधवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क के वाटर टैंक पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर उनके चेहरों पर मुस्कान लाने का पुनीत प्रयास किया गया।

इस अवसर पर सुभाष अग्रवाल ने कहा कि भूखे को भोजन कराना ही सच्ची मानव सेवा है। राधे-राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से चलाया जा रहा अन्नदान अभियान समाज में सेवा और संवेदना की नई मिसाल कायम कर रहा है।

उन्होंने कहा कि जब सेवा का भाव निस्वार्थ हो और उसमें निरंतरता जुड़ जाए, तो वह केवल एक कार्यक्रम नहीं रहता, बल्कि समाज के लिए प्रेरणादायी जनअभियान बन जाता है।

सुभाष अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाने के साथ-साथ समाज में 'सेवा ही सबसे बड़ा धर्म' की भावना को मजबूत करना है।

सामूहिक सहयोग और सेवाभाव से संचालित यह अभियान मानवता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है।

कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, भंवरलाल गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सेवा कार्य में सहभागिता निभाई और अन्नदान को सफल बनाया।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का यह निरंतर सेवा अभियान समाज के जरूरतमंद वर्ग के लिए सहयोग की उम्मीद और मानवता की मजबूत मिसाल बनता जा रहा है।

बजरंग सेना तेलंगाना का गणेश चतुर्थी - स्वदेशी अभियान पोस्टर लॉन्च

हैदराबाद, 9 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बजरंग सेना तेलंगाना द्वारा आज काचीगुडा स्थित श्री श्याम बाबा मंदिर में गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर जन जागरण अभियान बी हिंदू, बाय हिंदू, एम्प्लॉय हिंदू का भव्य पोस्टर लॉन्च समारोह सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच बजरंग सेना के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में पोस्टर का अनावरण किया गया। इस पोस्टर का मुख्य उद्देश्य आगामी गणेश चतुर्थी को आत्मनिर्भरता और हिंदू एकता का पर्व बनाने का संदेश देना है।

समारोह में श्री श्याम मंदिर समिति के सचिव श्री रामदेव अग्रवाल, अखिल भारत हिंदू महासभा के पूर्व प्रचार संयोजक श्री रिद्धीश जागीरदार, श्री गुजराती ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष श्री तरुण मेहता, बाजरंग सेना तेलंगाना के राज्य अध्यक्ष श्री एन.आर. लक्ष्मण, उपाध्यक्ष श्री राघव कुमार, हैदराबाद नगर अध्यक्ष श्री मनोज मोगल्दी और श्री रामेश्वर मिश्रा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

लॉन्च से पहले श्री श्याम बाबा और श्री हनुमान जी महाराज की विशेष पूजा-अर्चना भी की गई।

इस अवसर पर श्री रिद्धीश जागीरदार ने कहा कि त्योहारों में हमारा पैसा अपनी ही समाज में रहना चाहिए। उन्होंने सभी सनातनी भाइयों से अपील की कि वे मिट्टी की गणेश मूर्ति, पूजा सामग्री, फूल, सजावट की वस्तुएं और कपड़े केवल स्थानीय हिंदू विक्रेताओं से ही खरीदें।

अन्य अतिथियों ने भी सभी सनातन धर्म प्रेमियों और हिंदू जागरण कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे इस गणेश चतुर्थी को आत्मनिर्भरता और एकता के संकल्प के साथ मनाएं।

कार्यक्रम का समापन 'जय श्री गणेश, जय श्री राम' के जयघोष के साथ हुआ।

सहस्त्र मोदक और 51 नारियल से भव्य 'महागणपति हवन' 20 को

'अंधेरे से अनंत प्रकाश की ओर' बढ़ने का दिव्य संदेश देगा धार्मिक अनुष्ठान

हैदराबाद, 09 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

स्थानीय विश्वविजय मित्र मंडल के तत्वावधान में 20 सितंबर को भव्य धार्मिक अनुष्ठान 'महागणपति हवन' का आयोजन किया जाएगा। इस महायज्ञ का उद्देश्य 'अंधेरे से अनंत प्रकाश की ओर' बढ़ने का दिव्य संदेश देना तथा समाज में आध्यात्मिक चेतना जागृत करना है।

आयोजकों ने वैदिक शास्त्रों का संदर्भ देते हुए बताया-

यो मोदकसहस्रेण यजति। स वाञ्छितफलमवाप्नोति।

अर्थात जो श्रद्धालु सहस्र मोदकों द्वारा यज्ञ एवं पूजन करता है, उसकी सभी मनोवांछित मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

यह भव्य धार्मिक कार्यक्रम रविवार, 20 सितंबर 2026 को प्रातः 9.15 बजे से प्रारंभ होगा। वैदिक विधि-विधान के साथ गणपति वंदना, गणपति प्रार्थना एवं गणपति पूजन, पुण्याहवाचन, कलश स्थापना, मंडल दर्शन, नवग्रह पूर्व कलश स्थापना, महागणपति उपनिषद् महाभिषेक तथा भव्य पुष्प अलंकार किया जाएगा।

इसके पश्चात 51 नारियल एवं अष्टद्रव्य सहित सहस्र मोदक हवन किया जाएगा। धार्मिक अनुष्ठान के अंत में महापूर्णाहुति, महाआरती एवं वेद आशीर्वाद वचन के साथ कार्यक्रम का समापन होगा।

यह दिव्य अनुष्ठान वानर सेना गणपति, बॉम्मेरलू कॉम्प्लेक्स, फीलखाना, बेगम बाजार, हैदराबाद में आयोजित किया जाएगा।विश्वविजय मित्र मंडल द्वारा समाज के वरिष्ठजनों के साथ चर्चा कर सभी श्रद्धालुओं से इस पावन धार्मिक अनुष्ठान में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की गई है।

पंचायतीवाड़ा में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में वानर सेना फ्रेंड्स क्लब के श्याम सुंदर उपाध्याय, श्रीकिशन उपाध्याय, जगदीश प्रसाद कोलारिया, बृजगोपाल वैष्णव (अज्जू महाराज), हरिकिशन ओझा, रामदेव नागला, मुरलीधर तिवारी, संदीप जायलवाल और जुगल किशोर उपाध्याय सहित समाज के कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

राज्यसभा सांसद अनिल कुमार यादव को उनके जन्मदिन की बधाई देते हुए महेश बैंक के पूर्व चेयरमैन रमेश कुमार बंग एवं राधेश्याम बंग।

विधानसभा हिंसा और स्पीकर के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की जांच के आदेश

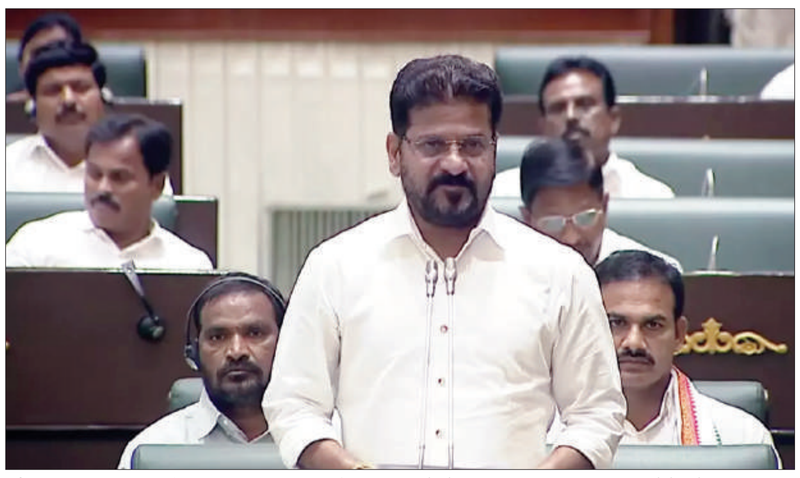

हैदराबाद, 10 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को बीआरएस नेताओं से जुड़े घटनाक्रमों की व्यापक जांच के आदेश दिए। जांच में विधानसभा में हुई हिंसा, विधानसभा अध्यक्ष गद्दम प्रसाद कुमार के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणियां, बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव के एर्रावेली फार्महाउस के पास दलितों के विरोध प्रदर्शन और इसके बाद सड़कों के कथित 'शुद्धिकरण' की घटनाओं को शामिल किया गया है।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि विधानसभा के मानसून सत्र से पहले चंद्रशेखर राव के फार्महाउस पर विधानसभा अध्यक्ष को निशाना बनाने और सदन की कार्यवाही बाधित करने की साजिश रची गई थी। जांच में 6 सितंबर को फार्महाउस में हुई बीआरएस विधायक दल की बैठक, 7 सितंबर को विधानसभा के बाहर हुई हिंसा, स्पीकर के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों, पुलिसकर्मियों और सरकारी कर्मचारियों पर हमले, 8 सितंबर को एर्रावेली में दलितों के विरोध प्रदर्शन तथा 9 सितंबर को बीआरएस कार्यकर्ताओं द्वारा कथित सड़क 'शुद्धिकरण' कार्यक्रम को शामिल किया गया है।

जांच का नेतृत्व हैदराबाद सिटी स्पेशल ब्रांच के संयुक्त पुलिस आयुक्त एस.एम. विजय कुमार करेंगे। रेवंत रेड्डी ने कहा कि जांच से यह स्पष्ट होगा कि घटनाओं की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने में किन लोगों की भूमिका रही। उन्होंने चेतावनी दी कि दोषी पाए जाने वाले सभी लोगों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज किए जाएंगे।

विधानसभा में बयान देते हुए मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि बीआरएस नेतृत्व ने जानबूझकर सदन की कार्यवाही बाधित करने की योजना बनाई थी। उन्होंने कहा कि सरकार ने 22ए भूमि सहित जनहित के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के लिए विधानसभा सत्र बुलाया था और बीआरएस को आशंका थी कि इन मुद्दों पर चर्चा से उसे राजनीतिक नुकसान हो सकता है।

उन्होंने विधानसभा के बाहर बीआरएस के विरोध प्रदर्शन के दौरान महिला कर्मचारियों के साथ कथित अनुचित व्यवहार की भी जांच कराने की बात कही।

विवाद उस समय और बढ़ गया जब 8 सितंबर को दलित कार्यकर्ताओं ने स्पीकर और उनकी मां के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों को लेकर माफी की मांग करते हुए चंद्रशेखर राव के फार्महाउस के पास प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदर्शनकारियों ने एर्रावेली को इसलिए चुना क्योंकि उन्हें विश्वास था कि कथित साजिश वहीं रची गई थी। उन्होंने कहा कि दलितों ने ढोल बजाकर और नारे लगाकर लोकतांत्रिक तरीके से विरोध किया तथा न तो फार्महाउस में प्रवेश किया और न ही किसी पर हमला किया।

मुख्यमंत्री ने फार्महाउस के पास बीआरएस कार्यकर्ताओं द्वारा कथित रूप से दलित प्रदर्शनकारियों के गुजरने वाली सड़कों पर हल्दी मिले पानी का छिड़काव कर 'शुद्धिकरण' किए जाने पर कड़ी आपत्ति जताई। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि इस कृत्य से क्षेत्र में दलितों की मौजूदगी को कथित रूप से अपवित्रता के रूप में दर्शाया गया। इस मुद्दे को लेकर बुधवार को विधानसभा में राजनीतिक विवाद बढ़ गया और कांग्रेस सदस्यों ने सदन में चर्चा की मांग की।

रेवंत रेड्डी ने कहा कि सरकार छुआछूत, जातिगत भेदभाव, सामाजिक तनाव पैदा करने के प्रयासों और हिंसा के लिए उकसाने को बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि सड़कों को किसी शुद्धिकरण की आवश्यकता नहीं थी, बल्कि भेदभावपूर्ण मानसिकता को बदलने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजनीतिक मतभेद किसी को भी विधानसभा अध्यक्ष या उनकी मां का अपमान करने का अधिकार नहीं देते। उन्होंने बताया कि कई राजनीतिक दलों ने संबंधित बीआरएस नेताओं से माफी मांगने की अपील की थी। बीआरएस नेता संध्या राव की सोशल मीडिया पोस्ट का हवाला देते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि 'शुद्धिकरण' कार्यक्रम चंद्रशेखर राव के निर्देश पर किया गया था।

रेवंत रेड्डी ने कहा, कानून की कमियों का फायदा उठाकर ऐसे कृत्य करने वाले लोग अदालत से जमानत हासिल कर सकते हैं, लेकिन समाज उन्हें जमानत नहीं देगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि साजिश रचने वालों के साथ-साथ उनके निर्देशों को जमीन पर लागू करने वालों के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जांच 6 सितंबर को फार्महाउस में हुई बैठक से लेकर विधानसभा और एर्रावेली की घटनाओं तक पूरे घटनाक्रम की जांच करेगी। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार संवैधानिक सुरक्षा उपायों को बनाए रखने तथा जातिगत भेदभाव और छुआछूत के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के लिए प्रतिबद्ध है।

बीआरएस की दलित विरोधी टिप्पणियों की कांग्रेस विधायकों ने राज्यपाल से शिकायत की

हैदराबाद, 10 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में सत्तारूढ़ कांग्रेस और विपक्षी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के बीच राजनीतिक तनाव बुधवार को उस समय और बढ़ गया, जब दोनों दलों ने 7 सितंबर को विधानसभा परिसर के अंदर और बाहर हुए हंगामे को लेकर राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला से मुलाकात कर अपनी-अपनी शिकायतें और ज्ञापन सौंपे।

बुधवार सुबह बीआरएस नेताओं और विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला से मुलाकात कर घटनाक्रम को लेकर अपना पक्ष रखा। इसके बाद कांग्रेस के तेलंगाना विधानसभा और विधान परिषद सदस्यों ने राज्यपाल को जवाबी ज्ञापन सौंपते हुए उन्हें राज्य के सर्वोच्च संवैधानिक प्राधिकारी के रूप में दलितों और महिलाओं की गरिमा, सुरक्षा एवं सम्मान की रक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

कांग्रेस नेताओं ने अपने ज्ञापन में 8 सितंबर को तेलंगाना के इतिहास का काला दिन बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि विधानसभा के अंदर अध्यक्ष गद्दम प्रसाद कुमार के खिलाफ आपत्तिजनक मौखिक टिप्पणियां की गईं, जबकि विधानसभा के बाहर पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की और हाथापाई की घटनाएं हुईं। कांग्रेस ने विशेष रूप से बीआरएस विधान परिषद सदस्यों ताता मधु और नवीन रेड्डी पर विधानसभा अध्यक्ष की दिवंगत मां के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेताओं ने इसे दलित समुदाय और देशभर की महिलाओं का अपमान बताया।

ज्ञापन में कांग्रेस ने विधानसभा के बाहर हुए घटनाक्रम का भी उल्लेख किया। आरोप लगाया गया कि बीआरएस विधायक टी. हरीश राव और कुछ अन्य नेताओं ने अपनी शर्ट उतारकर पुलिसकर्मियों की ओर फेंकी तथा ड्यूटी पर तैनात महिला पुलिस अधिकारियों की ओर बढ़े। कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया कि बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव के नेतृत्व में नेताओं के एक समूह ने पुलिसकर्मियों, जिनमें महिला अधिकारी भी शामिल थीं, के साथ मारपीट की।

विवाद का असर ग्रामीण तेलंगाना में भी दिखाई दिया। कांग्रेस के अनुसार, दलित समुदाय के लोगों ने बीआरएस अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव से माफी की मांग को लेकर एर्रावल्ली की ओर शांतिपूर्ण मार्च निकाला। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि बीआरएस समर्थकों ने मार्च में शामिल लोगों के गुजरने के बाद सड़कों पर दूध और हल्दी के पानी का छिड़काव कर कथित रूप से शुद्धिकरण किया और बाद में इसके वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित किए। कांग्रेस के गांधी भवन, नामपल्ली स्थित पार्टी कार्यालय ने इस घटना से संबंधित तस्वीरें भी मीडिया के समक्ष जारी कीं।

कांग्रेस ने बीआरएस के कार्यों की तुलना सामाजिक भेदभाव के पुराने दौर से करते हुए आरोप लगाया कि विपक्षी दल राज्य को उस दौर में वापस ले जाने का प्रयास कर रहा है, जब छुआछूत जैसी प्रथाएं प्रचलित थीं। ज्ञापन में बीआरएस के दस वर्ष के शासनकाल को लेकर भी कई आरोप लगाए गए। इनमें दलित मुख्यमंत्री बनाने का अधूरा वादा, पूर्व उपमुख्यमंत्री टी. राजौया को पद से हटाना, मादिगा समुदाय को पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं देना, तीन एकड़ भूमि देने का वादा पूरा नहीं करना, दलित बंधु योजना से जुड़ी समस्याएं तथा अनुसूचित जाति उप-योजना की राशि का उपयोग नहीं किए जाने जैसे मुद्दे शामिल हैं।

कांग्रेस विधायकों ने राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला से घटनाओं में सीधे तौर पर शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने का आग्रह किया। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि इन घटनाओं के पीछे बीआरएस के शीर्ष नेतृत्व, जिसमें के. चंद्रशेखर राव भी शामिल हैं, की पर्दे के पीछे भूमिका और साजिश है।

बीआरएस ने कांग्रेस सरकार की 'ज्यादती' की राज्यपाल से शिकायत की, हस्तक्षेप की मांग

हैदराबाद, 10 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने बुधवार को राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला से मुलाकात कर विधानसभा के मौजूदा सत्र के दौरान कांग्रेस सरकार पर पार्टी विधायकों के साथ कथित तौर पर ज्यादती करने का आरोप लगाया और मामले में हस्तक्षेप की मांग की।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव के नेतृत्व में पार्टी विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने लोक भवन में राज्यपाल से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। इसमें पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के एर्रावेली स्थित आवास पर हुए हमले को उनकी जान के लिए खतरा बताते हुए कार्रवाई की मांग की गई।

इसके अलावा बीआरएस विधायकों को विधानसभा में प्रवेश से रोकने तथा पार्टी की महिला विधायकों सहित अन्य विधायकों के साथ कथित मारपीट का मुद्दा भी उठाया गया।

बाद में पत्रकारों से बातचीत में के.टी. रामाराव ने कहा कि राज्यपाल ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए आश्वासन दिया है कि वे बीआरएस विधायकों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक से जानकारी मांगेंगे।

रामाराव ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस द्वारा बीआरएस विधायकों के साथ किए गए कथित व्यवहार के फोटो और अन्य साक्ष्य भी राज्यपाल को सौंपे। उन्होंने आरोप लगाया कि विधायक सुनीता लक्ष्मा रेड्डी की साड़ी खींची गई और सबिता इंद्रा रेड्डी को बाल पकड़कर घसीटा गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इन घटनाओं में शामिल पुलिसकर्मियों के खिलाफ बीआरएस की शिकायतों पर पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

'स्पीकर मुद्दे' को लेकर कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए रामाराव ने कहा कि बीआरएस विधान परिषद सदस्यों पर ऐसी टिप्पणियां करने का आरोप लगाया जा रहा है, जो उन्होंने की ही नहीं। उन्होंने कहा, हम विधानसभा अध्यक्ष गद्दम प्रसाद कुमार का बहुत सम्मान करते हैं। कांग्रेस राजनीतिक उद्देश्यों के लिए बार-बार उनकी पहचान को दलित अध्यक्ष के रूप में इस्तेमाल कर रही है।

रामाराव ने कहा कि राज्यपाल ने प्रतिनिधिमंडल द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों, विधानसभा से जुड़े मामलों और विधानसभा के बाहर हुई घटनाओं पर गौर करने का आश्वासन दिया है।

उन्होंने कहा कि बीआरएस को उम्मीद है कि राज्यपाल कथित ज्यादती के मामलों में हस्तक्षेप कर न्याय सुनिश्चित करेंगे।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि तेलंगाना में न्याय नहीं मिला तो बीआरएस यह मामला दिल्ली ले जाएगी और राष्ट्रीय महिला आयोग, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग सहित अन्य संबंधित संस्थाओं से संपर्क करेगी।

सेवा ही सबसे बड़ी साधना है : लता गोयल

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बुधवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर सेवा एवं मानवता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए लता गोयल ने कहा कि सेवा ही सबसे बड़ी साधना है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों की सहायता करना और भूखे व्यक्ति को भोजन कराना मानव जीवन का सबसे पुण्य कार्य है। राधे-राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे अन्नदान जैसे सेवा कार्य समाज में आपसी सहयोग, करुणा और मानवता की भावना को मजबूत कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सेवा कार्य केवल जरूरतमंदों की सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज को एक-दूसरे के प्रति संवेदनशील बनने की प्रेरणा भी देता है। राधे-राधे ग्रुप के सदस्य पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ नियमित सेवा गतिविधियों को आगे बढ़ा रहे हैं।

कार्यक्रम में अनिल अग्रवाल धरशुवाले, पन्नालाल अग्रवाल, शिव भगवान अग्रवाल, दीपचंद अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल, लता गोयल, महेश गोयल, रेनू शर्मा एवं जगन गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे। उपस्थित सदस्यों ने सेवा कार्य में सहयोग करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाया।

वाई. बाबजी यूएफईआरडब्ल्यूए के जीएचएमसी अध्याय का नेतृत्व करेंगे

हैदराबाद, 09 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अधिवक्ता वाई. बाबजी को यूनाइटेड फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (यूएफई आरडब्ल्यूए), तेलंगाना के ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) अध्याय के अध्यक्ष के रूप में सर्वसम्मति से चुना गया है। उन्हें रविवार को अलवाल, सिकंदराबाद में आयोजित फेडरेशन की वार्षिक आम बैठक में चुना गया।

श्री बाबजी को रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशंस के कामकाज का व्यापक अनुभव है, जिसकी शुरुआत 1980 के दशक में बागलिंगमपल्ली आरडब्ल्यूए से हुई, इसके बाद 2000 के दशक में संजीवा रेड्डी नगर आरडब्ल्यूए और हाल ही में कुकटपल्ली के धरणी नगर रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन की सलाहकार परिषद के संयोजक के रूप में उनका योगदान रहा। एजीएम की अध्यक्षता यूएफईआरडब्ल्यूए और कोरवा के संस्थापक डॉ. राव वीबीजे चेलिकानी ने की। श्री बाबूजी राज्य महासंघ के उपाध्यक्ष के रूप में भी कार्य करेंगे, जिनके पास इसके यूएन-हैबिटेट मामलों का प्रभार होगा, और भारत के रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशंस महासंघ के राष्ट्रीय परिषद सदस्य के रूप में भी सेवा देंगे।

वार्षिक आम बैठक में श्री सागरम श्रीधर को मल्काजगिरि नगर निगम (एमएमसी) अध्याय के अध्यक्ष और श्री रमण ईश्वरगिरि को साइबराबाद नगर निगम (सीएमसी) अध्याय के अध्यक्ष के रूप में भी चुना गया। हैदराबाद को हैदराबाद, मल्काजगिरि और साइबराबाद नगर निगमों में प्रस्तावित त्रिभाजन के बाद फेडरेशन अपने नगर-स्तरीय ढांचे को मजबूत कर रहा है, जिसका उद्देश्य आरडब्ल्यूए को नागरिक और शहरी-शासन के मुद्दों को हल करने और स्थानीय अधिकारियों के साथ प्रभावी ढंग से जुड़ने के लिए एक समन्वित मंच प्रदान करना है।

श्री बाबूजी ने विभिन्न क्षमताओं में राज्य सरकार की सेवा की है और अतीत में पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) के राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारी भी रहे हैं। एक कानूनी व्यवसायी और जनसंपर्क शिक्षक के रूप में, उन्होंने कई दशकों तक जनसंपर्क पढ़ाया है और वह 'पब्लिक रिलेशंस वॉयस' के संपादक हैं। उनकी इस पदोन्नति से संगठित नागरिक भागीदारी, जवाबदेह शहरी शासन और निवासियों की नागरिक चिंताओं के प्रभावी प्रतिनिधित्व को बढ़ावा देने के फेडरेशन के प्रयासों को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज के नवनिर्वाचित मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

हैदराबाद, 09 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज, सिकंदराबाद द्वारा सिखवाल भवन, रंगरेज बाजार में नवनिर्वाचित मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ऋषि ऋंग भगवान महाराज की पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इसके पश्चात चुनाव अधिकारी पंडित रामेश्वर लालजी व्यास ने नवनिर्वाचित मंत्रिमंडल के पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने ली शपथ

अध्यक्ष -श्री नटवरलाल व्यास
महामंत्री- श्री भागीरथ पांड्या
कोषाध्यक्ष -श्री मुकेश पांडे मालावत
उपाध्यक्ष -श्री आनंद ओझा
मंत्री -श्री कमल पांडे रेखावत

इसके साथ ही समस्त नवनिर्वाचित मंत्रिमंडल के सदस्यों ने भी शपथ ग्रहण की।

इस अवसर पर सिखवाल भवन समाजबंधुओं एवं मातृशक्ति से खचाखच भरा रहा। समारोह में अनिल भाई द्वारा नवनिर्वाचित मंत्रिमंडल के पदाधिकारियों का शॉल एवं माला पहनाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।उपस्थित सभी समाजबंधुओं एवं मातृशक्ति ने नवनिर्वाचित मंत्रिमंडल को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। साथ ही समाज की एकता, प्रगति एवं विकास के लिए मिलकर कार्य करने की शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

तेलंगाना राज्य योजना आयोग की उपाध्यक्ष नियुक्त होने पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एन.के. सिंह ने श्रीमती गडवाल विजयलक्ष्मी को जुबली हिल्स स्थित उनके निवास पर शॉल ओढ़ाकर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.